हरियाणा विधानसभा

मंगलवार, 25 मार्च, 2008

विधानसभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सेक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9:30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री रघुवीर सिंह कादि्यान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

Mr. Speaker : Hon'ble Member, Now, Question hours.

Illegal Recruitment of Deputy Director (A.H.)

*878. Sh. Karan Singh Dalal : Will the Animal Husbandy & Dairying Minister be pleased to State :-

(a) Whether the State Govt. had amended the Haryana Veterinary (group A) Service Rule. 1995 Vide its notification date 6.9.2002 thereby taking away the provision of direct recruitment to the post of Director (A.H.) or equivalent, if so, the details there of;

(b) whether even after the amendment in (a) above vide its notification date 6.9.2002, the Haryana Pubic service Commission advertised four post of Deputy Director (A.H) vide advertisement dated 18.9.2002 in spite of the abolition of provision of direct recruiment:

(c) whether selection and recruitment of above advertised post of Deputy Dierctors (A.H.) was challenged in the Hon'ble High Court: and

(d) the action taken by the Government against these illegal recruitment?

Agriculture Minister (Sardar H.S. Chatha) : Sir, a statement is placed on the Table of the House.

statement

(a) yes sir. In Haryana Veterinary (Group A) service Rule, 1995 there was provision to fill up the 25 % post of Deputy Directors by direct recruitment and 75 % by promotion. Vide notification dated 6.9.2002 an amendment was made to the rule 1995 wherein the provision of direct recruitment to the post of Deputy Directors was abolished thereby making all the post of Deputy Directors promotional post.

(b) Yes Sir. However. the requisition to fill up 4 post of Deputy Directord was sent to Haryana Service Commission before the amendment in the said rules vide lette dated 20.8.02

(c) yes Sir. Howerver, the writs vide which appointments were challenged were withdrawn.

(d) sir the matter is under consideration of the Govt. and appropriate action will be taken shortly.

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मानयीय मंत्री जीं से यह जानना चाहता हूं कि जो पिछली सरकार के दौरान यह भद्दा मजाक किया गया कि एक तरफ खुद सरकार ने वैटेनरी डिपार्टमैंट ग्रुप–ए के सर्विस रूल्ज को अमैंड कर दिया। यह माननीय मंत्री महोदय ने अपने जवाब में भी माना है। अध्यक्ष महोदय, उसमें तत्कलीन सरकार द्वारा रूल्ज में अमैंडमैंट करके कृशि उप निदे ाक के पदों को डायरैक्ट रिक्रूटमैंट के माध्यम से भर्ती करने पर प्रतिबन्ध लगा दिया। जैसा कि माननीय मंत्री महोदय द्वारा जो सदन को जानकारी दी गई है। इसके बावजूद भी इन डी०डी०ए० जैसे महत्वपूर्ण पदों पर जो भी उन दिनों हरियाणा पब्लिक सर्विस कमी ान के चेयरमैन थे उन्होंने अपने चहेतों को और अपने रि तेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए कृशि उप निदे ाक के पदों को डायरैक्ट रिक्रूटमैंट के माध्यम से भर लिया। अध्यक्ष महोदय, मेरी स्पैसिफिक सवाल यह है कि क्या माननीय मंत्री जी यह मानते है कि यह ये नियुक्तियां गलत और गैर कानूनी है और अगर है तो उनके खिलाफ ये क्या कार्यवाही करने जा रहे हैं?

सरदार एच एस चट्ठा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मानयीय साथी को बताना चाहता हूं कि पहले कृशि उप निदे ाक के पदों को 25 प्रति ात डायरैक्ट रिक्रूटमैंट के जरिय भरा जाता था और 75 प्रति ात पदों को बाई प्रोमो ान भरा जाता था। लेकिन 9.2.2002 को यह अमैंडमैंट कर दी गई कि इन

पदों पर कोई भर्ती डायरैक्ट रिक्रूटमैंट से नहीं की जायेगी। लेकिन अनफॉरचूनेटली इसके केवल 12 दिन बाद हरियाण पब्लिक सर्विस कमी ान डायरैक्ट रिक्रूटमैंट के लिए पोस्टें एडवरटाईज कर दी हौर स्पीकर सर उसके बाद 9.12.2004 को गर्वमैंट की इसनकी सिलैक ान लिस्ट भेज दी गई और 12.12.2004 को इनको अप्वायंटमैंट मिल गई। जहां तक माननीय सदस्य के दूसरे सवाल का सम्बन्ध है, उसमें मैं एक बात और एड कर देता हूं कि दलाल साहब के पास पूरी इन्फर्मे ान नहीं थी। सवाल तो इन्होंने पुट किया लेकिन इसमें एक और बात थी इनमें पांच पोस्टें और थी जो उन्होंने लिस्ट दी है उसके अलावा एक लिस्ट और भी है और उसकी कहानी और भी अजीब है। उसकी रिक्वीजी ान 17.1.2003 को भेजी गई और हरियाणा पब्लिक सर्विस कम ीन द्वारा 16.5. 2003 को ये पोस्टें एडवरटाईज कर दी गई और 16.1.2003 को रिकमैंडे ान की गई और डेढ़ साल बाद 23.1.2004 को उनकी रिक्रूटमैंट हो गई। जहां तक इनके सवाल की बात है तो मैं सर्विस मैटर का एक्सपर्ट तो नहीं हूँ लेकिन मोटे तौर पर मैं यह समझता हूं कि ये नियुक्तियां गलत हैं। इसके साथ–साथ मैंने इनके मुतल्लिक एल. आर. हरियाणा से भी ऑपिनियन ली है। एल. आर. द्वारा इस केस में दिया गया ऑपिनियन कुल मिलाकर पांच लाईनों में ही है अध्यक्ष महोदय, अगर आपकी इजाजत हो तो मैं उसे पढ़कर सुनाना चाहूंगा।

"The quota of direct recruitinment for the post of Deputy Dierctor (Animal Husbandry) was abolished vide

amendment in Haryana (Group A) service Rule 1995 on 6.9.2002. The posts of Deputy Direvtor Veterinary (Animal Husbandry) by way of direct recruitment were subequently advertised by the the Haryana Public Service Commission on 18.9.2002. Therefore. after the amendment of the said Rule. the appointments in question by way of direct recuitment are not in order. being in contravention to the amended Rule."

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, जब एल आर भी इस बात को मानता है ओर उस के आयुक्त, प ाुपालन विभाग ने भी एचपीएससी को लिखकर सूचना दी थी कि रूल्ज सं ाोधित हो चुके है। उन्होंने यह प्रोसैस इसलिए जारी रखा कि उसमें एचपीएससी के चेयरमैन, मैम्बर्स के रि तेदार मुख्यमंत्री और उनके बेटों के चहेते थे जिन्होंने रि वत देकर इन पदों को प्राप्त किया। क्या यह भी सही है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री या उनके बेटे अजय सिंह चौटाला के नोट पर यह सारा प्रोसैस पूरा हुआ है। मैं आपके डिपार्टमैंट ने मुख्यमंत्री के बेटे द्वारा लिखे गये नोट को ग्राऊंड बनाकर फाईल चला दी। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इस क्या इस बारे में किसी अधिकारी के खिलाफ कोई कार्यवाही की है?

सरदार एच०एस० चट्ठा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने यह भी नहीं पूछा कि यह सही है या सही नहीं है, लेकिन इसमें कोई भी दो राय नहीं है कि इगर यह बात सही है तो उनके खिलाफ कार्यवाही होगी। मैं सदन को वि वास दिलाता हूं कि इस केस की हेरा–फेरी नहीं होगी और इस केस का पूरा

फैसला किया जायेगा। यह बात नहीं है कि हसमें ज्यादा देर लगेगी हम 30 दिन के अन्दर ही इसका फैसला कर देंगे।

Shri Phool Chand mullana : Mr. Speaker Sir. it stands proved that the decision was faulty and no public interest was involved in it. I would like to Know what crimainal action is being initiated by the Government and in how much time?

श्री अध्यक्ष : मुलाना साहब, यह बात मंत्री जी ने बता दी है कि हम एक महीने के अन्दर इसका फैसला कर देंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, क्या मानवीय मंत्री जी इस बात से वाफिक हैं कि पिछली सरकार की गलत नियुक्तियों की वजह से हरियाणा के सारे प ा, जिनकी आपका विभाग देखभाल करता है, रो रहे है क्या उनका कोई इलाज मंत्री जीं करेंगे?

Deaths Due to Electrocution

*818. Sh. Radhey Shyam Sharma Amar: will the Power Minister be pleased to state:-

(a) whether it is fact that a namber of persons and cattles have died from electrocution due to the iron poles of electricty in Narnaul condtituency;

(b) if so, the details thereof with the time by which these iron poles are likely to be replaced with cemented poles; and

(c) the time by whicf the power sub stations constructed in village Dholera, Tehsil Narnaul will be commissioned?

power Minister (Shri Randeep singh Surjewala):

(a) sir. No person has died from electroncution due to iron poles in Narnal condtituency in the last 3 years. However, 3 nos. cattle died of electrocution due to iron poles.

(b) out of 460 iron nos. poles ecisting in Narnal condtituency. 80 nos. iron poles have been replaced with cemented/ pcc poles up to 29.2.08. The work of replacing the remaining iron poles is going on and the work is likely to be comleted in 2008-09.

(c) The work for the new 33 KV sub station ai Dholera is in progrees and is likely to be completed by 31.3.2008. cost of condtruction of this substation is Rs 170 lacs approximately.

श्री राधे भयाम भार्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि एक आमदी के दोनों हाथ कट गये, which is worst than death. उसके लिए क्या महकमा कुछ करेगा? इसके साथ ही साथ एक प्र न मैं यह भी पूछना चाहता हूं कि हमारे क्षेत्र के 18 गांव हैं, जहां पर 33 केवी सब स्टे ान

बनाने के लिए सर्वे किया गया है, उस पर कब तक कार्यवाही भुरू करेंगे?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने जो प्र न पूछे हैं वे बिल्कुल अलग–अलग प्र न हैं। ए. और बी. पृथक विशय के प्र न है और सी तो बिल्कुल ही अलग है, लेकिन फिर भी जिस पार्टिकुलर व्यक्ति के बारे में माननीय सदस्य ने पूछा है, हम सबकी सहानुभूति भी उनके साथ है। मैं माननीय साथी से कहना चाहूंगा कि वे पूरे तथ्य लिख कर मुझे भिजवा दें तो हमारा जो सम्बन्धित दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम है मैं उनसे कहूंगा कि उचित कार्रवाई करके उचित मुआवजा दिलवा दें। जहां तक दूसरे सब स्टे ान की कम्पली ान का प्र न है, यह लिखकर मुझे भिजवा दें तो मैं उनका जवाब भिजवा दूंगा।

श्रीमती सुमिता सिंह : अध्यक्ष जी, इस प्रकार के एक्सीडैंट्स हो हरे है और बिजली की चोरियां भी हुई है। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगी कि क्या सरकार ऐसा कोई प्रोविजन करने जा रही है कि जो बिजली की तारें हैं उनको अण्डग्राउंड कर दें? अगर इसका जवाब नहीं में है तो मैं यक रिक्वैस्ट भी करूंगी कि सरकार को ऐसा प्रोविजन करना चाहिए, क्या सरकार इस बारे में विचार करेगी?

श्री अध्यक्ष : वह एडवान्समैंट के साथ हो जाएगा।

श्री रणदीप सिंह सुरजवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या जी का प्र न वाजिब है और इनकी चिन्ता भी वाजिब है, इन दोनों बातों से अपने आपकों जोड़ते हुये मैं आपकी अनुमति से सदन को बताना चाहूंगा कि इलैक्ट्रसिटी थैफ्ट को रोकने के लिये इलैक्ट्रसिटी लाईन लॉसिज को कम करने के लिये और हमारी वितरण प्रणाली सुदृढ़ बने इसके लिये हमने एक कम्प्रिहैन्सिव प्रोग्राम बनाया है। ए.बी.सी. केबल PVC coated होती है और उस तार पर स्पै ाल कोटिंग होती है। गलत से अगर हाथ भी लग जाये तो उससे करण्ट नहीं लगता है। बहुत से गांवों में इसको चालू किया है और इनके जिला करनाल के अन्दर भी हमने इसकी भुरूआत की है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ एच.वी. डी.एस. प्रोग्राम हमने भुरू किया है। जिसके तहत ग्यारह हजार के.वी. की लाईन सीधे गांव में आएगी और हर तीन या चार घरों में लोड के मुताबिक ट्रांसफरमर्ज रखें जायेंगे। अध्यक्ष महोदय, यह बड़ा कॉम्प्रिहैंसिव प्रोग्राम है। इसके तहत बिजली की वोल्टेज और बिजली की सुचारू सप्लाई दोनों के अन्दर मदद मिलती है। अध्यक्ष महोदय सरकार को इसके लिये काफी खर्चा वहन करना होगा, लेकिन लॉग रन में इससे प्रान्त के लोगों को काफी लाभ होगा और इलैक्ट्रसिटी कम्पनियों को भी इसका लाभ होगा, क्योंकि इससे लाईन लॉसिज कम हो जाते हैं और ट्रांसफारमर्ज भी नहीं जलते। इसका यह भी एक लाभ है कि आज हर रोज ट्रिपिंग देखते हैं और कई बार आपने गांवों में देखा होगा कि लाईट तो जलती है लेकिन बहत ज्यादा डिम या न के बराबर ही होती है।

एच.वी.डी.एस. जहां–जहां होती है वहां ये समस्याएं नहीं रहेंगी। हमने कहा है कि हम पूरे हरियाणा में इसको करने की तैयार हैं। हमारे पास इसके लिए संसाधन भी उपलब्ध हैं परन्तु गांवों के सभी लोगों को इसके लिए कनेक ान्ज लेने पड़ेंगे क्योंकि इसके बाद गांव के अन्दर कुण्डी कनैक ान बन्द हो जाते हैं, लेकिन सप्लाई सुचारू हो जाती है। ट्रिपिंग नहीं होती। बैटरी वोल्टेज और बैटर इलैक्ट्रसिटी सप्लाई उन्हें मिलती है। अध्यक्ष महोदय, हमने जो तीसरा कार्यक्रम भुारू किया है वह segregaton of feeders है। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुडडा जी ने मुख्यमन्त्री बनने के बाद हमें स्पश्ट रूप से यह आदे ा दिये थे कि इलैक्ट्रसिटी यूटिलिटीज को गांवों में सुचारू सप्लाई देरक प्रभावी बनाएं। गांवों और भाहरों में बिजली की अतिरिक्त सप्लाई हम दे सकें इसलिए हमने यह सोचा है कि जो हमारे रूरल डोमैस्टिक फीडर्ज हैं और उनके ऊपर जो टयूबवैल्ज के फीडर्ज हैं उन्हें सैग्रिगेटिड कर दिया जाए। यह ने ानवाईड प्रोग्राम है और इससे हमारा प्रान्त पूरे देश में सबसे अग्रणी है। हमें उम्मीद है कि इस साल के अन्दर दिसम्बर 2008 तक हम हर गांव के अन्दर segregation of feeders का कार्यक्रम पूरा कर लेंगे इससे आप पाएंगे कि गांवों के अन्दर बिजली सप्लाई की समस्या समाप्त हो जाएगी। हम टयूबवैल्ज से जुड़े हुए है और कई बार ओवर लोडिंग की वजह से ट्रिपिंग और दूसरी समस्याएं आती है। अध्यक्ष महोदय, यह समस्या लगातार चलती रहने वाले समस्या है। यह इस सरकार की समस्या नहीं है बल्कि हर सरकार के समय में यह समस्या रही है। हमें उम्मीद है

कि दिसम्बर 2008 तक जब segregation of feeders complete हो जाएगा तो हम हरियाण के गांवों को इस समस्या से निजात दिला पाएंगे। स्पीकर सर, जहां तक अण्डरग्राउंड वायरिंग का प्र न है, इस प्रकार का कोई विचार हमारे पास पैडिंग नहीं है। इसके कारण रेस्ट ऑफ बैनिफिट रे ाो इतनी ज्यादा है कि यह हमारे कंसिडिरे ान में नहीं है अब यही तीन different measures हम ले रहे हैं।

श्री फूल चन्द मुलाना : स्पीकर सर, सरकार का यह बहुत ही अच्छा निर्णय है कि आयरन पोल्ज सीमैंट वाले पोल्ज से रिप्लेस कर दिय जाएंगे। नारनौल के बारे में तो यह उत्तर आ गया है लेकिन सारे प्रान्त में यह आयरन पोल्ज कब तक रिप्लेस कर दिए जाएंगे और दूसरा पूरक प्र न यह है कि जैसे सुमिता सिंह जी ने कहा है कि गांवों में या भाहरों के मुहल्लों में बहुत सारी तारें नीचे लटकी हुई हैं और कई बार उनके कारण हादसे भी होते है। कई बार छतों पर करण्ट लगने के कारण लोगों की मौतें भी होती है। मैं माननीय मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि उन तारों को कब तक ठीक कर दिया जाएगा?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मुलाना साहब की बात वाजिब है। जहां तक replacement of iron poles की बात है, इसके लिए हमने एक प्रोग्राम चलाया है। हर जिले में आप यह पाएंगे कि number of poles is very large. Sir. it is very difficult to give a date at this point of time by whict this

programme will be completed.But in every district we are replacing hundreds of poles with PVC and RCC poles every month. यह हमारा एक समयबद्ध टारगेट है, लेकिन मेरे लिए इन्होंने जो कहा उसके लिए इनको समय सीमा बताना मु कल होगा। जहां तक इन्होंने बिजली की तारों की बात कही है इसमें दो किस्म की समस्याएं हैं और मुलाना साहब इससे वाकिफ है। अध्यक्ष महोदय, हमने पहले इलैक्ट्रसिटी लाईन खींच ली, मगर बाद में पापुले ान के प्रै ार की वजह से लोगों ने तारों के नीचे भी मकान बना लिए हैं जिसकी वजह से यह दिक्कत आ रही है। अध्यक्ष महोदय, यह एक समस्या है। इसके बारे में मैं कहना चाहूंगा कि कई बार ये लाईन्ज बदली जा सकती है, लेकिन उसके लिए पैसे जमा करवाने पड़ते हैं। जहां–जहां पर भी यह संभव हो सकता है हम वहां पर जरूर चेंज करते है लेकिन उसके लिए पैसे जमा करवाने आव यक हैं। दूसरे इन्होंने तारें खींचने के बारे में प्र न पूछा है। अध्यक्ष महोदय जहां इस किस्त की ढिलाई है और जैसे ही इस बारे में कोई सम्मानित सदस्य बताता है या पब्लिक का नुमाइंदा जानकारी देता है तो हमारा इसके बारे में प्रयास रहता है कि वह जल्दी से जल्दी हो जाए।

श्री सोमवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि जिस तरह से इन्होंने नारनौल के बारे में आ वासन दिया है, उसी तरह से मेरी कांस्टीचुएंसी लौहारू के अन्दर प्रोपर बहल में भी और दूसरे गांवों में भी लोहे के बहुत

ज्यादा खंभे लगे हुए है। क्या वहां पर भी मंत्री जी उनको इस साल के अन्दर बदलवाने का आ वासन देंगे?

श्री रणदीप सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी जी को और सदन को बताना चाहूंगा कि पूरे प्रान्त एक साथ खंभे बदलवाना संभव नहीं होगा। इस समय पूरे प्रान्त की रेडी फिगर मेर पास नहीं है। जहां तक माननीय सदस्य का सवाल किया है तो ये इस बारे में हमारे से लिखित में भिजवा दें। मैं इस बारे में माननीय सदस्य का आ वासन दूंगा कि उन गांवों में खंभे बदलने का हमारा प्रयास रहेगा और उनको इसी साल में बदलवाने की भी कोि ा ा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, हम मानते हैं कि जब भी बारिश होती है तो वहां पर प ाुओं और व्यक्तियों को भाार्ट सर्किट की वजह से करंट लगने का भय रहता है। इसलिए हमने इन पोलों को बदलने का कार्यक्रम भाुरू किया है और हम बदलते जा रहे हैं। आप हमें लिखकर भिजवाएं हम उनको जल्दी से जल्दी बदलवाने का काम करेंगे और कोि ा ा करेंगे कि इस साल में यह कार्य पूरा हो जाए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए इनके महकमें के द्वारा क्या कोई कदम उठाये जा रहे हैं। क्योंकि जैसे विदे ाों में होता है कि वहां पर तारें नंगी पड़ी होती है, लेकिन किसी को करंट का भय नहीं होता है। अध्यक्ष महोदय, हमने कई दे ाों में देखा है कि वहां पर रेल के

नीचे सरेआम नंगी तारें ट्रैक पर होती है और उस पर ट्रेन चलती है, लेकिन किसी को भी करंट नहीं लगता है। वहां तो 120 ए.सी. – डी.सी. या 220 ए.सी.– डी.सी का उनका प्रोसैस है, क्या उस तकनीक को अपने प्रदे ा में लागू करवाएंगे ताकि उससे किसी को नुकसान न हो सके?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से दलाल साहब को बताना चाहूंगा कि ये बहुत ही काबिल आदमी हैं। इनको मालूम भी होगा और अगर मालूम नहीं है तो में इनको बता दूं कि हिन्दुस्तान की इलैक्ट्रोसिटी लाईन्ज 220 की वोल्टेज पर है न कि 110 या 120 की वोल्टेज पर हैं। अध्यक्ष महोदय, असैंि ायली अमेरिका, इंग्लैंड और दूसरे मुल्कों में डिफरैंट वोल्टेज है। बट लार्जसी पूरी दुनिया की इलैक्ट्रोसिटी लाईन्ज 220 वोल्टेज के सिस्टम पर हैं। इनको 110 पर कन्वर्ट नहीं किया जा सकता। अध्यक्ष महोदय, न ही 220 को 110 कन्वर्ट करने का कोई वि ोश लाभ है। अध्यक्ष महोदय, जब मैं बिजली मंत्री बना था तो मैंने एक स्पैसिफिक प्र न बिजली अधिकारियों से पूछा था। अध्यक्ष महोदय, इस वोल्टेज प्रणाली की जिस समय में अडॉप्ा न की गई थी, उस समय कुछ दे ाों ने किसी दूसरी प्रणाली के तहत इसकी अडॉप्ा न कर ली थी। अध्यक्ष महोदय, आपने यह भी देखा है कि अमेरिका में बाई तरफ गाड़ियां चलाई जाती है और हम दाई तरफ चलाते है। अध्यक्ष महोदय, यह एक अडॉप्ा न ऑफ सिस्टम की बात है, मुझे नहीं लगता कि इससे

बिजली के करंट लगने का कोई वास्ता है। बिजली के करंट लगने का कोई और कारण हैं। जिसके बारे में माननीय सदस्या श्रीमती सुमिता सिंह जी ने प्र न पूछा था और मैंने तफसील से बताया भी था कि हम क्या–क्या मईयर्ज लें रहे हैं। इस बारे में मैंने डिटेल में बता दिया है।

श्री रणधीर सिंह : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि मेरे हल्के के दो–तीन गांवों में कंडैक्टर्ज हटा कर केबल सिस्टम भ्रारू किया गया है। लेकिन वहां पर पोल्ज की ज्यादा दूरी होने के वजह से केबल बहुत ज्यादा डाऊन है। अध्यक्ष महोदय, उसकी वजह से उन गांवों में आज पहले की अपेक्षा ज्यादा लाईन लोसिज हो चुके है। क्या मंत्री जी उन पोलों का डिफरैंस घटा कर ठीक करवाने का कश्ट करेंगे?

श्री रणदीप सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो बात रखी है मैं उनसे अनुरोध करूंगा कि इस बारे में ये मुझे लिखवाकर भिजवा दें। अगरवहां पर एक्ट्रा पोल्ज लगवाने होंगे तो हम वे अव य लगवा देंगे ताकि केबल नीचे न आये। आपकी बात सहीं है कि अगर केबल नीचे लटक जाएंगे तो उसका परपज ही डिफीट हो जाएगा।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : स्पीकर सर, जो आबादी के बीचों बीच पाल जा रहे हैं और जो तार लटकते हैं उनकी बात अभी यहां पर आई थी। मैं भी उसके बारे में कहना चाहता हूं कि

आज गांवों के अन्दर इस बारे में बड़ी समस्या है क्योंकि जो लाल डोरे के अंदर घर हैं, जहां बाड़े काटे हुए है, पुराने जमाने में तो गांव छोटे होते थे, लेकिन अब वे एक्सपैंड हो गए है। अब इत्तेफाक से वे तारें मकानों के ऊपर आ गई है। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या ये ऐसा कोई पॉलिसी डिसीजन लेंगे कि जो तारें लाल डोरे के अन्दर हैं वे सारी तारें गवर्नमैंट कॉस्ट पर हाट देंगे?

श्री रणदीप सुरजेवाला : स्पीकर सर, गांवों में लाल डोरे के अन्दर से वायरिंग हटाना तो भाायद सम्भव नहीं होगा। माननीय सदस्य ने जो चिन्ता जाहिर की है कि अगर किसी बाड़े के अन्दर कोई पोल आ गया हो या पहले किसी न ने उस तार के नीचे मकान नहीं बनाया था बाद में मकान बना दिया तो क्या वहां पर पोल उखाड़ने गली में लगाएंगे। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार का हमारे पास प्रावधान है। हम लाल डोरे के अन्दर तो पोल्स ि ाफ्ट कर दते है, लेकिन केस टू केस अगर आप हमें लिखकर भिजवा देंगे तो हम दिखवा लेंगे। जो आबादी का क्षेत्र वहां के लिए डिपैडिंग अपान कि ि ाफ्टिंग के लिए क्या कॉस्ट वर्क आउट होगी यह देखना पड़ेगा, लेकिन नार्मली जो बिजली विभाग है वह लाल डोरे के अन्दर यह कार्य कर देगा।

Construction of R.O.B. at kaithal

***844. Sh. Shamsher singh surjewala:** will the P.W.D. (B&R) Minister be pleased to state:-

(a) whether Harynana Government had approved the cinstruction of R.O.B on the road passing through the Muicipal Limits of Kaithal Towan:

(b) whether the tenders of the construction of the over bridge has been invited/allocates; and

(c) the time by which the bridge is likely to be completed together with the total amount to be spent on the construction of the said bridge?

Irrigation Minister (Caitain Ajay sing yadav)

(a) Yes. Sir

(b) The tender for the condtruction of R.O.B at kaithal has been allotted on 31.1.08

(c) The total estimated cost of work is Rs. 2365.37 lacs and this work is lihely to be completed by 30.9.2009

श्री एस. एस. सुरजेवाला : स्पीकर सर, रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण का जो पीरियड है वह करीब डेढ़ साल का है। चूंकि यह कार्य भाहर की मेन रोड पर हो रहा है तो इस दौरान भाहर का ट्रैफिक तो चलता रहेगा। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या इस ट्रैफिक के सुचारू रूप से चलने के लिए इन्होंने कोई इंतजाम किया है क्योंकि अगर ऐसा न हुआ तो फिर वहां पर ट्रैफिक में रुकावट आएगी?

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर सर, जहां तक भाहर के ट्रैफिक की बात है उसको आल्टरनेटिव रोढ से निकालने का

कार्य किया जा रहा है। साईड में भी इसके लिए जगह रखी गयी है वहां से वह ट्रैफिक निकल सकता है। बाकी जो दूसरा ट्रैफिक है उसको डायवर्ट करके निकाला जाएगा।

श्री एस. एस. सुरजेवाला : स्पीकर सर, मंत्री जी ने इस प्रोजैक्ट की जो टोटल कॉस्ट के बारे में नोट फॉर पैड में बताया है किय करीब 23 करोड़ 65 लाख रुपये है। इसके लास्ट पैरा में इन्होंने यह लिखा है कि update expengiture of this work is 26.21 lakhs यानी करीब 26 करोड़। स्पीकर साहब जो 23 करोड़ और 26 करोड़ में वैरीए ान है क्या मंत्री जी इसके बारे में बताएंगे?

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर सर, आप जानते है कि स्टील के रेट, सीमेंट के रेट बढ़ जाते है। जब एस्काले ान होती है तो रेढ़ बढ़ जाते है। जैसा मैंने बताया कि जो रेलवे का इसमें भोयर है वह 1028.68 लख रुपये है जबकि सरकार के भोयर 1336.72 लाख रुपये है। यह काम मैसर्ज जूम डवैल्पर्स प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली को दिया गया है। इसमें जो रेलवे का पो ान है उसके टैंडर 30 सितम्बर 2009 तक पूरा हो जाएगा। जहां तक हमारे पो ान की बात है, इसका कार्य अप्रैल 2009 तक हम पूरा कर देंगे।

श्री एस.एस. सुरजेवाला : स्पीकर सर, नोट फॉर पैड में दूसरे पार्ट में कैथल कांस्टीच्यूएंसी की सड़कों के बारे में बताया

गया है। इसमें लिखा है थ्क 199.16 किलोमीटर लम्बी रोड्स कैथल काूस्टीच्यूएंसी में बननी है। आगे इन्होंने इसमें कहा कि 34. 71 किलोमीटर सड़कें वर्श 2007–08 में रिपेयर की जानी हैं।

श्री अध्यक्ष : इन्होंने सवाल के जवाब में जो कहा है that is not concerned with this question.

श्री एस्.एस. सुरजेवाला : स्पीकर सर, इन्होंने मुझे लिखकर दिया है इसलिए मैं इनसे जानना चाहता हूं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, यह तो ऐडी ानल इन्फर्मे ान है जो कि अलग से मरे पास होती है।

श्री एस.एस. सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि मेरे हल्के की दो सड़कें पेहवा चौक से करनाल बाईपास और बिजली घर से सिविल स्टे ान हैं जिनके बारे में सारी फॉर्मेलिटीज पूरी हो चुकी है, क्या माननीय मंत्री जी बताएंगे कि इन्हें कब तक पूरा करेंगे?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इसके लिए माननीय सदय मुझे सैपरेट नोटिस दें, फिर जवाब दे सकूंगा।

श्री एस.एस सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, जब मंत्री जी ने जवाब दे रखा है तो फिर सैपरेट नोटिस देने की क्या आव यकता है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, यह जवाब नहीं है। यह नोट फार पैड में है। यह इन्फर्मे ान मेरे पास होनी चाहिए थी जो माननीय सदस्य के पास है।

श्री अध्यक्ष : यह इन्फर्मे ान सिर्फ इन्हीं के पास नहीं है बल्कि सभी सदस्यों के पास है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जो इन्होंने कैथल बाई–पास के बारे में पूछा है उसमें 5 करोड़ 26 लाख रुपये लगेंगे। इसकी लैड ऐक्वीजी ान कंप्लीट हो चुकी है और अवार्ड 7 मार्च 2008 को हो गया है। इसकी लैग्थ 5 किलोमीटर है।

श्री एस.एस. सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा यह सवाल नहीं था।

कैप्टन अजय सिंह यादव : उस सवाल के जवाब के लिए तो आपको सैपरेट नोटिस देना पड़ेगा।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, यदि आपकी अनुमति हो तो मैं माननीय मंत्री जी से ऊपरगामी पुल के बारे में सवाल कर लूं। यह अनुमति मैँ इसलिए ले रहा हूं कि कहीं बाद में आप यह न कह दें कि यह सवाल मेन सवाल से संबंधित नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि फरीदाबाद पुराना रेलवे स्टे ान है। जीटी रोड से प्रवे ा मार्ग को क्रॉस करने के लिए वहां बहुत ही ज्यादा ट्रैफिक

रहता है और इस वजह से वहां से निकलने में बड़ी मु कल होती है। दो व र्ा पूर्व स्वयं मुख्यमंत्री महोदय ने इस रेल ऊपरगामी पुल को बनाने का ऐलान किया था और कहा था कि इसको जल्दी ही पूरा कर देंगे। इस बारे में रेल विभाग से भी परमी ान आ गई है। मैं यह जानना चाहूंगा कि पब्लिक की मांग के साथ–साथ क्या मुख्यमंत्री जी की ऐनाउंसमैंट को पूरा करने का कोई प्रस्ताव है? यदि है तो इसके कब तक पूरा करेंगे ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इस वक्त इसकी इन्फर्मे ान मेरे पास नहीं है। माननीय सदस्य मुझे इस बारे में सैपरेट नोटिस दें तो मैं जरूर इसके बारे में जवाब दे सकूंगा।

डॉ. सु ील इन्दौरा :अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि रेल मंत्रालय द्वारा दिये गए पिछले रेल बजट को देखते हुए क्या ये मांग की गई है कि हरियाणा प्रदेश में कितने रेल ऊपरगामी पुलों का निर्माण होगा?

श्री अध्यक्ष : इस बारे में मुख्यमंत्री जी ने सदन में सारी इन्फर्मे ान दे दी थी। उस समय आप भी हाऊस में मौजूद थे। उन्होंने बता दिया था कि कितने पुलों पर काम चल रहा है और उनके बजट के बारे में भी बता दिया था।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य डॉक्टर इन्दौरा जी की जानकारी के लिए इस सदन में

आंकड़े देना चाहता हूं। 1966 से 2005 तक कुल 17 पुल बनाए गए थे। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के दौरान 3 साल की अवधि के दौरार 4 आरओबी बना दिये है, 20 आरओबी पर काम चल रहा है। करीब 37 आरओबी सैंक ान हो चुके हैं। 48 आरओबी और आईडैंटिफाई किये गये है। जिसमें से स्टेट रोड्स के 31 है और ने ानल हाईवे के 17 हैं। रेलवे के बारे में इन्होंने कहा है इस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि 12 आरओबी रेलवे के पास अप्रूवल के लिए पड़े हैं जिनमें से कुछ अप्रूव कर दिये है और कुछ अंडर अप्रूवल हैं।

डॉ. सीताराम : सिरसा और मंडी डबवाली के आरओबी के बारे में भी मंत्री जी कृपया जवाब दे दें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जहां तक इनका सिरसा डबवाली का प्रो र्न है, इसके टैंडर कर लिये गये हैं और ये उम्मीद है कि जो आरओबी डबवाली है इसो 2009–10 के प्रोग्रमा में भाामिल कर लिया जायेगा।

श्री जयसिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री से जानना चाहूंगा कि नीलोखेड़ी और तरावड़ी के दो आरओबी बनाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है?
10:00 बजे

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य का प्र न थोड़ा अलग है। अगर ये इस बारे में मुझे अलग

से लिखकर भिजवा दें तो मैं इनकों पूरी इन्फर्मे ान दे सकूंगा क्योंकि इस समय मेरे पास इस बारे में पूरा विवरण नहीं है। वैसे में माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि तरावड़ी का आरओबी बनने के लिए मन्जूर हो चुका है और इस पर जल्दी ही कार्य भाुरू हो जायेगा। बाकी नीलोखेड़ी के आरओबी का मामला सरकार के विचाराधीन है।

Four Laning the Road passing Through the Village of Bahu AKbarpur. Madina and Kharkara.

***961. Sh. Anand singh Dangi** : Will the Minister of P.W.D (B&R) be pleased to state:-

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to four lane the road passing through villages of Bahu Akbarpur. Madina and Kharkara situated on the National Highway No -10 and also to construct drain on both side of the road passing through village Madina: and

(b) if so. the time by which the above said works are lihely to be completed?

Irrigation Minister (Captain Ajay singh Yadav)

(a) No sir.

(b) Question does not arise.

Sh. Anand singh Dangi : Speaker Sir, viry surprise. यह क्वै चन बहुत ही अहम सड़क के बारे में है जो दिल्ली से

लेकर अबोहर फाजिल्का तक जाती है। यह सड़क ठीक न होने की वजह से बहु अकबरपुर, मदीना और खरकड़ा इन तीनों गांवों में इतना बुरा हाल है कि वहां न तो पानी की निकासी के लिए कोई साधन है और मदीना गांव में तो नै ानल हाई–वे की सड़क पर एक–एक फुट के गहरे गड्ढे हैं। इन तीनों गांवों की आबादी 20–20 हजार की हैं। इन तीनों गांवों में ट्रैफिक के आवागमन के इतने साधन हैं कि हर मिनट में एक व्हीकल वहां से निकलता है इसलिए वहां पर डिवाईडर भी बनाने की जरूरत है। इसके साथ ही पानी की निकासी के लिए ड्रेन बनाने पर भी सरकार को ध्यान देना चाहिए। ड्रेन बनाने के लिए स्पेस भी है और जमीन एक्वायर करने की जरूररत भी नहीं है। ऐसी सड़क के लिए मंत्री जी द्वारा यह कहना कि Question does not arise बहुत ही सरप्राईज की बात है। मैं चाहूंगा कि मंत्री जी इस तरफ ध्यान दें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, बहु अकबरपुर, मदीना और खरकड़ा ये तीनों ही गांव एनएच 10 जो रोहतक से महम की तरफ जाता है उस पर पड़ते है। एचएच 10 वैसे दिल्ली से हिसार रोड है और इस रोड को बनाने का काम सरकार ने ने ानल हाई वे एथोरिटी को ट्रांसफर किया हुआ है। माननीय सदस्य की इन्फर्मे ान के लिए मैं बताना चाहूंगा कि इन तीनों गांवों के बाईपास बनाने के लिए सरकार की एक प्रोपोजल है ताकि बाईपास के बनने के बाद जो गांवों के बीच से ट्रैफिक निकलने की समस्या है वह दूर हो जायेगी। बहु अकबरपुर के

बाईपास का काम आलरेड़ी चल रहा है। मदीना गांव के बीच में से होकर जाने वाली जो सड़क खराब है उसको हम एचआरडीएफ के माध्यम से बनवा देंगे और इसके दोनों तरफ ड्रेन जरूर बनवा देंगे।

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, जब से इन सड़कों का काम ने ानल हाई–पे एथोरिटी को दिया है तब से ही ज्यादा भट्ठा बैठ गया है। इससे पहले तो इन सड़कों पर कम से कम मिट्टी तो डलवा लेते थे। जब से एनएचए को दिया है इन सड़कों को कोई नहीं संभलता। क्या मंत्री जी बतायेंगे कि यह बाईपास कितने साल में बन जायेगा क्योंकि यह एक गम्भीर समस्या है। माननीय मुख्यमंत्री जी जब भिवानी रोहतक जाते है तो इसी रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। मैं तो गांव में रहता हूं मंत्री जी तो भाहर में रहते हैं। जो गांव में दिक्कत है वह तो हमें पता है। आपके माध्यम से मेरा मंत्री जी से निवेदन है कि इन सड़कों पर वि ोश अध्यन देकर इन सड़कों की रिपेयर जल्द से जल्दी करवायें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं भी गांव में रहता हूं और मेरा गांव भारह से 4 किलोमीटर की दूरी पर है। मुझे पता है कि गांव में क्या होता है और भाहर में क्या होता है। यह बात ठीक है थ्क इनको दिक्कत है। मैंने पहली ही बता दिया है कि इन तीनों गांवों में ड्रेन की व्यवस्था सरकार करवा देगी। जहां तक डिवाइडर की बात है तो इसके बारे में एग्जामिन करवा लेंगे,

उसके बाद ही मैं कुछ जवाब दे पाऊंगा। जैसा कि मैंने बताया है कि यह रोड ने ानल हाई–वे अथोरिटी को ट्रांसफर कर दिया गया है। इसलिए इस बाईपास को हम जल्दी ही पूरा करवा देंगे। 464 करोड़ रुपये का हय प्रोजैक है। जो हमारे अधिकारी है वे इस पर जल्दी ही कार्यवाही करेंगे। मैं इनकी चिन्ता से अपने आप को जोड़ते हुए कहना चाहूंगा कि इनकी समस्या का जल्दी समाधान किया जाएगा।

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि इस बाईपास के बनने में तो सालों साल लगेंगे, इसलिए जब तक ये बाईपास नहीं बनता तब तक हमारे यहां के गढ्ढे ठीक करवा दिय जाएं, ताकि कम से कम लोगों के लिऐ आने–जाने के रास्ते ठीक हो सकें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मनानीय साथी को बताना चाहूंगा कि इनके गांवों में गढ्ढे भी ठीक करवाए जाएंगे और ड्रेन भी बनवाई जाएंगी।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, दांगी साहब की बात वाजिफ है क्योंकि यह मेन सड़क है और मैं अपने आप को इनकी बात से साथ जोड़ता हूं। आदरणीय मंत्री जी से मैं अनुरोध करूंगा कि इस सड़क की मुरम्मत करवा दी जाए।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैंने माननीय साथी को आ वस्त कर दिया है कि इन सड़कों की जल्दी से मुरम्मत करवा दी जाएगी।

श्री सुखबरी सिंह जौनपुरिया : अध्यक्ष महोदय, जैसा अभी ने ानल हाई–वे का जिक्र आया है इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि नै ानल हाई–वे नं. 8 पर भी यह पोजी ान है कि राजीव चौंक से नाहरपुर पहला गांव पड़ता है और आधा–आधा गांव दोनों तरफ है, उससे अगला नरसिंहपुर गांव है, स्कूल दूसरी तरफ है, गांव दूसरी तरफ है, भम ाान घाट भी दूसरी तरफ है। मुर्दे को कम से कम एक–एक घंटे के लिए रोकना पड़ता है, क्योंकि हाई–वे पर ट्रैफिक तो रूकता नहीं इसलिए मैं मंत्री जी से कहना चहूंगा कि इन दो–तीन गांवों के लिए कोई पुल बनवाया जाए ताकि वहां के लोगों को सुविधा हो सके।

Mr. speaker : Jaunapuria ji. please ask aeparate question in this regard.

श्री रणधीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मननीय मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि मेरे हल्के में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत राखी से वाया मलिकपुर गुलकण की सड़क एक वर्श पहले बननी भाुरू हुई थी लेकिन उसके बीच में डेढ़ किलोमीटर टुकड़े का काम रूका हुआ है। क्या इस सड़क के बारे में मंत्री जी को मालूम है कि किस वजह से यह काम रूका हुआ है और यह काम कब तक कम्पलीट हो जाएगा?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साीि को बताना चाहूंगा कि पंचायती राज की 110 सड़कों को हमने टेक ओवर किया था। उसमें से 51 सड़कों की रिपेयर कर दी गई । इसकी जो सड़क है उसका काम पी. डब्ल्यूडी (बी.एण्ड.आर) को ट्रांसफर होते ही भुरू करवा देंगे। मुझे मालूम नहीं है कि यह सड़क पी.डब्ल्यू.डी (बी.एण्ड.आर) को ट्रांसफर हो गई है या नहीं। इस समय मेर पास डिटेल नहीं है और अगर हमारे पास डिटेल आ गई है तो हम इसकी रिपेयर का काम करवा देंगे।

श्री रणधीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय जी को कहना चाहूंगा कि यह सड़क भुरू से ही पी. डब्ल्यू.डी की है। किसी ने कोर्ट में केस डाला है तो मैं अब यह जानना चाहता हूं कि उस केस की क्या पोजी ान है?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि अगर कोर्ट में केस चल रहा है तो अलग बात है क्योंकि कोर्ट के फैसले के बाद ही इसका डिसीजन होगा।

श्री भाहिदा खान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि नूंह को तावडू से जो रोड़ जाता है उसके बीच में पहाड़ पड़ता है और वहां डेली जाम लगा रहता है। इस सड़क पर 2–2 फट के गढ्डे है जैसा कि

डांगी जी ने बताया है। पूरे मेवात में हालत यह है कि जब करतार सिंह भड़ाना के और अवतार सिंह भड़ाना के डम्पर चलते है तो वे रोड्स टूट जाती है। मेवात की सड़कों का बहुत बुरा हाल है। यह चिन्ता की बात है कि और हमें काफी परे ाानी का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम जो ओवर लोडिड गाड़ियां चलती है उसको रोका जाए और उनके लिए यह सुनि चत किया जाए कि इस रोड पर ओवर लोडिड गाड़ियां नहीं चलेंगी। जब कोई मेवात के अन्दर ि ाकरावा होकर जात है तो उसको उल्टा रूट पड़ता है। ि ाकरावा से गोहाना और फिर नूंह आती है जबकि उन लोगों को उटावल मोड़ से हथीन से सीधा निकलना चाहिए। इसी ढंग से जो नूंहवाला होडलवाला रोड है उसका भी बहुत बुरा हाल है। मैं मंत्री जी से रिक्वेस्ट करता हूं कि क्योंकि उसका बनाना तो बहुत दूर की बात है, कम से कम गड्ढे तो जरूर भरवा दें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने तावडू–नूंह सड़क का जिक किया है जो आगे जाकर पटौदी से मिलती है। उस सड़क को आलरेड़ी एन.सी.आर के तहत ले लिया गया है। मैंने पहले भी बताया था कि 588 करेाड़ रुपये मेवात के लिए मंजूर किए गए है। इनकी सड़कों के भी उसमें से ले लिया गया है और उस पर जल्दी ही काम भाुरू हो जाएगा। जहां तक नॉर्मल रिपेयर की बात है तो वह हम करवा देंगे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं केवल एक बात कप्तान साहब के साथ जोड़ना चाहता हूं कि भााहिदा

खान जी रोज कप्तान साहब से यह प्र न पूछते है और वे रोज उनको बताते है कि आजादी के बाद पहली बार मेवात के इलाके में भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार ने 588 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों की रिपेयर नई कंस्ट्रक ान और मुरम्मत का कार्य बनाया है जो अपने आप में एक रिकार्ड है। मैं माननीय सदस्य भााहिदा खान से कहना चाहूंगा कि वे अपने साथियों से इतना जरूर पूछे कि करतार सिंह भड़ाना किसके समय में मंत्री थे।

Repair of Roads

*__966. Shri Naresh Yadav__ : wil the P.W.D (B&R) Minister be pleased to state the time by which the following road are likely to be repaired:-

1. Ateli to Mahendergarh via Dogra

2. Bewal to Rattakalan via Khairani

3. Rattankalan to Kund via Nangal

4. Kund to Narnal Main raod

5. Narnaul to Nangl Chaudhary upto Kotputli Rajasthan Border

6. Nirpur to Mandhana upto Dhani Bhatota

7. Gokalpur to Girdharpur via Bauchariya Hasanpur

8. Nangal chaudhary to NiZampur and

9. Narnaul to Godbalawa upto Rajasthan Boarder?

Irrigation Minister (Captain Ajay singh Yadav): Sir the repair work on some of the above roads i.e. at sr. No 1,6,8 and 9 is in progress. Repair work on the remaining roada is likely to be carried out during 2008-09.

श्री नरे ा यादव : अध्यक्ष महोदय कमांक संख्या 4,5,6,8 व 9 की सड़कों पर वर्श 2005–06 के दौरान मौजूद सरकार ने करोड़ों रुपये खर्च करने रिपेयर का कार्य करवाया था। लेकिन अब इन सड़कों की बहुत बुरी हालात है। इसका कारण यह है कि वहां पर क्रैशर जोन है जिनकी वजह से ओव लोडिडा डम्पर वहां से चलते हैं और जल्द ही सड़क टूट जाती ळे। जिसकी वजह से वहां एक्सीडैंटस भी बहुत होते हैं। क्या मंत्री जी कै ार वालों पर और जो ओवर लोडिड बजरी के ट्रक लेकर आते हैं उन पर कोई कंट्रोल करेंगे ताकि बार–बार ये सड़कें न टूटें?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी की चिन्ता सही है। हमारी सरकार ने वहां पर सड़क बनवाई है, लेकिन राजस्थान से वहां पर डम्पर आते हैं। जिनकी वजह से सड़कें टूट जाती है। इन पर हमारी सरकार विचार कर रही है कि जो कॉमर्ियल गाड़ियां वहां पर आती है उन पर बी.ओ.टी. बेसिज पर टैक्स लगाया जाये। अध्यक्ष महोदय, हम प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत भी सड़कों का निर्माण कर रहे हैं। मेरे माननीय साथी नरे ा यादव जी के हल्के में अभी दो सड़कें प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत रिपेयर करवाई है। रिपेयर करवाने के बाद जो सड़कें डम्पर आदि के चलने से टूट

जाती हैं उस तरफ हमारी सरकार अव य ध्यान देगी। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि अभी माननीय साथी भााहिदा खान के चिन्ता व्यक्त की कि उनके यहां सड़कों की रिपेयर और मैन्टेनैंस का काम नहीं हो रहा। मैं मेरे माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि इनकी सरकार के पांच साल के कार्यकाल के दौरान 1740 करोड़ रुपये सड़कों की मरम्मत और कन्स्ट्रक ान पर खर्च किये गये थे जबकि हमारी सरकार के तीन साल के कार्यकाल के दौरान 2100 करोड़ रुपये सड़कों की मैन्टेनैंस, रिपेयर और कन्स्ट्रक ान पर खर्च किये गये हैं। इसी तरह से ओमप्रका ा चौटाला के मुख्यमंत्री काल के दौरान प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत मात्र केवल 100 करोड़ रुपये इस योजना के तहत अब तक खर्च किए जा चुके हैं जिससे सड़कों की वाईडनिंग का कार्य भी किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 360 करोड़ रुपये प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत वर्श 2007–08 के लिए सैंक ान करवाये है। जिसमें से 588 करोड़ रुपये मेवात को दिये गये हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारे चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार मेवात के बारे में सोच रही है। मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि इनकी सरकार के समय में 65 करोड़ रुपये एन.सी.आर एरिया की सड़कों पर खर्च किया गया था। जिसमें से एक पैसा भी मेवात पर खर्च नहीं किया गया। जहां तक माननीय साथी ने करतार सिंह भड़ाना के डम्परों की बात की है, मैं उनसे जानना चाहता हूं कि उनकी सरकार के समय में करतार सिंह भड़ाना के डम्पर क्यों नहीं रोके गये। अध्यक्ष

महोदय, हमारी सरकार की यह नीयत नहीं है कि एक क्षेत्र में काम करे बल्कि हमारी सरकार पूरे प्रदेश में विकास कार्य करवा रही है।

श्री बच्चन सिंह आर्य : अध्यक्ष महोदय, करतार सिंह भड़ाना के नाम की चर्चा हुई कि वे इनकी पार्टी में मंत्री रहे हैं,। लेकिन वे अब इनकी पार्टी में नहीं हैं। वे भी इनकी गलत नीतियों के कारण इनको छोड़कर चले गये है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि प्रदेश में कुछ रोड्स ऐसे है जो जिले की सीमा पर लगते हैं। उनके बारे में अधिकारियों से बात करते हैं तो वे ऐसा भी जवाब देते हैं। मेरे सफीदों हल्के में डीडवाड़ा गांव है और करनाल जिले में असन्ध में सालवन गांव है। ये दोनों गांव जिलों की सीमा पर पड़ते है। इन दोनों गांव में बीच चार कि. मी. की सड़क का टुकड़ा है जो बहुत बुरी हालत में है। इसको ठीक करने के लिए जीन्द जिला के अधिकारियों को कहते है तो वे कहते हैं कि उनके एरिया में नहीं आता और करनाल जिले के अधिकारियों को कहते हैं तो वे भी यही कहते हैं कि उनके एरिया में नहीं पड़ता। क्या मंत्री जी इस चार कि. मी. के टुकड़े को ठीक करवाने की कृपा करेंगे?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि जो इन्होंने अपनी बात रखी है कि खासतौर से जो डिस्ट्रिक्ट के बार्डरज पर जो रोड़ है उनकी हालत खराब है। इसके बारे में मैं इनको यह कहरना चाहूंगा कि इसके बारे में ये मुझे डिटेल लिखकर दे दें कि

वे स्पैसिफिक रोड्ज कौन–कौन से है। जिनकी मुरम्मत किया जाना जरूरी है। जिन रोड्ज की हालत खराब होगी हम उनकी रिपेयर जरूर करवायेंगे।

Stopping of water by Rajasthan Government of sahibi, Krishnawati and Dohan Rivers

***968. Shri Radhey Shyam Sharma :** will the Irrigation Minister be pleased to state whether it is a fact that the Rajasthan Government has stopped the water of sahibi. Krishanwati and Dohan rivers by consticting the dams on the said rivera togetherwith the step taken or to be taken by the Gocernment to get share of water of Haryanan from aforesaid ricers?

Irrigation Minister (Captain Ajay singh Yadav) : yes sir. It is d fact that the Rajasthan Government has stopped the water of sahibi. Krishanwati and Dohan rivers by consticting the dams on these rivers. The matter had been taken up the Haryana with Government of india.

श्री राधे याम भार्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इन तीनों नदियां साहिबी, कृश्णावती और दोहन का बहुत बुरा प्रभाव हमारे नारनौल क्षेत्र में पड़ता है और मंत्री जी ने यह जवाब दिया है कि The matter had been taken up the Haryana with Government of india. But before Government of india. Government of Rajasthan comes in brtween. क्या माननीय मंत्री यह बतायेंगे कि राजस्थान सरकार ने जो सीमा के ऊपर बांध बना कर पानी रोक

दिया, इसके बारे में मंत्री जी दिल्ली क्यों पहुंचे गये, जबकि उन्हें पहले जयपुर जाना चाहिए था। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि इस मामले को राजस्थान सरकार के साथ उठाते समय क्या कार्यवाही की गई उसके बारे में सदन को अगवत कराने की कृपा करेंगे।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर सर, ये जो कृश्णावती साहिबी और दोहन नदियां हैं इनसे पहले राजस्थान की तरफ से काफी पानी आया करता था। अध्यक्ष महोदय स्वतन्त्रता से पहले ये टोटल 45 बांधे थे। इसके बाद 1978 तक 9 बांध और बना दिए गय और 1978 से लेकर अबक तक 29 बांध और बनाकर इस समय टोटल 83 बांध बना दिये गये हैं। जिसकी वजह से यह प्रॉब्लम पे ा आ रही है। इसके कई कारण है। एक कारण तो यह है कि पहले बरसात बहुत हुआ करती थी लेकिन अब बरसात बहुत कम होती है। दूसरी बात यह है कि इस मामले में माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा अपर यमुना बोर्ड की मीटिंग में उठाया गया था और पिछले दिनों जब अपर यमुना बोर्ड की मीटिंग हुई तो मैंने भी इस मामले की उठाया था। इसके अतिरिक्त पिछले 24–25 मई को एस.ई. राजस्थान और अपर यमुना बोर्ड में हरियाणा के मैम्बर सैकेटरी, अपर यमुनान बोर्ड की एक टीम गठित की गई थी। जिसमें ज्वाइंट इंस्पैक ान करने के बाद ये तथ्य सामने आये थे कि 83 चैक डैम्ज बनाये गये हैं और उनमें से 40 बांध ऐसे थे जो कि मसानी बैराज बनने के बाद बना दिए गए। उस वक्त

चौधरी देवीलाल लाल की सरकार थी उन्होंने बिना किसी सोच विचार के वहां पर इतना बड़ा बांध बना दिया। अध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार के आने के बाद मुख्यमंत्री जी मेरे क्षेत्र में आये थे तो मैंने उस समय उनके सामने अपनी यह मांग रखी थी। मैंने कहा था कि मसानी बैराज पर करोड़ों रुपये खर्च कर दिये गये और अब वह बेकार पड़ा हुआ है। उसमें जे.एल.एन. कैनाल से हमने लाल बहादुर भाास्त्री नामक एक कैनाल निकालकर 6 करोड़ 70 लाख की लागत से एक रिचार्जिंग चैनल बनाकर उसको भरने के लिए उस पर कार्य चल रहा है। इसी प्रकार से हमीदपुर बांध के ऊपर भी काम चल रहा है और उस पर भी 2.50 करोड़ से 3 करोड़ा रुपये की लागत से इसको जोड़ने का काम पूरा किया जा रहा है। इसके साथ ही इनकी यह बात भी बिल्कुल सही है कि ये चैक डैम्ज क्यों बनाये गये हैं। इस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि अपर यमुना बोर्ड की प्रत्येक मीटिंग में हमने यह मामला उठाया है और जब 14.7.2005 को अपर यमुना बोर्ड की 20वीं मीटिंग हुई थी उसमें भी हमने यह मामला उठाया था। इस बार हमने यह निर्णय लिया है कि जब राजस्थान के साथ हमारा फैसला यमुना के पानी के सम्बन्ध में होगा तो उस समय हम यह कोि ा ा करेंगे कि जितना भोयर ये हमारा यहां रख लेते हैं हम यमुना के पानी में जो उनका हिस्से में होगा उसमें से हम कटौती करने की कोि ा ा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, क्योंकि यह एक इंटरस्टेट मैटर है इसलिए हम इस बांध को गिरा तो नहीं सकते और न ही हाऊस में मैं कोई ठोस आ वासन इस बारे में दे सकता हूं लेकिन

माननीय सदस्य को मैं यह आ वासन अव य दे सकता हूं कि हम इसके बारे में पूरी तरह से सजग है और हम इस मामले को हर लैवल पर उठा रहे हैं लेकिन हम चैक डैम्ज को हटा नहीं सकते क्योंकि ये उनकी स्टेट में बने हुए हैं। यह मामला हम अपर यमुना बोर्ड की मीटिंग में समय–समय पर उठाते रहते है।

श्री नरे ा यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि कृश्णावती और दोहन नदियों में तो पानी की बूंद भी नहीं है केवल बरसात के दिनों में ही कुछ पानी आ पाता है। हमारे इलाके नांगल चौधरी में वाटर लेवल 400 से लेकर 1600 फुट नीचे चला गया है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि उस वाटर लेवल को रिचार्ज करने के लिए बजट में कोई प्रावधान किया गया है?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि हमीरपुर बांध को भरने के लिए हमने एक स्कीम बनाई है। अध्यक्ष महोदय, दिक्कत यह है कि हमारी जो 90 माईनर्ज बनी हुई हैं उनमें से 40 में पानी टेल तक नहीं पहुंच पता है। लेकिन हमारी कोि ा ा है कि हम वहां पर इंजैक ान बोर बना दें ताकि बरसात का पानी आये तो रिचार्ज हो जाये। हमने हमीरपुर बांध को जोड़ने की योजना बना रखी है। इसके अलावा और भी अगर कोई ऐसा बांध होगा तो उस पर भी सरकार विचार करेगी। मैं इस समय कोई ठोस आ वासन नहीं दे सकता कि सारे बांधों को नहरों से जोड़

दिया जायेगा। क्योंकि बहुत सी मौजूदा डिस्ट्रीब्यूट्रीज के टेल पर पानी नहीं पहुंच पा रहा है। मैं बी.एम.एल. हांसी बुटाना लिंक नहर के बारे में कहना चाहता हूं कि हमारे कुछ साथी इस मस्क्कत में लगे हुए है कि यह न बने, उसकी वज से हमें कुछ समस्या आ रही है। कभी कोर्ट में चले जाते हैं वहां पर इसको मुंह की खानी पड़ती है और कभी अखबारों में ब्यान देते है इसकी जरूरत ही नहीं है। मौजूदा सरकार पानी के समान वितरण में वि वास रखती है और इस बारे में मेरा यही कहना है कि हम रिचार्जिंग के लिए अच्छी स्कीम बनायेंगे।

Construction of water works at village Parhladgarh

*944. Dr. Shiv Shanker Bhardwaj: will the water supply and Sanitation Minister be pleased to state whether it is fact that foundation stonr of water worka at village Parhladgarh was laid on 2.3.2006: if so, the time by the time by which the construction of the said water works is likely to be srarted/ completed?

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala)

yes sir. However. the proposal was not found suitable as land proposed to be provided by the village Panchayat was at an elevation of about 22 feet from the bed of jui canal from where raw water was to be drawn.

After detailed technical scrutiny and Keeping in view the site conditions it wad decided to supply water to

Parhladgarh and Haluwas from Main water works No. 2 Bhiwani towan.

At present, an independent boosting station has been constructed and commissiond by laying a rising main of 200 mm dianmeter from main water works at parhladgarh.

डॉ. ि ाव भांकर भारद्वाज : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जब इस वाटर वर्क्स की आधारि ाला रखी थी तब क्या यह सूटेबिलिटी नहीं देखी गई क्योंकि जब इस प्रकार की आधारि ाला रखते हैं और उसके बाद उस पर काम पूरा नहीं हो पाता है, तो एम.एल.ए की रैपुटे ान खराब होती है। अगर कोई दूसरी सूटेबल लैंड वाटर वर्क्स के लिए मिल जाये तो क्या मंत्री जी उस पर विचार करेंगे?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने बताया कि हमारे पास 231 लाख 6 हजार रुपये की रा ि ा मौजूद है, ऐसा नहीं कि हमारे पास पैसा नहीं था। जो हमें जमीन दी गई, वह जुई नहर जिसमें से पानी आना है। उससे 22 फुट ऊपर है। It will become a lift drinking water scheme which ultimately give perpetual problems to the village. कहीं न कहीं पर बिजली की समस्या होगी, वहीं पर दूसरी समस्या होगी। ड्रिंकिंग वाटर स्कीम नेचुरल ग्रडिएंट के आधार पर बनाई जाती है। वहां पर लिफ्ट वाटर वर्क्स कामयाब नहीं होगा, यह हमारा तुजर्बा है। इसीलिए यह निर्णय लिया गया है।

डॉ. ि ाव भांकर भारद्वाज : अध्यक्ष महोदय, अगर इस 22 फुट ऊंची जमीन की जगह कोई दूसरी जमीन दे दी जाये जो 22 फुट ऊंची न हो तो क्या मंत्री जी उस पर विचार करेंगे?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी हमें वह जमीन दिलवा दें हम उस पर अव य विचार कर लेंगे।

श्री रणधीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि बरवाला नहर में सरहेड़ा रोड़ पर एक बूस्टिंग स्टे ान मंजूर हो चुका है। क्या मंत्री जी इस बूस्टिंग स्टे ान को जल्दी बनवाने की कृपा करेंगे?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, यह एक पृथक प्र न है। माननीय साथी लिख कर भिजवा दें, अव य इसे जल्दी बनवाने पर विचार किया जायेगा।

श्रीमति गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपनके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि हमारे कलायत क्षेत्र में भी कई जगह वाटर वर्क्स का काम चल रहा है और कई जगह पूरा हो चुका है। क्या मंत्री जी आ वासन देंगे कि वह काम जल्दी पूरा होगा और जहां पर वाटर वर्क्स का काम पूरा हो चुका है वहां पर सब जगह पाईप लाईन बिछा पर पानी जल्दी पहुंचायेंगे। दूसरी बात यह है कि जैसे हमारे कलायत, बालू, पिंजुपुर, अम्बरसर आदि गांवों में वाटर वर्क्स है, लेकिन बिजली

की कमी की वजह से वहां पर हम पानी लोगों तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं। क्या मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या ऐसा कोई प्रावधान किया जा रहा है कि जहां पर पानी की ज्यादा किल्लत है वहां पर जैनरेटर सैट्स के माध्यम से पानी दिया जाए?

श्री अध्यक्ष : एक सवाल तो पहले ही आ चुका है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या ने दो सैपरेट प्र न पूछे हैं। एक तो early completion of pipelines का है। मैं आपकों आ वस्त करना चाहूंगा कि जहां–जहां वाटर वर्क्स बनाए जाएंगे। वहां–वहां हमारी योजना उसके साथ पाईपलाइन डालने की है, हम बजटरी ऐस्टिमेटस के अन्दर ही उसको भाामिल करते हैं। इनका दूसरा प्र न गांवों के अन्दर पानी की सप्लाई के लिए जैनरेटर सैट्स लगाने का है। अध्यक्ष महोदय, आपने बिल्कुल सही फरमाया है। इस बारे में हमने पहले भी बताया था कि कू ि ायल लाईन्ज जो हमारे बड़े वाटर वर्क्स हैं उनके बारे में फिलहाल हमने योजना बना रखी है कि जहां हमने हैडिकेटिड पावर लगाई जिस आप होट लाईन की संज्ञा लगाना सम्भव नहीं है। जो हमारी कू ि ायल लाईन्ज हैं पहले फेस में हम उन पर जैनरेटर सैट्स लगाएंगे और धीरे–धीरे बाकी के वाटर वर्क्स पर जैनरेटर सैट्स लगाने का प्रयास करेंगे।

श्री रामकि ान फौजी : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री का धन्यवाद भी करना चाहूंगा कि लगभग एक साल

पहले बवानीखेड़ा में रैली के अन्दर उन्होंने एक वाटर वर्क्स मिल्कपुर में मन्जूर किया था। मैं माननीय मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि अब उसकी क्या प्रकिया चल रही है और उस पर काम कब तक भुरू हो जाएगा?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने दो दिन पहले मुझे इस बारे में लिख कर दिया है और मैंने उन्हें आ वास्त किया है कि हम उसे सैनिटे ान बोर्ड की बैठक के अन्दर ले जाएंगे और इस वाटर वर्क्स के लिए जितने पैसे की जरूरत है। वह मन्जूर कर दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, यह जानकारी मैं पहले ही माननीय सदस्य को दे चुका हूं।

श्री सोमवीर सिंह : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से थोड़ा हट कर सवाल पूछना चाहता हूं। मेरी कांस्टीच्यूएंसी में बड़दो पूर्ण गांव है जहां व र्ा 1999 में वाटर वर्क्स बना था, लेकिन न उसकी चारदीवारी है और सरकार चेंज होने के बाद न ही वहां पर पाईपलाईन डाली गई है। वहां पर कोई भी आदमी नहीं है। वह गांव उस वाटर वर्क्स के बिल्कुल नजदीक लगता है लेकिन आज तक उस वाटर वर्क्स में पानी की सप्लाई नहीं हुई है। क्या माननीय मन्त्री जी इस पपर गौर करने की कृपा करेंगे?

श्री भााहिदा खान : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि मेवात में पानी की बहुत भारी किल्लत

है। दो इलाके ऐसे है जहां पर टयूबवैल भी नहीं लगता है। जिस में से एक को आरेज बोला जाता है और दूसरे को भयाना बोला जाता है। ये नूंह के इलाके में नगीना ब्लॉक के नजदीक है और जो हमारे एस.ई. साहब है वे पलवल में बैठते हैं। किसी अधिकारी से अगर कोई ि ाकायत भी की जाए तो पलवल जाना पड़ता है और इसमें काफी दिक्कत होती है क्योंकि वह दूसरे डिस्ट्रिक्ट में पड़ता है। क्या माननीय मन्त्री महोदय यह कृपा करेंगे कि कम से कम एस. ई. को हमारे हैडक्वारर्टर पर बिठाएं। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मैं यह जानना चहता हूं कि जहां पानी की लीकेज हो जात है और उसके कारण वहां पर बहुत बुरा हाल हो जाता है। लोग दफ्तरों के चक्कर लगाते रहते है। अगर गांव में 3–3 या 4–4 टयूबवैल्ज भी लगा रहें हैं तब भी लीकेज के कारण पानी की पूर्ति नहीं होती है। मैं माननीय मन्त्री जी से उम्मीद करता हूं कि वे इस ठीक भी करवाएंगे। मन्त्री जी कई बार मेवात में गए हैं और लोगों को वि वास भी दिला कर आए हैं इसलिए मैं उनसे निवेदन करता हूं कि इस काम को जरूर करवाने की कृपा करें।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य जी की चिन्ता वाजिब है और मैं तो इनको इतना ही कहूंगा कि भाायद सौ सालों से भी अधिक समय से मेवात के अन्दर पीने के पानी की समस्या है। अध्यक्ष महोदय, आप स्वयं भी जानते है कि वह एक गम्भीर समस्या बनी हुई है। कई बार कहा गया है कि हम मेवात में रैनीवैल परियोजना या किसी दूसरी परियोजना के

माध्यम से पानी लायेंगे। वहां पर एक बार नहीं बल्कि दो बर इस परियोजना के लिए पत्थरे रखे गये परन्तु एक भी रुपये का काम वहां पर भाुरू नहीं हुआ है। अध्यक्ष महोदय जब मौजूदा सरकार सत्ता में आई तो माननीय मुख्यमंत्री जी ने हमें बुला कर यह जिम्मेवारी सौंपी और कहा कि मेवात हमारी प्राथमिकता का केन्द्र बिन्दु होना चाहिए और हमने राईट्स एजैंसी से फ्रै ा डिजाईन करवाए। राईटस सबसे स्पै ालाईण्ड एजैंसी है और सारे मेवात के एक–एक गांव का सर्वे करवा कर ग्रडिएंडस दिखवा कर एक प्रोजैक्ट बनवाया है। जिसको राजीव गांधी पेयजल योजना, मेवात कहते है। हम लोगों ने कोि ा ा की कि वहां पर पानी की सप्लाई सही हो। जो लोग पत्थर रख कर गए थे उन द्वारा और चौटाला साहब यहां पर बैठे हुए हैं इन्होंने भी इसका पत्थर रखा परन्तु वहां पर एक भी रुपये का काम नहीं किया गया क्योंकि उसके डिजाईन ही तैयार नहीं करवाए गए थे। ये वहां पर केवल पत्थर रखवा कर ही चले गए। हमारी सकरार आने के बाद हमने उसे नये सिरे से देखा और उसके राईट्स एजैंसी से डिजाईन करवाया। इसके लिए हमाने 425 करोड़ रुपये मन्जूर करवाये है और इस पर इस समय काम जारी है। अध्यक्ष महोदय, मुझे सदन को यह बात बताते हुए खु ाी है कि भाायद हिन्दुस्तान की यह सबसे बड़ी पेयजल योजना है। जिसका कियान्वयन इस समय जारी है और उम्मीद है कि एक साल के अन्दर–अन्दर यह परियोजना पूरी हो जाएगी। इसके लिए हम रैनीवैल भी खोद चुके हैं। हम उस पानी का 100 एम.एम. डाया या उससे बड़े पाईप के माध्यम से

हम फरीदाबाद के नजदीक से दो प्वायंटों से लेकर जाएंगे और बुस्टिंग स्टे ान के माध्यम से पानी को ऊपर चढ़ाएंगे। वहां पर 1500 किलोमीटर के करीब पाईप लाइर्न बिछाई जाएगी और उस पर तकरीबन 80 लाख से लेकर एक करोड़ रुपए तक के करीब खर्चा आएगा।

नियम 45 (1) के अधीन सदन की पेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

***924. Sh. S.S. Surjewala:** will the Animal Husbandry & Dairying Minister be pleased to state :-

(a) whether the Bird Flu has also spread in harynan; if so, the details of the areas effected by the said flu; and

(b) whether Government of Haryana are compensating the farmers for the loss caused to the farmers by Bird Flu?

कृशि मंत्री (सरदार एच.एस. चट्ठा)

(क) नहीं श्रीमान जी।

(ख) श्रीमान, जैसा कि "क" में व्यक्त किया गया है कि राज्य में किसानों को बर्ड फ्लू से कोई हानिी नहीं हुई। इसलिए किसानों को क्षतिपूर्ति करने का प्र न ही पैदा नहीं होता।

To increase the capacity of Mali saiman Minor

***962. Shri Anand Singh Dangi** : will the Irrigation Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to increade the capacity of Mali Saiman Minor emanating from jui feeder by remodeling it and also to extent the tail by setting right the level of the said minor; if so, the time by which the said works are likely to be completed?

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : श्रीमान जीद, जुई फीडर से माली सैमाण माइनर नामक कोई चैनल नहीं निकलती है। यद्यपि माली सैमाण सम्पर्क चैनल नाम का एक चैनल है जोकि सुन्दर सब ब्रांच की बुर्जी 109031 बाएं से निकलती है। यह चैनल अपने अन्तिम छोर तक बिना किसी रुकावट के बह रही है।

Separate water at village Goripur

*945. Dr Shiv Shanker Bherdwaj: will the water supply and Sanitation Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a separate water works at village Goripur in Disrict Bhiwani; if so the time by which it is likely to be condtructed?

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : नहीं, श्रीमान! लेकिन गांव कितलाना और गोरीपुर के लिए जिनका जलघर कितलाना में है, एक बढौतरी योजना का कार्य 91.61 लाख रुपये की लागत से चल रहा है, जो कि 30.9.2008 तक पूरा हो जाएगा।

Increase in the price of sugar-cane

*936. Dr. Sushil Indora: will thr co-operation Minister be pleased to state:-

(a) whether the prict of the sugarcane has been increased during thr year 2006 and 2007; and

(b) whether any sugar Mill has been sold due to the non availability of the sugarcane?

कृशि मंत्री (सरदार एच.एस. चट्ठा) :

(क) हॉ, अध्यक्ष महोदय! वर्श 2006 में गन्ने की कीमत बढ़ाई गई थी। वर्श 2007 में वहीं कीमती लागू की जा रही है।

(ख) हॉ, अध्यक्ष महोदय! सहकारी चीनी मिल, पन्नीवाला मोटा जिला सिरसा को गन्ने की अनुपलब्धता के कारण परिसमापन प्रकिया के अन्तर्गत बेचा गया है।

इसी तरह सहकारी चीनी मिल, भूना जिला फतेहाबाद को भी गन्ने की अनुपलब्धता के कारण परिसमापन प्रकिया के अन्तगर्त बेचा गया है।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव की सूचना

डॉ. सु गील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, इससे पहले बजट पर डिस्क ान भ्ाुरू हो, मैं जीरो ऑवर में अपकी इजाजत से एक बहुत ही अहम लोक महत्व के मुद्दे पर बोलना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, आज गुड़गांव जिले के लोगों में पानी के लिए

बहुत हा–हाकार मचा हुआ है। वहां पर पानी का बहुत बड़ा संकट पैदा हो गया है। पिछले पांच–छः दिनों से वहां पर पानी की सप्लाई नहीं हो रह है और सरकार उस बारे में कोई ध्यान नहीं दे रही है।

श्री अध्यक्ष :इन्दौरा जी, अपने इस बारे में कब लिखकर दिया है?

डॉ. सु ील इन्दौरा :सर, मैंने इस बारे में आज सुबह नोटिस दिया है।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, आपने यह नोटिस आज दिया है और यह मामला अभी अंडर कंसीड्रे ान है। इसके बाद यह गवर्नमैंट को भेजा जाएगा और गवर्नमैंट आपको इस बारे में पूरा जवाब देगी। आप अभी बैठ जाएं।

डॉ. सु ील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, अगर आप चाहें तो इस बारे में जीरो ऑवर में भी बोलने का समय दे सकते हैं। आज गुड़गांव में लोग बहुत दुखी है और जो इम्पलाईज हैं वे पानी की प्रोब्लम की वजह से डयूटी नहीं कर पा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह भाहर अन्तर्राश्ट्रीय स्तर का है और वहीं से हरियाणा का आर्थिक विकास हो रहा है इसलिए इस बारे में सदन में चर्चा होनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, यह प्रोब्लम वहां पर कब से है?

डॉ. सु ील इन्दौरा : सर, यह प्रोब्लम वहां पर 5–6 दिनों से है।

श्री अध्यक्ष : आप इस बारे में कल भी लिखकर दे सकते थे, परसों भी दे सकते थे। (भाोर एवं व्यवधान) उससे पहले भी लिखकर दे सकते थे। (भाोर एवं व्यवधान)

डॉ. सु ील इन्दौरा अध्यक्ष महोदय, जब हमारी जानकारी में आएगा, तब ही लिखकर देंगे।

डॉ. सीताराम : (भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ये जो भी बोल रहे हैं वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए। (भाोर एवं व्यवधान) कल तो आप पांच घंटे भारफत से बैठे थे। आज ऐसी क्या चाबी भर गई है। (भाोर एवं व्यवधान) पता नहीं टूक–टूक बोले जा रहे हैं। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में माननीय सदस्य से एक बात कहना चाहता हूं। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में माननीय सदस्य से एक बात कहना चाहता हूं। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री ओमप्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, किसी जरूरी मुद्दे को उठाने के बारे में आज और कल का प्र न नहीं उठता है।

आज गुड़गांव जिले में पानी के लिए हा–हाकार मची हुई है। आज हरियाणा में पानी और बिजली का बड़ा भारी अभाव है। आज गुड़गांव में ई.डी.सी के 1502 हजार करोड़ रुपये हैं। अगर आप पीने के पानी की जो मूलभूत सुविधा है अगर उसको नहीं कर पाएंगे तो कैसे काम चलेगा। (भाोर एवं व्यवधान)

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में इनको बताना चाहता हूं कि (भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौटाला जी, कन्सर्न्ड मिनिस्टर इस बारे में जवाब देना चहते हैं। आप बैठ जाएं (भाोर एवं व्यवधान) Chautala ji, please take your seat. concerned Minister is giving the reply (भाोर एवं व्यवधान) ये जो भी बोल रहे हैं कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री ओमप्रका ा चौटाला : ********(भाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवा : अध्यक्ष महोदय, ये जो चौटाला जी ई.डी.सी के पैसे की बात कर रहे हैं तो चौटाला जी आपके समय में जब आप मुख्यमंत्री थे तो उस पैसे में से तनख्वाह दे दिया करते थे। आपने तो यह गुड़गांव जिले के साथ किया है। आपका तो कम से कम गुड़गांव जिले के बारे में कुछ कहना बनता ही नहीं है। कैसे पैसे लेकर रोज गाड़ी आपके निवास की तरफ चलती थी, इस बारे में सबको मालूम है।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनसे कहना चाहूंगा कि ये सदन की गरिमा बनाए रखें। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटाला : ******** (भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप बैठें। मुख्यमंत्री जी बोल रहे है। (भाोर एवं व्यवधान) आपको आपकी बात का रिप्लाई भी तो देना पड़ेगा। (भाोर एवं व्यवधान) सदन के नेता खड़े है, आप बैठ जाएं। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, इन्हें इस तरह से नहीं करना चाहिए। इन्हें सदन की गरिमा बनाए रखनी चाहिए। (भाोर एवं व्यवधान) आप अध्यक्ष से इस तरह से बात नहीं कर सकते हैं। (भाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Please take your seat (भाोर एवं व्यवधान) सद्दाम हुसैन के तरीके से यह सदन नहीं चलेगा। (भाोर एवं व्यवधान) Please sit down. Please take your seat यह सदन इस तरीके से नहीं चलेगा (भाोर एवं व्यवधान) यह डैमोक्रेटिक लोगों का सदन है। यह प्रजातन्त्र में वि वास रखने वाले लोगों का सदन है। (भाोर एवं व्यवधान) सदन के नेता खड़े हुए हैं, मंत्री जी भी रिप्लाई देना चाह रहे थे और आप बीच में बोलते जा रे

है। आप बैठें। (भाोर एवं व्यवधान) Nothing to be recorded. (भाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय,********

डॉ. सु ील इन्दौरा : स्पीकर साहब, **********

श्री बलवन्त सिंह सढौरा: **********

श्री अध्यक्ष सिंह : इनकी कोई भी बात रिकार्ड न की जाए, आप सभी अपनी–अपनी सीटों पर बैठें। Nothing to be recorded.

(इस समय सदन में उपस्थित इंडियन ने ानल लोकदल के सभी सदस्य सदन की वैल में आ गए और जोर–जोर से बोलने लगे।)

श्री अध्यक्ष : आप सभी अपनी–अपनी सीटों पर बैठें। (भाोर एवं व्यवधान) डॉक्टर साहब, आप कल भी हाऊस में आए हुए थे। कल आपने क्यों नहीं इस बारे में बोला। (भाोर एवं व्यवधान) एक मछली सारे तालाब को खराब करती है। आप सभी अपनी–अपनी सीटा पर बैठें।

श्री आनन्द सिंह डांगी : स्पीकर साहब, क्या ये 600 रुपये की हाजिरी लगाने के लिए ही आए थे? (भाोर एवं व्यवधान)

वाक–आऊट

श्री ओमप्रका ा चोटाला : अध्यक्ष महोदय, अगर आप हमारी गुड़गांव में पीने के पानी की कमी के बारे में बात नहीं सुनना चाहते है तो हम इसके विरोध में सदन से वाक आऊट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित इंडियन ने ानल लोकदल के सभी सदस्य सदन से वाक–आऊट कर गए।)

बिजली मंत्री (रणदीप सिंह सुरजेवाला) : स्पीकर सर, जब भी चौटाला साहब यहां से उठकर चले जाते हैं तो उस समय इन्दौरा साहब बड़े खु ा होते हैं। यह तो इस पर खु ा होते हैं। स्पीकर सर, एक बात इस सदन के लिए गहन चिन्ता का विशय है। लोकदल के सारे सदस्य बड़े ही भाांतिप्रिय तरीके से बैठते हैं और सदन में पार्टिसिपेट भी करते है। कल आने डेढ़ का समय तो अकेले डॉक्टर सीताराम जी को बोलने के लिए दिया था। इसके सारे सदस्य यहां पर मौजूद भी थे लेकिन दो दिन से इन्होंने एक भाब्द भी नहीं कहा। परन्तु हर बार जब भी चौटाला जी आते हैं तो इस सदन की जो परम्पराएं है, परिपाटी है, जो मर्यादायं है उनका जघन्य उल्लंघन किया जाता है। ऐसा लगता है कि एक सोची समझी नीयत और नीति से वहां पर आते हैं। कुर्सी पर बैठने सेप हले ही वह तैयारी करके आते हैं कि किसी प्रकार से सदन न चले, किस प्रकार से सदन के अन्दर व्यवधान डाला जाए, किसी भी प्रकार से कोई न कोई बार कहकर चेयर के ऊपर आपेक्ष करके या किसी और माननीय सदस्य जो पड़ौस में बैठे है उनके ऊपर

आक्षेप करके ऐसा व्यवहार करते हैं जिसे किसी भी तरह से सही नहीं कहा जा सकता। अध्यक्ष महोदय, मैं तो इतना ही कहूंगा कि यह सदन के लिए जरूर एक चिंतन का विशय है कि एक व्यक्ति जो केवल इस दन के अन्दर आता है तो वह इस तरह का व्यवहार क्यों करता है। उनकी बाकी पूरी पार्टी से तो कोई दिक्कत नहीं होती है। अध्यक्ष महोदय, आपने भी कई बार देखा होगा कि वे पीछे बैठकर मुस्कराते रहते हैं। वे गंभीर से गंभीर मुद्दा उठाएं हमें कोई दिक्कत नहीं है लेकिन जब चौटाला जी वाक आऊट करके जाते हैं या जब जबरदस्ती नेम होकर जाते हैं ताते उनकी पूरी पार्टी बड़ा आनन्द लेती है क्योंकि सच बात तो यह है कि वे भी बेचारे उनसे दु:खी है। इन दुखियों को भी मौका मिल जाता है इसलिए वे भी इन सारी बातों में भाामिल हो जाते हैं वे यह सोचते हैं कि किसी प्रकार से जल्दी वे चले जाएं और उनसे इनको छुटकारा मिल जाए। इसलिए मेरा कहना है कि सदन को इस मामले पर विचार करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, अभी सदन में एक मामला उठात हे। सरकार की तरफ से हम यह स्पश्ट करना चाहेंगे कि गुड़गांव के अंदर पीने के पानी की समस्या की जो चर्चा इस सदन में की गयी उसके बारे में मैं बताना चाहता हूं, हालांकि वे लोग इस बात को सुनने के लिए रूके नहीं है। मैं आपकी अनुमति से सदन को बताना चाहूंगा कि सरकार इस समस्या को लेकर प्रयत्न ील है। मुख्यमंत्री जी को इस बात की बहुत चिंता है। अध्यक्ष महोदय, पहले तो मैं इस सदन को बताना चाहूंगा कि कल तक गुड़गांव के अंदर वाटर सप्लाई रिस्टोर कर

दी जाएगी। हमने जो इस बारे में प्रयास कएि हैं यह उसी का नतीजा है। गुड़गांव में वाटर सप्लाई डिस्टर्ब इसलिए हुई क्योंकि जो गुड़गांव वाटर कैनाल है उसके अंदर ब्रीच हो गया था। यह सबको मालूम है कि कैनाल में पीछे ब्रीच कर लिया गया था। इसी वजह से गुड़गांव में जो वाटर सप्लाई स्टोरेज फैसेलिटीज है वह दो तीन दिन की है वह डिस्टर्ब हो गयी थी। जैसे ही यह ब्रीच हुआ मुख्यमंत्री जी ने 21 तारीख की रात को ही सारे अधिकारियों को बुला लिया था। इनको तो मालूम नहीं है क्योंकि ये तो 5–6 दिन की बात कहने लग रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इनकी तो कोई रुचि इस बात को देखने में नहीं कि गुड़गांव के अंदर क्या सुविधा है, क्या दिक्कत है। अध्यक्ष महोदय, 21 ओर 22 तारीख के बीच की रात को मुख्यमंत्री जी ने बैठक बुलायी जिसमें चीफ सैक्रेटरी मौजूद थे। मुख्तलिफ अधिकारी मौजूद थे। उसके बाद इमीडियेट जो निर्णय लिये गये, उनका कियान्वयन कर लिया गया है। मैं उन बिन्दुओं के बारे में आपसे चर्चा करना चाहूंगा। एक तो कैनाल पर भविश्य में ब्रीच किया था, उन 15 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, पैट्रोलिंग की व्यवस्था कर ली गई है ताकि ऐसी घटना दोबारा न हो। समस्या से निपटने के लिए 210 ट्रैक्टर टैंकर और 65 ट्रक माउंटेड टैंकर जो कि सामान्य ट्रैक्टर टैंकर से चार गुना बड़ा होता है, ऐसे टैंकरों को 24 मार्च को अरेंज कर लिया गया था। 500 से ज्यादा ट्रिप्स लगा रहे हैं। मैं सदन को यह भी बताना चाहूंगा कि हुडा और वाटर सप्लाई एंड सैनीटे ान डिपार्टमैंट ने कंट्रोल रूम बनाए हैं उनके बकायदा फोन नंबर है,

यदि किसी को पानी की समस्या होती है तो वह हमें फोन कर दें तो हम तुरन्त टैंकर भेज देते हैं। अध्यक्ष महोदय, सभी टयूबवैल्स इस समय गुड़गांव में चलर हैं और एक जे.ई. को उसका इन्चार्ज लगाया गया है। जो ऐडवर्सली अफेक्टिड ऐरियाज हैं जैसे सैक्टर 4,7,14,15,21,22,23 और ओल्ड म्युनिसिपल टाउन , वहां पर हमने स्पे ाल मैयर्ज लिए हैं और इसके अलावा जो प्राइवेट कालोनीज के जो टयूबवैल्स और पम्प्स हैं, वे भी अजैंट रिक्वायरमैंट के लिए ले लिए हैं और पानी की सप्लाई सुनि ित कर रहे हैं। कैनाल की रिपेयर का काम वारफुटिंग पर हो रहा है और उसे आज भााम तक पूरा कर लिया जाएगा।

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : अध्यक्ष महोदय, उस कैनाल की रिपेयर पूरी कर दी गई है।

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : इसके साथ ही मुख्यमंत्री जी ने हमें 5 हुक्म और दिये हैं। हमें मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जो एन.सी.आर. वाटर सप्लाई चैनल है इसकी कंस्ट्रक ान ऐक्सपेडाट की जाए। इस चैनल की कैपेसिटी 500 क्यूसिक की थी अब इसको हम 800 क्यूसिक तक ले जाएंगे ताकि लॉग टर्म नीड्स पूरी हो सकें। हुडा का जो वाटर वर्क्स है पहले उसकी स्टोरेज कैपेसिटी तीन दिन की थी अब उसको कन्क्रीज करके 8 से 10 दिन की करने लगे हैं। इसके अलावा 20 एम.सी.डी का वाटर टैंकर हुडा बना रहा है और इसे जल्द पूरा कर लेंगे। दमदमा लेक पर अल्टरनेटिव सोर्स ऑफ सप्लाई हो सकती है। इस

पर भी सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। पैट्रोलिंग और पुलिस पोस्ट का प्रावधान हमने किया है। कल तक रेगुलर सप्लाई रिस्टोर कर दी जाएगी। It is something that is beyond anybodya control. मुख्यमंत्री जी ने जो निर्दे ा दिये हैं उनका हम पूरी तरह से कियान्वयन कर रहे हैं। लॉग टर्म मैयर्ज ले रहे हैं और उनकी मैंचे चर्चा भी की है।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, पूरे सदन ने इस बात को गंभीरता से लिया है। वाकई में बड़ी गंभीर समस्या उभर गई थी लेकिन मैं जिला प्र ाासन को और हमाने चीफ सैक्रेटरी और सारे प्र ाासन को मुबारकवाद देता हूं कि उन्होंने समय पर पानी उपलब्ध कराया है। समस्या के हल के लिए तुरंत 400 टैंकर वहां भेज दिये गये और पानी की कमी नहीं होने दी। कल तक पानी की नार्मल सप्लाई रिस्टोर हो जाएगी। इसके साथ ही मैं इस बात के लिए डिफैंस सैक्रेटरी और आर्मी चीफ का भी आभार प्रकट करना चाहूंगा कि 22 तारीख रात को एक बजे फोन करते ही उसी समय टैंकर भेज दिये और पानी उपलब्ध कराया। इस कार्य के लिए मैं जिला प्र ाासन और अपने प्र ाासन की भी सराहना करता हूं। यह बहुत ही गंभीर मामला हो जाता लेकिन समय पर बहुत अच्छा काम किया और कल तक वाटर सप्लाई सुचारू रूप से भुरू हो जाएगी।

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को यह बताना चाहूंगा कि पानी के बारे

में माननीय मुख्यमंत्री जी ने एन.सी.आर. वाटर सप्लाई चैनल की आधारि ाला रख दी है। जिसकी 65 किलोमीटर की लम्बाई है और जिसको बनाने पर 225 करोड़ रुपये की लागत आयेगी जो बहादुरगढ़, खरखौदा और गुड़गांव को पानी सप्लाई करेगी। उसकी वजह से 500 क्यूसिक पानी की सप्लाई बढ़ेगी और पानी की समस्या का समाधान हो जायेग। जहां तक गुड़गांव कैनाल को ठीक करने की बात है यह 24.3.2008 को ठीक कर दी गई है और कल तक गुड़गांव में पानी पहुंच जायेगा।

एक किसान की मौत के कारण आन्दोलन संबंधी मामला उठाना

श्री रामकुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, मैं किसानों के बारे में कहना चाहूंगा कि भिवानी कोर्ट में किसान अपनी एक छोटी सी मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। उनकी मांग यह है कि जिन किसानों को भाहीदा का दर्जा सरकार ने दिया है जो कई काण्डों में मारे गये थे। उनमें भिवानी जिले के लुहारू तहसील के फरतिया गांव का एक महावीर सिंह भयोराण भी है। मेरा सरकार से निवेदन है कि उस महावीर सिंह को भी भाहीद का दर्जा देकर उसके परिवार के एक सदस्य को सरकार की पॉलिसी के हिसाब से नौकरी दी जाए क्योंकि यह महावीर सिंह 19 फरवरी 1981 को किसानों के आन्दोलन में मारा गया था। दूसरी बात भिवनी के सब डिविजन सिवानी में लगभग पिछले 9 साल से अकाल पड़ रहा है। वहां के किसान बुरी तरह से पीसे हुए है। सरकार को कोई ऐसा

इंतजाम करना चहिए कि वे बेचारे किसान भूखे से बच सकें, क्योंकि वे आज भूख से मरने की पोजि ान में आ गये है। तो ाम की भी यह पोजी ान है लेकिन तो ाम के बारे में तो मंत्री महोदया बैठी हैं, वे ज्यादा जनती हैं।

वन मंत्री (श्रीमति किरण चौधरी) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य अपने इलाके की फिक करें। तो ाम की फिक न करें। तो ाम में अगर कोई दिक्कत होगी तो माननीय मुख्यमंत्री जी से बात करके वहां का समाधान करवा लेंगे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो सदन में बात उठाई है मैं उसका जवाब देना चाहूंगा। भिन्न–भिन्न काण्डों में दर्जनों किसान मारे गये थे। जैसे कई बार कण्डेला में जो गुप्ता जी का विधानसभा क्षेत्र है, मेरा जिला है वहां पर दर्जनों किसाना मारे गये थे। वहां पर माननीय मुख्यमंत्री जी सबसे पहले आये थे और भिवानी में कादमा, मण्डियाली में भी कई किसान मारे गये थे। वहां पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने यह निर्णय कर दिया था कि जो किसान ऐसे काण्डों में पुलिस की गोली से मारे गये हैं उन सब के परिवार के एक सदस्य को सरकार रोजगार देगी। ऐसी पहली बार हुआ है क्योंकि ये सारे काण्ड इस सरकार के आने से पहले हुए थे। लेकिन चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने यह निर्णय किया कि जो कण्डेला, मण्डियाली, कादमा में किसाने मारे गये हैं उनके परिवार

के एक सदस्य को जो इलीजीबल होगा उसको रोजगार दिया जायेगा और उन सभी को रोजगार दे दिया गया है।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, मैंने लुहारू में पब्लिक मिटिंग में महावीर सिंह के बारे में घोशणा कर दी थी।

वर्श 2008–09 के लिए बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा

(पुनारारम्भ)

Mr. Speaker : Hon'ble Member, now general discussion on Budget Estimates for thr year 2008-09 will resume. Now. Shri Jai singh Rana will speak.

श्री जय सिंह राणा (नीलोखेड़ी) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। आदरणीय वित्त मंत्री श्री बीरेन्द्र सिंह जी ने 18 मार्च 2008 को वर्श 2008–09 का बजट इस सदन में पे ा किया है। यह बहुत ही अच्छा बजट बजट है। इस बजट की सराहना मैं ही नहीं बल्कि पूरे हरियाणा के लोग कर रहे है क्योंकि इस बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। हर वर्ग को राहत देने का कार्य इस बजट में किया गया है। किसी भी क्षेत्र में कोई कर न लगाकर सरकार ने अपनी उदारवादी नीतियों का प्रमाण दिया है। हरियाणा के आर्थिक सर्वे के अनुसार सकल राज्य घरेलू उत्पाद में स्थिर मूल्यों में वृद्धि वर्श 2005–06 में 9.2 प्रति ात और 2006–07 में

11.4 प्रति ात थी जो कि उल्लेखनीय है। अर्थ व्यवस्था की दर 9 परसैंट से अधिक हुई जो पिछले 3 वर्शों की सरकार की सही दि ाा और द ाा की ओर इ ाारा करती है। चालू वर्श में उद्योग और सेवा क्षेत्र में क्रम ाः 10 प्रति ात और 12 प्रति ात की वृद्धि होने की सम्भावना है जबकि राश्ट्रीय स्तर पर इन क्षेत्रों की वृद्धि क्रम ाः 9.4 प्रति ात और 10.7 प्रति ात है जो कि बहुत ही सराहनीय कार्य है। पिछले वर्शों में अन्य सैक्टर्ज जैसे सर्विस सैक्टर, ट्रैड कम्युनिके ान सैक्टर, कंस्ट्रक ान, ट्रांसपोर्ट, सोफ्टवेयर और आई.टी. सैक्टर में विकास की दर बहुत अच्छी रही है। जिसका नतीजा यह रहा है कि हरियाणा प्रदे ा की जो प्रति व्यक्ति आय है वह बढ़ी है और हरियाणा आज प्रति व्यक्ति आय में दूसरे नम्बर पर है। मुझे यह भी उम्मीद है कि आने वाले समय में हमारा हरियाणाप प्रदे ा की जो प्रति व्यक्ति आय है वह बढ़ी है और हरियाणा आज प्रति व्यक्ति आय में दूसरे नम्बर पर है। मुझे यह भी उम्मीद है कि आने वाले समय में हमारा हरियाणा प्रति व्यक्ति आय में नम्बर एक पर होगा। वर्श 2007–08 में 56280 होने का अनुमान है जो प्रदे ा की प्रगति को द ार्ाता है और जो सरकार के प्रयासों का नतीजा है। प्रति व्यक्ति आय में गोवा के बाद हरियाणा दूसरे नम्बर पर है। मुझे उम्मीद है कि यह प्रदे ा जल्द ही नम्बर एक पर होगा। मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि जो मेहनत और लगन से प्रदे ा के प्रति व्यक्ति आय की दर गोवा के बाद नम्बर एक पर है इसको और ज्यादा बढ़ाने का प्रयास किया जाए। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह फिस्कल मैनेजमैंट के मामले

में भी सरकार सफल रही है और इसके लिए वित्त मंत्री महोदय और मुख्यमंत्री महोदय को बधाई देना चाहता हूं कि इस अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा में किसानों के लिए हरियाणा की सरकार नहीं कर पाई। जैसा कि किसानों के बिजली के बकाया बिलों के 1600 करोड़ रुपये माफ करके उनको राहत देने का काम किया है, उसके बाद इस साल में किसानों का जो कर्जा माफ किया गया है, उससे भी किसानों की द ाा में सुधार आया है। इस साल का केन्द्र का जो बजट है उस बजट में 60 हजार करोड़ रुपये केन्द्र की सरकार ने किसानों के कर्जे माफी के लिए दिय हैं और उससे हरियाणा प्रदे ा के किसानों को भी बहुत लाभ मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, आज के दिन हरियाणा प्रदे ा का किसान हमारी सरकार से और भी उम्मीद रखता है क्योंकि जो मदद किसान की अभी तक की गई है, वह किसानों को पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाने के लिए पर्याप्त नहीं है। हरियाणा प्रदे ा का किसान मेहनत करने वाला है। सरकर ने किसानों का जो ब्याज माफ किया है या कर्जा माफ किया है उसके बावजूद भी किसान उस स्थिति में नहीं आ पा रहा है जो स्थिति एक किसान की होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा कृशि प्रधान प्रदे ा है, हरियाणा प्रदे ा की उन्नति और तरक्की किसान की उन्नति और तरक्की पर निर्भर करती है। हमारे प्रदे ा में यदि किसान की स्थिति बेहतर होगी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि हमारे प्रदे ा के किसानों की स्थिति सुधारने के लिए सरकार को बहुत

से कठोर कदम उठाने होंगे। सबसे पहले यह बात जानने की जरूरत है कि किसानों पर कर्जा क्यों चढ़ता है, किसान की सबसे ज्यादा कर्जादार क्यों होतो है? इस बारे में अर्थ ाास्त्रियों, कृशि वि ोशज्ञों और बुद्धिजीवियों की एक कमेटी बनानी चाहिए जो उन कारणों को जाने कि किसानों पर कर्जा क्यों चढ़ता है और किसान प्रकार से किसानों के कर्ज से मुक्त किया जा रहा है। बार–बार कर्जा देना और माफ करना तथा फिर्ज कजा चढ़ाना यह किसानों के लिए और हमारे दे ा के लिए अच्छी बात नहीं है। हमें कारणों को जानकार ऐसी व्यवस्था लानी चाहिए, जिससे हमे ाा–हमे ाा के लिए किसान कर्ज से मुक्त हों और दोबारा से किसानों का कर्जा न चढ़े। अध्यक्ष महोदय, आप सभी जानते है कि यदि किसान को एक अच्छी फसल लिए जाये तो किसान उभर जाता है और यदि किसान की एक फसल खराब हो जाये तो किसान कर्जदार हो जाता है। पिछले दिनों ओलावृश्टि से किसानों की फसलों का जो नुकसान हुआ उसका मुआवजा हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने उदार हृदय होकर दिया और इतना मुआवजा किसानों को दिया जो आज तक किसी भी सरकार ने नहीं दिया। जो लोग हमे ाा किसानों के नाम पर राजनीति करते आये हैं उन्होंने भी कभी भी किसानों को इतना मुआवजा देने के बारे में नहीं सोचा जितना मुआवजा हमारे मुख्यमंत्री जी ने पिछले दिनों प्रदे ा के किसानों को दिया है। इस बारे में मैं कहना चाहूंगेा कि जितना भी नुकसान किसान की फसल को प्राकृतिक आपदा से हो वह पूरा नुकसान सरकार की तरफ से किसान को मिलना चाहिए। जिससे

किसान की स्थिति मजबूत होगी और किसान कभी भी कर्जदार नहीं होगा। अध्यक्ष महोदय, सामने वाले साथी आज उठकर चले जाते हैं। चौटाला जी जो बातें लोगों में जाकर कहते हैं वे बातें हम उनसे यहां सुनाना चाहते थे। लेकिन इनके पास कोई बात बोलने के लिए नहीं है और न ही सरकार के बजट में कोई नुक्ताचीनी है। जिसके बारे में वे बात करते। अध्यक्ष महोदय, चौटाला जी अब प्रदे ा के किसानों को कहते है कि एक बार मुझे मौका दे दो मैं तुम्हारा सात पीढ़ियों का इन्तजाम कर दूंगा, मेरा तो हो गया, अब तुम्हारी बारी है। अध्यक्ष महोदय, यही बात हम उसने यहां सुनना चहाते थे कि यह कौसा सा तरीका है। जिससे चौटाला जी किसानों का सात पीढ़ियों का इन्तजाम कर देंगे। अगर वे इस बारे में सुझाव यहां सदन में देते और उनका सुझाव वाकई में किसानों का सात पीढ़ियों का इन्तजाम करने वाला होता तो हम भी हमारे मुख्यमंत्री जी से कहते कि वे चौटाला जी के सुझाव पर अमल करें। स्पीकर सर, किसान की जो खेती है उसको भी उद्योग का दर्जा दिया जाना चाहिए और जहां तक इं योरैंस की बात है उसकी सभी फसलों का पूरा बीमा होना चाहिए ताकि अगर किसी कारणव ा फसलें खराब हो जाती है तो उसे उनका पूरा मुआवजा मिल सके। स्पीकर सर, माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व वाली हमारी राज्य सरकार ने जो अनुसूचित जातियों और बी.पी.एल के अन्दर आने वाले परिवारों के लिए 100–100 गज के प्लाटों के आबंटन का फैसला किया है यह एक बहुत ही अच्छी बात है। ि ाक्षा के क्षेत्र में भी इन लोगों को

सरकार द्वारा अभूतपूर्व सहायता दी जा रही है। इस मामले में यह एक बहुत बड़ी बात है कि हमारे हरियाणा प्रदे ा में अनुसूचित जाति की जो संख्या है वह कुल जनसंख्या का 19.35 प्रति ात है और उनके कल्याण और विकास के लिए हमारी सरकार के वर्तमान बजट में कुल बजट का 21.55 प्रति ात प्रावधान रखा गया है। यह एक बहुत बड़ी बात है कि जो कि गरीबों और अनुसूचित जातियों के प्रति माननीय मुख्यमंत्री जी की उदारता और लम्बी सोच की सबूत है। जहां तक बी.पी.एल. के परिवारों को 100–100 गज के प्लाटों के आबंटन के फैसले के सम्बन्ध है इसकी चारों तरफ बहुत भारी प्र ांसा हो हरी है। जिनके पास घर बनाने के लिए जगह नहीं थी सरकार के इस फैसले से उनके मन में खु ाी की लहर दौड़ गई है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान में एक और बात यह भी लाना चाहूंगा कि अनुसूचित जातियों के अलवा भी हरियाणा में अनेक जातियां ऐसी है जो कि पिछड़े वर्ग में आती है और वे इनसे भी बहुत ज्यादा गरीब है। जैसे हमारे इलाके के क यप हैं जिनको झींवर भी कहते हैं। ये बहुत ही गरीब लोग हैं। इसी प्रकार से और भी गरीब जातियां है जैसे नाई, धोबी, तेली और जोगी वगैरह। मैं सरकार से अनुरोधा करूंगा कि ये जातियां भी अनुसूचित जाति की तरह ही सरकार की कल्याणकारी नीतियों से लाभ उठाने की पात्र है, इसलिए इनको भी बी.पी.एल. स्कीम में भाामिल करके इनको भी पूरा लाभ पहुंचाना चाहिए। इसके साथ–साथ बहुत से ऐसे भूमिहीन लोग भी हैं जो कि स्वर्ण जातियों से सम्बन्ध रखते है,

लेकिन बहुत ज्यादा गरीब हैं। उनको भी इसमें भाामिल करना चाहिए। इसके अतिरिक्त मैं तो यह भी कहना चाहूंगा कि ये जो बी.पी.एल. के मापदण्ड हैं ये केन्द्र सरकार के द्वारा बनाये गये नियमों के अनुसार हैं इसलिए मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि एक बी.पी.एल स्कीम हमें अपने हरियाणा प्रदे ा की अलग से बनाना चाहिए जिसमें हमें उन जातियों और वर्गों को भाामिल करना चाहिए जो किसी कारणव ा इससे छूट गये हैं ताकि ये सुविधायें हर गरीब आदमी को मिल सकें और इनके लाभों से कोई पात्र, गरीब आदमी वंचित न रहे। स्पीकर सर, प्रदे ा सरकार ने ऋण माफी और भाहरों के विकास के लिए भी अनेक ठोस एवं कारगर उठाये हैं। सरकारी कर्मचारियों के लिए भी सरकार ने अपने वर्तमान बजट में बहुत सी रियायतें दी हैं चाहे वह कार ऋण की सीमा 5 लाख से बढ़ाकर 6 लाख करने की बात हो या फिर घर बनाने के लिए मिलने वाले ऋण की सीमा 7.50 लाख से बढ़ाकर 12.50 लाख करने की बात हो। इसके लिए भी सरकार की जितनी तारीफ की जाये वह कम होगी। स्पीकर सर, वर्तमान बजट में प्रदे ा में ि ाक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए भी सरकार द्वारा भरसक प्रयास किये गये हैं। जैसे सरकार द्वारा जहां पर अध्यापकों की कमी थी उस कमी को स्थाई बंदोबस्त होने तक दूर करने के लिए गैस्ट टीचर्ज की नियुक्ति की गई है।

Mr. Speaker: please wind up. Rana ji.

श्री जय सिंह राणा : स्पीकर सर, मैं थोड़ी सी बात और कहकर अपनी बात समाप्त कर देता हूं। स्पीकर सर, जहां तक हरियाणा प्रदे ा के विकास की बात है मैं समझता हूं कि सम्पूर्ण हरियाणा प्रदे ा का विकास समानता के आधार पर होना चाहिए। सरकार ने पूरे प्रदे ा में 91 गांवों को आद र्ा गांव का दर्जा दिया है। हरियाणा प्रदे ा में बहुत से ऐसे गांव हैं जिनकों आद र्ा गांव का दर्जा दिया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से भाई आनन्द सिंह दांगी कह रहे थे कि जहां मेरे जैसे विधायक गांव में रह रहे हों कम से कम उन गांवों को तो उस श्रेणी में भाामिल किया जाना चाहिए। यहां पर मुख्य संसदीय सचिव महोदय बैठे हैं, मुख्यमंत्री जी की तरफ से वे ही इस कार्य को देखते हैं, तो मैं उनसे आ वासन चाहता हूं कि मेरे गांव को आद र्ा गांव का दर्जा देंगे।

श्री अध्यक्ष : राणा साहब, ठीक है। सी.पी.एस. साहब इसको कंसीडर कर ले बाकि आप लिख कर भिजवा दें, आपका पढ़ा मान लिया जायेगा।

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, मुझे दो मिनट का समय और दे दीजिए मैं अपनी बात को कंकल्यूड कर लूंगा।

श्री अध्यक्ष : आप 16 मिनट तक बोल चुके हैं और भी सदय बचे हैं जिनको बोलना है। आपका समय पूरा हो चुका है अब आप बैठे जाईये। I Know your capacity. I Know the capacity of every member. I Know you can speak for hours but

I have to give chance to every member. मैड राजरानी पूनम, अब आप बोलिए।

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसका धन्यवाद।

श्रीमति राजरानी पूनम : अध्यक्ष महोदय, मैं आज नहीं बोल पाऊंगी, मुझे कल बोलने का समय दे देना।

श्री बचन सिंह आर्य : अध्यक्ष महोदय, माननीय वित्त मंत्री महोदय ने 18 मार्च 2008–09 का जो सुन्दर बजट पे ा किया है उसके लिए मैं वित्त मंत्री जी और सरकार का धन्यवाद देता हूं। यह एक बहुत ही सुन्दर और सराहनीय बजट है। इसमें सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। कृशि क्षेत्र पर वि ोश ध्यान देन, उच्चकोटि की ि ाक्षा प्रदान करना, बेहत सेवाएं उपलब्ध करवाना, समाज के कमजोर वर्गों के स ाक्तिकरण पर जोर देना और सुदृढ़ आधारभूत ढांचा तैयार करना ये सब वि ो ा प्राथमिकताएं इस बजट में रही है। स्थानीय साहूकारों और आढ़तियों से किसानों ने बहुत ऊंची दरों पर ऋण ले रखे हैं, इस समस्या के समाधान के प्रति बजट में पूरी तरह से चिन्ता जताई गई है। अध्यक्ष महोदय, महिलाओं के लिए स्टाम्प भाुल्क की दरों को एक प्रति ात की कमी करना, न्यूनतम मजदूरी 3510 रुपये करना। प्रत्येक गांव में ग्रामीण रोजगार गारन्टी स्कीम के तहत प्रत्येक व्यक्ति को 100 दिनों का रोजगार देना अपने आप में

अभूतपूर्व कार्य है। मुख्यमंत्री अनुसूचित ि ाक्षा प्रोत्साहन स्कीम नामक कान्तिकारी योजना के तहत सभी बी.पी.एल. परिवारों एवं अनुसूचित जाति के सभी छात्रों को छात्रवृतियां हैं। पेयजल आपूर्ति एवं स्वास्थ्य का वि ो ा ध्यान रखा गया है। अनुसूचित जाति के परिवारों को निः ाुल्क पेयजल कनैक् ान देना, मुफ्त पानी की टंकी और टूंटी देना वि ोश सराहनीय कार्य हुए है। अध्यक्ष महोदय, मेरे विधानसभा क्षेत्र में सफीदों में भी पीने के पानी के टयूबवैल लगवा कर कड़वे पानी से छुटकारा दिलवाया है। इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी और जनस्वास्थ्य मंत्री का आभार व्यक्त करता हूं। मेरे पैतृक गांव भुसलाना में पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर ने पीने के पानी के लिए टयूबवैल का 1.10.07 का ि ालान्यास किया था। अभी तक उसका पैसा नहीं गया है, कृपया, उसकी स्वीकृति देने का कश्ट करें। कम से कम 18–20 टयूबवैल का पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर जी ने ि ालान्यास किया था, उन सभी का काम पूरा हो चुका है और चालू हो चुके हैद्व इसके लिए मैं पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर का आभार व्यक्त करता हूं। सड़क बनाने और पुलों के निर्माण करके मुख्यमंत्री जी द्वारा ऐतिहासिक कदम उठाये गये हैं। 37 सड़क ऊपरगामी पुल स्वीकृत करके वि ोश रिकार्ड कायम किया है। अध्यक्ष महोदय, मेरे विधानसभा क्षेत्र में सफीदों में सड़कों की पिछली सरकार की देन, जर्जर हालात को सुधारने हेतू 4.31 लाख रुपये दिये हैं। इसके लिए मैं सरकार का आभार व्यक्त करता हूं और विनम्र अनुरोध करता हूं कि विभाग द्वारा कार्य जल्दी करवाएं। अध्यक्ष महोदय, आदरणीय मुख्यमंत्री जी

ने मेरे विधानसभा क्षेत्र के साथ लगते हुए छछड़ाना असन्ध में एक भूगर मिल लगवाई है जिससे वहां के क्षेत्र के किसानों की बहुत पुरानी मांग पूरी हुई है और सरकार का यह एक ऐतिहातिक कदम है। इस क्षेत्र के किसान गन्ने की बिजाई पर वि ोश ध्यान दे रहे हैं। यह ऐरिया मेरे हल्के के साथ ही लगाता ऐरिया है। यह भूगर मिल मेरे विधानसभा क्षेत्र के गांव से चार किलोमीटर दूरी पर है। यहां से गन्ना मिलतक जाने का रास्ता कच्चा है जिसके कारण वहां पर कठिनाई का सामना करना पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से मांग करता हूं कि प्राथमिकता के आधार पर इस सड़क को बनाया जाए ताकि मिल में गन्ना आसनी से ले जाया जा सके। स्पीकर सर, इसी तरह से रोहड़ से भााजूखुर्द सड़क, सालावास से बिरवाना सड़क, सानपुर से धर्मगढ़ सड़क तथा बुढ़ाखेड़ से खरगा तक सड़का निर्माण करवाया जाए। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने ग्रामीण और भाहरी क्षेत्रों का विकास करने का निर्णय लिया है जिसके तहत 91 गांवों को आद र्ा गांवों के रूप में विकसित करने के लिए चयन किया गया है। सरकार से मेरा नम्र निवेदन है कि मेरे इलाके के दो गांव कालवा एवं मुआना को आद र्ा गांव का दर्जा दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने गांव–गांव में खेल स्टेडियम बना कर सराहनीय कार्य किया है। मेरे क्षेत्र में गांव डिडवाना में स्टेडियम बनवाने की कृपा करें। इस बारे में पंचायत का रैजोल्यू ान भी विभाग के पास आया हुआ है। इतना ही नहीं सरकार ने ि ाक्षा में रिकार्ड तो उपलब्धियों हासिल की है। बहुत बड़ी संख्या में स्कूलों का

दर्जा बढ़ाया गया है। अध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र में गांव रोहड़ का स्कूल सन 1958 से अब तक आठवीं कक्षा तक है। यह गांव सिख भाईयों की आबादी वाला गांव है। सरकार से मेरा निवेदन है थक इस स्कूल को दसवीं कक्षा तक अपग्रेड करने की कृपा करें तथा राम नगर गांव में गवर्नमैंट मिडल स्कूल को गवर्नमैंट हाई स्कूल तक अपग्रेड करने की कृपा करें। इस स्कूल में कमरे बने हुए हैं और यह स्कूल अपग्रेडे ान की सारी भार्तें पूरी करता है। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, इस स्कूल को अपग्रेड करने के लिए पिछली सरकार के समय में सरकार आप के द्वार कार्यक्रेम के तहत उस समय के मुख्यमंत्री श्री ओमप्रका ा चौटाला जी दिनांक 5.1. 2004 को उस गांव में गये थे। लन्च भी उन्होंने वहीं पर किया था और वहीं पर आराम भी किया था। वहां के छोटे–छोटे किसान चन्दा इकट्ठा करके स्कूल अपग्रेड करवाने के लिए उन्हें लेकर गए थे और उन्होंने वहां पर इस स्कूल को अपग्रेड करने की हामी भरी थी। चन्दा इकट्ठा करके 51 हजार रुपये की माला वहां के उस समय के सरपंच श्री मदन सिंह मलिक ने श्री ओम प्रका ा चौटाला जी के गले में डाली थी और गांव के लोगों ने उनसे एक ही मांग रखी थी कि हमारे स्कूल को अपग्रेड किया जाए। उस समय के मुख्यमंत्री ने पूरे गांव के आगे स्कूल अपग्रेड करने की घोशणा की थी। उनके फोटो भी हैं और टेप भी गांव के लोगों के पास हैं, मगर इस स्कूल को अपग्रेड करने का काम नहीं हुआ। मेरा अपने विकास पुरूश मुख्यमंत्री और सरकार से अनुरोध है कि गांव के लोगों की मांग और आव यकता को देखते हुए इस स्कूल का

दर्जा बढ़ाने की कृपा करें। उन्होंने हरियाणा प्रदे ा को दे ा का नम्बर वन प्रदे ा बनाने का संकल्प लिया है। हमारे विकास पुरूश मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के कार्यों का सभी साथियों को प्रदे ा हित में समर्थना करना चाहिए। बी.जे.पी. के हमारे साथी सदस्य और बसपा के एममात्र सदस्य राजनैतिक तथा वैचारिक भिन्नता होते हुए भी सरकार की सही बात को सही मानते हैं और हम जो 10 इंडिपैंडैंट साथी जीत कर आए हैं हरियाणा के विकास पुरूश आदरणीय मुख्यमंत्री जी का तहेदिल से साथ दे रहे हैं। हमारी साथी जो हमारे सामने बैठते हैं लेकिन इस समय हाऊस में उपस्थित नहीं है और उठ कर बाहर चले गए हैं, मैं उनकी पार्टी के साथियों का भी कहना चहूंगा कि प्रदे ा के हित में उन्हें आदरणीय मुख्यमंत्री और सरकार का समर्थन और सहयोग करना चाहिए ताकि हरियाणा प्रदे ा की जनता में एक अच्छा संदे ा जाए। अध्यक्ष महोदय, सरकार की अचछी और यही बात को भ जानबूझ कर गलत ढंग से पे ा करना, खाली नुक्ताचीनी करना और गलत परम्पराओं से ओछी राजनीति करना, गलत रिवाज डालने के सिवाय कुछ नहीं है। हरियाणा सरकार और आदरणीय मुख्यमंत्री जी का कद उनके कार्यों की वजह से हरियाणा की जनता में ऊंचा हो चुका है कि उसको छू पाना अंकारी और हता ा लोगों के सामर्थ्य से बाहर की बात है। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के मुख्यमंत्री बनने के बिना क्या यह हो सकता था कि दो हजार करोड़ रुपये के बजट की बजाय तीन गुणा से भी ज्यादा 6600 करोड़ रुपये का बजट पे ा हो, क्या यह हो सकता था कि

1600 करोड़ रुपये के किसानों के बिजली के बिल माफ हो जाए, क्या यह यह हो सकता था कि अंग्रेजों के समय का काला कानून जो किसान की गिरफ्तारी का था, वह समाप्त हो जाए? क्या यह हो कसता था कि 830 करोड़ रुपये के गांव के किसनों और गरीब व्यक्तियों के ब्याज माफ हो जाए? क्या यह हो सकता था कि अढ़ाई–तीन हजार रुपये प्रति क्विंटल के भाव से किसानों का धान बिक जाए? क्या यह हो सकता था कि 100–100 गज के प्लॉट गरीब आदमियों को रहने के लिए दे दिये जाएं? क्या यह हो सकता था कि हांसी बुटाना लिंक नहर का निर्माण हो जाए? क्या यह हो सकता था कि किसानों की ऊबड़–खाबड़ जमीन जो डेढ़ से दो लाख रुपये प्रति एकड़ की कीमत की थी वह 25–30 लाख रुपये की हो जाए? क्या यह हो सकता था कि हरियाणा में गुण्डागर्दी खत्म करके प्रत्येक भाहर एवं गांव का व्यक्ति सुख, अमन और चेन का जीवन जीये? सोनिया गांधी जी और प्रधानमंत्री जी की सलाह देकर किसानों के 60,000 करोड़ रुपए का ऋण माफ करवाने का सहरानीय कदम उठाया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री जी के लिए दिल से निकले हरियाणा के हित में उदगारों की यह पंक्तियां प्रत्येक हरियाणावासी खेतों, खलियानों और बाजारों में गुणगुणाता फिरता है।

" जिन्दगी की असली उड़ान अभी बाकी है,

हमारे इरादों का इम्तिहान अभी बाकी है,

अभी तो नापी है मुट्ठी भर जमीन हमनें,

आगे सारा आसमान बाकी है।"

आज इनके होते हुए हरियाणा का किसान , मजदूर, व्यापारी और प्रत्येक वर्ग आगे बढ़ेगा। आज मुख्यमंत्री जी ने राजनीति को बिलो कर रख दिया है। अध्यक्ष महोदय, जब दही को बिलोया जाता है तो उसमें कुछ बाद मक्खन ऊपर आ जाता है। इस तरह से जब आने वाले समय में चुनाव का रिजल्ट आएगा तो उसको सब देखेंगे। अध्यक्ष महोदय, मुझे उम्मीद है कि आने वाले चुनावों में जो भी मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी का नाम लेकर चुनाव में आएगा वहीं विधानसभा में आ पाएगा क्योंकि इनके कामों को जनता द्वारा अस्वीकार नहीं किया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार द्वरा किए गए कार्य बहुत ही जबरदस्त है। अध्यक्ष महोदय, महर्शि दयानन्द जी ने "सत्य और प्रका ा" के चौथे अध्याय में लिखा है कि जो ठीक तरह से बरतता है, उसको ठीक तरह से बरतना चाहिए। उसमें यथाभोग बर्ताव करने की बात कही गई है। जो दुश्ट है, उसको उसी ढंग से बरतना चाहिए। अगर इस तरह से नहीं किया गया तो सारा वातावरण खराब हो जाएगा। इस बात के लिए मैं अध्यक्ष महोदय जी की प्र ांसा करता हूं कि जो साथी सदन के सारे महौल को बिगाड़ते हैं उनके खिलाफ यथायोग कार्यवाही करके इन्होंने सदन के माहौल को ठीक किया हुआ है। हमारे मुख्यमंत्री जी तो एक मीठे बेर की तरह हैं। जो भी उसको खाता है वह उसका याद रखता है। लेकिन

अध्यक्ष महोदय, ये जो हमारे भाई सदनन से उठकर चले गए हैं वो और पिछले सरकार के वक्त के मुख्यमंत्री हमारे आज के मुख्यमंत्री जी के सामने टिंक नहीं सकते हैं, इनसे आंख नहीं मिला सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं एक ही बात कहकर अपनी बात खत्म करना चाहूंगा कि कैर के फल में और बेर के फल में अन्तर होता है। कैर कार फल कड़वा होता है और वह कभी हम नहीं होता है।

"कैर और बेर का मेल हो किस तरह,

एक तीखा है, एक मुलायम सजर

ऐसे आते हैं, दुश्टाचारी नजर,

दूध इनको नहीं पिलाना चाहिए।"

स्पीकर सर, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्रीमति भाकुंतला भगावाड़िया (बावल, अनुसूचित जाति) : स्पीकर सर, सबसे पहले मैं आपका धन्यवाद करती हूं कि आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने जो बजट पे ा किया है उसमें आम जनता को बहुत राहत दी गई है। इसमें वि ोश तौर पर दिखाया गया है कि मुख्यमंत्री जी किसानों को राहत देंगे और भय मुक्त राज देंगे। हमारे साथ बैठने वाले साथी जो यहां से उठकर चले गय हैं उनके समय में बरसौला और झज्जर में बहुत दिक्कत आई थी और उन साथियों के मन में बहुत वहम था कि उनका वहां पर बहुमत है। लोगों ने

इस बारे में फैसला कर दिया और उनके सदन में आठ–नौ आदमी ही आ पाए हैं। जनता ने यह बहुत ही सराहनीय काम किया है। इस सरकार ने ि ाक्षा के स्तर को ऊंचा किया है और उसमें भी महिलाओं को हित दिखाया है। छोटे आदमियों को राहत देने के लिए बड़े आदमी का ध्यान नहीं किया जाता है लेकिन मैं इस बात के लिए मुख्यमंत्री जी की सराहना करूंगी। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहूंगी कि जिस दे ा का किसान भूखा हाता है, वह दे ा भी भूखा रहता है। जिस दे ा के किसान का पेट भरा होता है, उस दे ा का पेट भी भरा रहता है। आज एक प्रदे ा का किसान अपने प्रदे ा के लिए अनाज की पूर्ति नहीं करता है। बल्कि दूसरे प्रदे ाों के अनाज की भी पूर्ति करता है। यह वास्तव में सराहनीय बात है। स्पीकर सर, मैं एक बात और कहना चहूंगी और मैं इसके लिए सराहना भी करना चाहती हूं कि किसान का इतना बड़ा कर्जा माफ करके राहत दी गयी है। स्पीकर साहब, एक बड़ा व्यक्ति अपने खेत में काम नहीं कर पाता है। काम उस खेत में गरीब आदमी करता है लेकिन फायदा केवल साहूकार आदमी ही उठाता है। फैक्ट्री का मालिक तो बहुत बड़ा आदमी होता है, लेकिन गरीब आदमी के हाथ में कुछ नहीं होता है। जो गांवों में छोटा–छोटा काम करते हैं और जिन्होंने छोटे–छोटे लोन ले रखे हैं जैसे बकरी पालन के लिए उन्होंने लोन ले रखे हैं तो उनको भी राहत सरकार की तरफ से दी जानी चाहिए। स्पीकर सर, कहा उससे ही जा सकता है जिसमें कुछ करने की क्षमता हो।

श्री अध्यक्ष : मैडम, सभी मैम्बर्ज ने यह बात उठायी है so I wouls request all the members. kindly don't repeat the same things.

श्रीमती भाकुंतला भगवाड़िया : स्पीकर साहब, हुड्डा साहब से ही ऐसाी आ ाा रखी जा सकती है।

श्री अध्यक्ष : मैडम, भगवाड़िया तकरीबन हर मैम्बर्ज ने यह बात कही है।

श्रीमती भाकुंतला भगवाड़िया : स्पीकर साहब, मैं तो उन लोगों का प्रतिनिधित्व करती हूं इसलिए मैं यह बात कर रही हूं। करना या न करना यह मुख्यमंत्री जी की सोच है।

श्री अध्यक्ष : आप यह कहें कि इस बारे में जितने स्पीकर्ज बोले हैं उनके साथ मैं भी अपने आपकों जोड़ती हूं।

श्रीमती भाकुंतला भगावाड़िया : स्पीकर साहब, मैं भी अपने आप को जोड़ ही रही थी। मैंने तो इसके लिए मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद भी किया। स्पीकर साहब, एक बात मैं अपने हल्के के बारे में कहना चाहती हूं। मेरे हल्के के काकड़ी गांव में वोके ानल ऐजुके ान की बिल्डिंग बनी हुई है। मेरा निवेदन है कि उसको आई.टी.आई. में परिवर्तित कर दिया जाए। मैं इसके लिए सरकार की आभारी रहूंगी। इसके अलावा मेरे हल्के की कई ऐसी सड़के हैं। जिनका निर्माण होना अभी बाकी है। मुझे इस बात की खु ाी है कि हमारे मुख्यमंत्री जी ने कैप्टन अजय सिंह जी की रोड्ज का

महकमा दिया है। मैं अपने आप भी उनसे सहयोग ले लूंगी। मैं साथ–साथ यह भी उनसे सहयोग ले लूंगी। मैं साथ–साथ यह भी कहना चाहती हूं कि एक दिन मैं अचानक रिवाड़ी में वृद्ध होम में चली गयी। यह वृद्ध होम 1982 में बना होगा। यह बड़े दु:ख की बात है। मैंने वहां पर देखा कि उसके भी ो टूटे हुए पड़े हैं और आज तक भी उनकी रिपेयर नहीं हुई है। वहां पर बजुर्ग आदमी बहुत दु:खी थे। इसलिए मेरा सरकार से विनम्र अनुरोध है कि उस वृद्ध होम की तरफ वि ोश रूप से ध्यान देकर उसकी सफाई करवायी जाए, उसमें सभी भी ो लगवाएं जाएं। यह इतनी बड़ी बिल्डिंग है कि जब रिवाड़ी जिला बना था। लेकिन बाद में वे सारे बिल्डिंग को ऐसे ही छोड़कर चले गए। उन्होंने उस तरफ ध्यान ही नहीं दिया इसलिए मेरा अनुरोध है कि इसकी तरफ भी ध्यान दिया जाए। मेरे हल्के में कई गांव ऐसे हैं जैसे मामड़िया गांव है जहां पर पानी खारा है। रणदीप सिंह सुरजेवाला जी इस विभाग के मंत्री हैं इन्होंने हमें काफी सहयोग भी दिया है लेकिन आज भी पानी की वहां पर दिक्कत है। इसी तरह से और भी कई गांव हैं जैसे नांदापलवाड़ी है वहां पर भी पानी की दिक्कत है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करती हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री महेन्द्र सिंह प्रताप सिंह (मेवला महाराजपुर) : अध्यक्ष महोदय, सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री जी के दूरद र्ी नेतृत्व में हरियाणा के माननीय वित्त मंत्री जी ने अपना चौथा बजट पे ा

किया है। कई रोज से यहां पर इस बजट पर चर्चा हो रही है। अध्यक्ष महोदय, जो बजट है वह किसी भी राज्य या राश्ट्र के विकास की तस्वीर होता है, आईना होता है एक ऐसा दस्तावेज होता है जिससे अंदाजा लगाया जाता है कि विकास की दृश्टि से प्रदे ा की स्थिति क्या है। अध्यक्ष महोदय, अगर हम इसकी अच्छी तरह से समीक्षा करें तो विपक्ष के साथियों ने दोनों डाक्टर्ज ने ये जिक्र किया कि बजट में कोई वि ोश बात नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले सालों की तुलना करें तो बिजली में, सिंचाई में और अन्य मदों में बजट का अनुपात घटा है। अध्यक्ष महोदय का काम सिर्फ यही नहीं होना चाहिए कि सिर्फ आलोचना ही करनी है। ऐसा कहना कि बजट नीरस है, बजट अच्छा नहीं है, यह बात उचित नहीं है। बजट की विपक्ष को भी गहराई से समीक्षा करनी चाहिए। उनको इस बात का ध्यान अव य करना चाहिए कि जब सरकार छोड़ी थी तो उस समय 2000 करोड़ भी नहीं, मात्र 2000 करोड़ रुपये से भी कम का बजट था। आज जो बजट है वह निरंतर तीन वर्शों में लगभग तीन गुना बढ़ा है। इसका भी अंदाजा लगाना चाहिए। इसे या तो नेतृत्व की बुद्धिमता कहें या क्या कहें कि संतुलित ढंग से हर मद में पैसा बांटने का प्रयास किया गया है कि किस विभाग को कितनी कहां आव यकता है? इन सब बातों का इस बजट में ध्यान रखने का प्रयास किया गया है। इस बात का भी विपक्ष को चिंतन करना चाहिए। यह बात निसंदेह काबिले तारीफ है। पुराने समय में वार्शिक योजना में 100 या हद से हद 200 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ करता था। किसी प्रदे ा

के बजट की सेहत वित्तीय प्रबंधन और संसाधनों के दोहन से लगाई जाती है और इसका पूरा ध्यान इस बजट में रखा गया है और इसके लिए मुख्यमंत्री महोदय और वित्त मंत्री महोदय प्र ांसा और बधाई के पात्र हैं। यह बजट आज हरियाणा में ही नहीं बल्कि दे ा में भी आद र्ा है। पंजाब प्रान्त हमसे बड़ा है, हिस्से में भी बड़ा है। पंजाब की स्थिति हर तुलना में पिछले वर्शों में हमसे आगे रही है लेकिन अब जैसा मैंने अखबारों में पढ़ा है, आपने भी पढ़ा है, आपने भी पढ़ा होगा अगर मैं गलत नहीं हूं तो मैंने पंजाब का बजट 2010 करोड़ रुपये का पढ़ा था। हरियाणा के लिए इससे बड़ी तारीफ की बात हो नहीं सकती। वैसे तो हमारे बी.जे.पी. के साथी माननीय गौत्म साहब फिराखदिल व्यक्ति है। उन्होंने भी एक तरीके से बजट का अनुमोदन किया है और बजट की प्र ांसा की है। दूसरी पार्टी से होते हुए भी उन्होंने प्र ांसा की है तो इससे आगे बजट के बारे में कुछ कहने की गुंजाई ा रह ही नहीं जाती है। किसी भी राज्य का वित्तीय प्रबंधन और संसाधन दोनों ही बराबरी पर हैं और संतुलित हैं तो फिर प्रदे ा के विकास के मामले में सर्वश्रेश्ठ होने में कोई संदेह नहीं रह जाता। जो प्राप्तियां हैं वह यदि 2003 से लेकर 2007 और 2008 तक देखी जाएं तो प्लान और नॉन प्लान में वह 10 हजार से लेकर पिछले 4–5 वर्शों में डबल हुई हैं। ऋण के जो उस समय हालात थे, वह आज तकरीबन 80–86 करोड़ रुपये रह गए हैं जो कि सैंकड़ों हजारों करोड़ में थे। इससे ज्यादा प्र ांसा के लायक कोई बात हो नहीं सकती। आज जो राजस्व प्राप्तियां हैं वह वर्श 2007 के

19629.32 करोड़ हो गई है। इसलिए इस बजट का वास्तविक रुप से दूर दृश्टिपूर्ण, एक संतुलित और एक विकास ील बजट कहा जाये तो कोई अति योक्ति नहीं होगी। इसलिए मैं कहूंगा कि यह बजट विकास ील बजट है। इस बजट से मालूम होता है कि वह दिन दूर नहीं जो संकल्प माननीय मुख्यमंत्री जी ने प्रदे ा को सर्वोच्च स्थान पर लाने का है वह भाायद एक आध साल में जरूर प्राप्त हो जायेगा। अध्यक्ष महोदय, सरकार को बने हुए तकरीबन तीन साल हो गये हैं। भाायद यह वायदा कांग्रेस पार्टी ने भी नहीं किया था। कांग्रेस पार्टी का इतिहास है कि जब भी कांग्रेस पार्टी सत्ता में आती है वह जनता के वि वास पर खरी उतरती है। जनता को वि वास है कि कांग्रेस पार्टी ही दे ा को सुरक्षित रख सकती है। कांग्रेस पार्टी ही दे ा और प्रदे ा को संभाल सकती है। इन तीनों वर्शों में सरकार बनने के बाद आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। जिसके लिए सत्ता पक्ष ही नहीं बल्कि विपक्ष के समझदार सदस्य प्र ांसा करते हैं। अध्यक्ष महोदय, 1600 करोड़ रुपये के बिजली के बिल इस सरकार ने माफ किए हैं। जिनके नीचे किसान दब गये थे, मर गये थे उन बिजली के बिलों को माननीय मुख्यमंत्री जी ने एक कलम से माफ किया। 100–100 गज के प्लॉट गरीब वर्ग के लिए आने एस.सीज. भाईयों के लिए देकर ऐतिहासिक फैसला लिया जिसकी ऐसी कोई मिसाल कहीं और नहीं है। भाहर और गांवों में गृह कर माफ करना आज तक मेरे ख्याल में दे ा में ऐसी कोई मिसाल नहीं है। मेरे ख्याल से संसाधन टैक्स जो उन्हें भाहरों और गांवों के लिए

खर्च होते हैं खत्म करके एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। जिसकी जितनी भी तारीफ की जाए वह कम है। अध्यक्ष महोदय, अब मैं बजट की अलग–अलग मदों के बारे में जिक्र करना चाहूंगा अगर आप मुझे दस मिनट का समय और देंगे तो।

श्री अध्यक्ष : महेन्द्र प्रताप जी, आपने 11.24 बजे बोलना भाुरू किया था और आपका समय 11.34 बजे तक है। Repeatedly if I say the same thing agin and again. there is no meaning at all. आप जैसे सीनियर मैम्बर को तो कहने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। दूसरे माननीय सदस्य भी बैठे हैं। 12–13 मैम्बर्ज बोलने बाकी है और आज डिसक ान का लास्ट डे है। It is my moral duty to give an opportunity to every Member.

श्री अध्यक्ष : अध्यक्ष महोदय, अब मैं सिंचाई के बारे में कहना चाहता हूं। पहली बार हरियाणा प्रदे ा में सिंचाई का पानी का समान बंटवारा हुआ है ताकि प्रदे ा में अधिक से अधिकर नहरी पानी अंतिम छोर तक पहुंच जाये। यह काबिले तारीफ है। इसके बारे में मैं एक बात कहना चाहूंगा कि जहां तक पानी के समान बंटवारे की बात है, समान बंटवारे के लिहाज से जो फरीदाबाद की स्थिति है वह यह है हमारे यमुना, आगरा कैनाल और गुड़गांव कैनाल से जो फरीदाबाद को पानी मिलता था पहले एग्रीमेंट के मुताबिक वह दो हिस्से हुआ करता था। लेकिन आज स्थिति यह है कि हमें केवल 200 क्यूसिक से ज्यादा पानी नहीं मिलता है।

श्री अध्यक्ष : महेन्द्र प्रताप सिंह जी इस बारे में सदन में नॉन आफि ियल रेजोलू ान पर पहले ही चार घण्टे की डिसक ान हो चुकी है। बार–बार एक ही बात को रिपीट करना ठीक नहीं है।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, भायद इसका समाधान संभव न हो। लेकिन दूरगामी स्टैप्स अगर हम लें तो जिन एरियाजा में पानी की कमी है वह मेवात का इलाका है, महेन्द्र का इलाका है। मेवात का इलाका तो पहाड़ के नजदीक है जहां पानी की कमी है। इस बारे में सरकार अपने प्रयास कर रही है लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है जैसा कि अभी राजस्थान का जिक आया था वहां इन छोटे–छोटे डैम्ज की संख्या बढ़ा दी गई है। बरसाती पानी के सदुपयोग के लिए क्या सरकार कोई ऐसी स्कीम बना रही है जिससे उस एरिया खास तौर से पहला का तलहटी में पानी इकट्ठा हो जाए और वहां की जमीन की रिचार्जिंग भी हो जाए और उस एरिया को पानी भी दिया जा सके? जो यमुनान का पानी है इसके लिए पलवल में, हसनुपर में या कहीं भी चैक डैम्स बनाए जाएं ताकि फालतू पानी का इस्तेमाल किया जा सके और समस्या का समाधान पूरी तरह से हो सके। अध्यक्ष महोदय, अब मैं, ग्राम उत्थान के विशय में कुछ कहना चाहूंगा। ग्रामीण प्राधिकरण बनाया गया है। उसने काम करना भुरू किया है या नहीं इस बारे में मुझे नहीं पता लेकिन मैं एक बात कहना चाहूंगा कि गांव वालों का भाहरों की तरफ इसलिए अट्रैक ान है कि भाहर में सुविधाएं

है, एजुके ान है, इसलिए वे गांव छोड़कर भाहर की तरफ भागते है। मेरा सुझाव है और मैंने पहल भी एक आध बार यह सुझाव दिया है कि उन गांवों का वि ोशकर जो भाहर के नजदीक हैं और जो गांव भाहर से दूर भी हैं, जिनकी आबादी 10 हजार की है उन गांवों को कालोनियों के रूप में, ऐसी संस्थाओं के रूप में डिवैल्प किया जाए कि वहां के लोगों को सभी सुविधाएं मिल जाएं। भाहरों की तरफ बढ़ाव होने की वजह से भाहरों की आबादी बहुत ज्यादा बढ़ गई और पोल्यू ान, ट्रैफिक और क्राइम जैसी समस्याएं बहुत ज्यादा पैदा हो रही है। भाहरी विकास के लिए सरकार ने कमेटीज को 240 करोड़ रुपया दिया है। फरीदाबाद के जिए जवाहर लाल नेहरू राश्ट्रीय भाहरी नवीनकरण मि ान के अंतर्गत कहना चाहूंगा। वैसे तो इस बारे में मैंने सवाल भी किया था। फरीदाबाद और आस पास के भाहरों को इस योजना में इसलिए लिया गया है क्योंकि इन स्थिति दिल्ली के नजदीक होने के कारण काफी खराब हो रही है और बहुत बदतर होती जा रही है। सैंट्रल गवर्नमैंट भी इसके नवीकरण के लिए पैसा दे रही है और स्टेट भी इसमें भाामिल हो रही है। इन 3 वर्शों में काम भी किये गए हैं इसमें कोई संदेह नहीं है। इसके लिए सीवरेज, पानी की व्यवस्था, सड़कें आदि डिवैल्पमैंट के काम भाुरू हुए हैं, लेकिन हमें इन कामों की तरफ ध्यान देना होगा नहीं तो सरकार का विकास वहीं का वहीं रूक जाएगा। बल्लभगढ़, एन.आर.टी. ओर मेवला महाराजपुर की आबादी बहुत ज्यादा है और इन भाहरों में सबसे बड़ी प्रॉब्लम अनअथोराइज्ड कालोनियों की है। इन

अनअथोराईज्ड कालोनियों की आबाद अथोराइज्ड कालोनियों की आबादी से दो गुना है। अगर हम इन अनअथोराइज्ड कालोनियों को पास करके डिवैल्प नहीं करेंगे तो इस नवीकरण की स्कीम का कोई फायदा नहीं मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, झुग्गी–झोंपड़ियों की संख्या 30 हजार से ज्यादा है इसलिए हमें उनके लिए समग्र रूप में एक इकट्ठी योजना तुरन्त बनानी होगी। हाऊसिंग बोर्ड और जो दूसरी एजैन्सियां हैं वे वन–रूम सैट बनाकर उन झुग्गी झोपड़ी वालों को इसमें ि ाफ्ट कर दें क्योंकि वे लोग इसके लिए पैसा भी देने के लिए तैयार हैं। इससे फरीदाबाद की सूरत और सीरत दोनों बढ़िया हो जाएंगी। मैं गुजारि ा करना चाहूंगा कि सरकार की नीयत भी ठीक है, नीति भी ठीक है और नेतृत्व भी ठीक है तथा किसी बात की कोई कमी नहीं है। पहली बार यह महसूस किया जा रहा है कि 3 सालों का बजट इतना अधिक बढ़ा है तथा विकास का पहिया तेजी से घूम रहा है इसमें कोई संदेह नही हैं लेकिन जरूरत इस ओर ध्यान देने की है कि जो कुछ भी दे रहे हैं, जितनी भी योजनाओं पर हम पैसा खर्च कर रहे हैं वह सही सलामत रूप से लगे और ठीक जगह तक पैसा पहुंचे। यह मिसाल मैं इसलिए दे रहा हूं क्योंकि पिछली बार इसी हाऊस में हमने मुलाना जी से और सरकार से कहा था कि खेड़ी कलां में डाइट की बिल्डिंग बहुत समय से बनी पड़ी है। इसको भाुरू करवा दें तो उन्होंने यह कहा था कि इस सै ान में हम इसको भाुरू करवा देंगे लेकिन अध्यक्ष महोदय, बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि वह डाइट की बिल्डिंग आज एक साल के बाद भी ऐसे ही

खाली पडी है। मांगेराम जी बैठे हैं आज इनके पास ये डिपार्टमैंट है मैं इनको बताना चाहूंगा कि मुख्यमंत्री महोदय ने दो वर्श पहले ऐलान किया था कि इस डाइट की बिल्डिंग में वोके ानल एजूके ान तुरन्त भाुरू की जाए। उनकी काम करने की चाह है, उनकी नीयत है इसलिए उन्होंने यह आदे ा दिया था। लेकिन आज भी खेड़ी कलां की वह डाइट की बिल्डिंग खाली पड़ी है, पिछले सै ान में कहा गया था कि इसको चालू कर देंगे लेकिन वह अभी तक भाुरू नहीं हुई है। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि जो सरकार की छवि पर बुरा असर डालती हैं और इस बात का फायदा उठाकर विपक्ष के लोग सरकार की छवि को खराब करते है। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि जो सरकार की योजनाएं है, वह अगर पूरी न हों तो वे सरकार की छवि पर बुरा असर डालती हैं और इस बात का फायदा उठाकर विपक्ष के लोगों सरकार की छवि को खराब करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बजट की हिमायत करते हुए अपील करता हूं कि पूरा सदन सर्वसम्मति से इस बजट को पास करें। धन्यवाद।

श्रीमति अनीता यादव (साल्हावास) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूं और आ ाा करती हूं कि आप मुझे बोलने के लिए 20 मिनट का समय देंगे। पिछली सरकार के समय में, मैं अकेली अपनी पार्टी की महिला विधायक थी लेकिन मुझे सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया जाता था। अध्यक्ष महोदय,

मैं बजट के समर्थन में बोलने के लिए खड़ी हुई हूं। मैं बजट पर चर्चा करूं उससे पहले एक बात कहना चाहूंगी कि एक बार एक नम्बरदार और किसान दोनों तहसीलदार के पास गये। नम्बरदार ने तहसीलदार को कहा कि तहसीलदार साहब किसान का लोन पास कर दो। नम्बरदार किसान की अप्रोच करने के लिए उसके साथ गया था। तहसीलदार ने नम्बरदार से पूछा कि नम्बरदार तू बता किसान का लोन पास करूं या न करूं। नम्बरदार ने तहसीलदार को कहा कि किसान के पास कोठी है, गाड़ी है और सबकुछ है। इस पर तहसीलदार ने कहा कि यदि किसान के पास सबकुछ है तो इसको किस बात का लोन मिलेगा। बाहर आकर किसान ने नम्बरदार से कहा कि भाई तू मेरी अप्रोच करने के लिए गया था या तू मेरा दु मन है जो मरो लोन पास नहीं होने दिया। इस पर नम्बरदार ने किसान को कहा कि कोई बात नहीं तीन–चार दिन बाद दोबारा तहसीलदार के पास चलेंगे। तीन दिन बाद दोनों फिर से तहसीलदार के पास चले गय। तहसीलदार ने उसने पूछा कि बताओं किस काम से आये हो। नम्बरदार ने कहा कि लोन पास करवाने आये हैं। तहसीलदार ने नम्बरदार को कहा कि तीन दिन पहले तो किसान के पास कोठी, गाड़ी और सबकुछ था आज क्या हो गया? इस पर नम्बरदार ने कहा कि साहब तीन दिन में ऐसी मार पड़ी जो कभी नहीं पड़ी थी और सब कुछ मलियामेट हो गया। अध्यक्ष महोदय, ऐसा ही हाल चौटाला जी की सरकर के समय में लोगों का हुआ करता था कि तीन दिन में ही लोगों का सबकुछ लुट जाता था। जिस समय चौटाला जी मुख्यमंत्री हुआ

करते थे उस समय उनका बेटा कहना था कि जो विधायक उनकी भारण में नहीं आयेगा उसको वे कूटेंगे। जो छोड़ गये वे तो ठीक रहे लेकिन जो उनके साथ रहे तो आज भी चुपचाप बैठे हैं। उस समय ओमप्रकाश चोआला जी कहा करते थे कि जब तक जीऊंगा तब तक मुख्यमंत्री रहूंगा लेकिन हमारे मुख्यमंत्री इस तरह की गलत बातें नहीं करते। अध्यक्ष महोदय, अब मैं बजट की बात करना चहूंगी कि हमारे मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हामरे वित्त मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने बहुत अच्छा बजट प्रदे ा की जनता को दिया है। इस बजट से प्रदे ा आगे की तरफ जायेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं बिजली के बारे में बात करना चाहूंगी कि हमारे मुख्यमंत्री जी ने किसी से वायदा नहीं किया था कि वे किसानों के 1600 करोड़ रुपये की बिजली के बिल माफ करेंगे लेकिन उन्होंने सरकर बनते ही एक कलम से बहुत बड़ी राहत प्रदान की ह। 1600 करोड़ रुपये बोलने में आसन लगता है लेकिन इस जिम्मे को उठाना बहुत बड़ी बात थी। जिसको हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने प्रदे ा के किसानों के हित में उठाया है। इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय को बधाई देती हूं और मुख्यमंत्री जी की भाख्सियत में एक लाईन करना चहूंगी कि–

धीरें–धीरें रे मना, धीरे–धीरे रे मना, धीरे सबकुछ होय,

माली सींचे बाग तो रुत आए फल होय।

अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार ने हमें प्रदे ा में बड़ी गली–सड़ी व्यवस्था बिजली की दी थी लेकिन हमारे मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने प्रदे ा में बिजली प्लांट लगाने की तरफ वि ोश ध्यान दिया है और हमारे वित्त मंत्री महोदय ने भी इसके लिए पूरा पैसा मुहैया करवाया है। हमारी झाड़ली में 1500 मैगावाट बिजली मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री श्री ओमप्रका ा चौटाला के समय में प्रदे ा में बिजली उत्पादन की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया। चौटाला जी की सरकार नहीं बनी थी तो उस समय वे लोगों को कहा करते थे कि तुम बिजली के बिल मत भरो, हमारी सरकार आयेगी तब न मीटर होगा और न ही मीटर रीडर होगा। उसके बाद उनकी सरकार भी बनी लेकिन उन्होंने किसानों के लिए कुछ नहीं किया। अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री जी के कु ाल नेतृत्व के कारण जहां हमें 750 मैगावाट बिजली अपने ही प्रदे ा में झाड़ली के थर्मल पॉवर प्लांट से मिलेगी वहीं मेरे हल्के के मातनहेल गांव गांव में भी 1320 मैगावाट के थर्मल पॉवर प्लांट लगाने की सरकर की योजना है। इसके अतिरिक्त प्रदे ा के लोगों को राजीव गांधी ग्रामीण विद्युत योजना के तहत 232731 कनैक ान दिए जायेंगे और हमारी सरकार की 2 अक्तूबर, 2006 से एक स्कीम चल रही है जिसके तहत गरीब लोगों को दो सी.एफ.एल. बल्ब मुफ्त दिए जा रहे है, जो कम बिजली खाते हैं। अध्यक्ष महोदय, इस तरह के साहसिक कदम उठाकर हमारे मुख्यमंत्री महोदय द्वारा प्रदे ा के लोगों को बिजली मुहैया करवाने की कोि ा ा की जा रही है। अध्यक्ष महोदय, अब मैं

ि ाक्षा के बारे में कहना चाहूंगी। मेवात के बारे में मेरे भाई जिक कर रहे थे कि मेवात की तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मैं मेरे साथी को बताना चाहूंगी कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी जब भी फूड प्रोसैसिंग की बात करते हैं या कोई और बात होती है तो वे मेवात क्षेत्र को चुनते हैं ताकि वहां पर ि ाक्षा को बढ़ावा मिल सके। इसके अलावा सर्व ि ाक्षा अभियान के तहत कितना पैसा मेवात में आता है, इस बारे में आप सभी जानते हैं। ि ाक्षा के विस्तार के बारे में मैं इतना ही कहना चाहती हूं कि माननीय मुख्यमंत्री ज के पुत्र माननीय दीपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की एक सोच है। वह बाहर से पढ़कर आये हैं और बाहर सर्विस करके आये हैं। प्रदे ा में इससे पहले ि ाक्षा की स्थिति जो थी, वह गली सड़ी व्यवस्था चौटाला जी की गवर्नमैंट ने दी थी। आप जानते है कि चौटाला साहब खुद तथा उनके बेटे अण्डर मैट्रिक हैं। उन्होंने हूज हू में अपने आपकों बी.ए. तक ि ाक्षित दिखाया हुआ है। उनसे मैं कहना चाहूंगी कि पढ़ाई और भाालीनता के मामले में अगर कुछ देखना है तो उन्हें माननीय मुख्यमंत्री जी के बेटे चौधरी दीपेन्द्र सिंह हुड्डा से ि ाक्षा लेनी चाहिए। उन्होंने जगह–जगह पर जाकर खुद ि ाक्षा का विस्तार किया। वे सोच रहे हैं कि किस प्रकार से हमारे भाई–बहन और हमारे बच्चे अच्छी ि ाक्षा ग्रहण कर सकें। तो माननीय दीपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने जगह–जगह पर स्वयं जाकर इस प्रकार के प्रोग्राम बनवाये जिससे ि ाक्षा का चहुंमुखी विकास हो सके। इसके अतिरिक्त मैं आपकों यह भी बताना चहूंगी कि पिछले 2007–08 के बजट में ि ाक्षा के लिए 290 करोड़ रुपये का

प्रावधान किया गया था जो कि इस बार 2008–09 के बजट में बढ़ाकर 540 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसी प्रकार से कुण्डली (सोनीपत) में राजीव गांधी एजूके ान सिटी और मुरथल में भगत फूल सिंह महिला वि वविद्यालय की स्थापना की है। इसके साथ ही राजीव गांधी छात्रवृति योजना के तहत पिछले वर्श के बजट में सरकारी स्कूलों की छात्राओं के लिए जो 50 हजार रुपये का प्रावधान किया गया था उसे इस बार बढ़ाकर एक लाख किया गया है। इसलिए चौटाला साहब ही पार्टी के सदस्यों को वि ोशतौर से जो अनपढ़ों जैसी बातें करते हैं कि इस सरकार ने मेवात की भलाई पर कोई ध्यान नहीं दिया उनको मैं यह बताना चाहूंगी कि प्रत्येक जिले में चाहे वह मेवात का जिला हो, चाहे पंचकूला का जिला हो या और कोई दूसरा जिला हो प्रत्येक जिले में एक मॉडल संस्कृति स्कूल हमारी सरकार ने खोला है और सर्व ि ाक्षा अभियान के तहत 6–14 वर्श की लड़कियों के लिए छात्रवृति का प्रावधन करके इस मद के लिए एक लाख रुपये की रा ि ा बजट में रखी गई है। इसी प्रकार से एक लाख रुपये का पुरस्कार उन ग्राम पंचायतों को भी दिया जायेगा जो ज्यादा से ज्यादा छात्रों को उसमें दाखिल करवायेंगी और मेवात में छात्रों की वर्दी, खाना, कापी–किताबें, बस्ता, पैंसिलें सभी कुछ निः ाुल्क दिया जा रहा है। इसके बाद भी अगर वहां बच्चे नहीं पढ़ते है तो इसके लिए अभिभावकों को भी उनकी तरफ ध्यान देना चाहिए न कि वे उस लाइन पर चलें जो लाईन चौटाला जी ने खींची थी। इसी तरह से वह खानदारी रिवाज जो चौटाला जी के रिवाज थे

अनपढ़ता और कूरता के उनसे इनको बचना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को बताना चहूंगी कि पिछली सरकार के दौरान विधानसभा सै ान में किस प्रकार की घटिया मिसालें पे ा की जाती थी? किस प्रकार का घटिया व्यववहार विपक्षी सदस्यों के साथ किया जाता था और किस प्रकार के भद्दे इ ाारे करके विपक्षी सदस्यों को बोलने से रोका जाता था। इसके साथ ही बहुत से सदस्य ऐसे भी थे जो भाराब पीकर सदन में आते थे और कुछ तो रात को इतनी भाराब पी लेते थे कि सुबह तक भी उनका न ाा ढीला नहीं पड़ता था। कुल मिलाकर उन्होंने यहां पर अनपढ़ टोला इकट्ठा किया हुआ था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यमसे माननीय वित्त मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगी कि ये जो भाराब के ठेकों के आबंटन की प्रकिया चल रही है इसमें वे चोर और बदमा ा लोगों को ठेका न देकर भारीफ और बढ़िया लोगों को ठेके दें। इसके साथ–साथ मैं सिंचाई के विशय में भी कहना चाहती हूं क्योंकि यह भी मेवात इलाके से जुड़ा हुआ मुद्दा है और हमारी एक साथी है जो कि मेवात से हैं, उनको मैं वि ोशतौर पर अर्ज करना चाहती हूं कि आप अपनी ये बिना मतलब की बातें छोड़कर हमारी बात सुनो और हमारे समर्थन में माननीय मुख्यमंत्री जी की सराहना करों तब जाकर आपकी बात बनेगी। अब मैं कानून व्यवस्था के बारे में बात करना चाहती हूं। पिछली सरकार के समय में जब रैलियां होती थी तो तीन दिन पहले ही प्राइवेट बसों और जीपों की आर.सी. जमा करवा ली जाती थी और बसों और जीपों को जब्त कर लिया

जाता था। रैली के तीन दिन बाद ही उनके कागज वापिस किये जाते थे। लेकिन अभी हाल ही में केन्द्र सरकार द्वारा किसानों के 60 करोड़ रुपये के कर्जे माफी के लिए माननीय सोनिया गांधी जी का धन्यवाद करने के लिए की गई रैली में हिस्सा लेने के लिए हम दिल्ली के रामलीला ग्राऊंड में गये थे। आज कोई भी जीप वाला भाई या बस वाला भाई यह बता दे कि हमारी आर.सी. या गाड़ी जब्त की गई हो। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार के तीन साल के कार्यकाल में प्रदे ा में आज हर तरफ अमन चैन है। ये साथी मेवात की बात कर रहे थे। इनको तो फक्र होना चहिए कि दे ा की पहली मोबाइल कोर्ट मेवात के पुन्हाना में भाुरू की गई है। इस ऐतिहासिक फैसले के लिए इनको तो मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहिए। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने जो भय मुक्त प्र ाासन देने का वायदा किया था वे उस पर खरे उतरे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि या तो गुण्डे प्रदे ा को छोड़ कर भाग जायेंगे या जेल में होंगे बाकि उनके लिए हरियाणा में कोई जगह नहीं है। आज हम खुली हवा में सांस ले सकते हैं, आजादी से घूम सकते हैं। यह सब अमन चैन हुड्डा साहब के आ ाीर्वाद से हुआ है। पिछली सरकार के मुख्यमंत्री चौटाला जी जब किसी के घर खाने या चायपान पर जाते थे तो वहां पर भी जाड़ बजाई के नाम पर पैसे लेते थे, वे तो किसी के घर अगर चाय पीने भी जाते थे तो भी कहते थे कि तेरे घर चाय पीने आ रहा हूं कौन सी गाड़ी की चाबी दोगे।

श्री अध्यक्ष : अनिता जी जाड़ बजाई से आपका क्या मतलब है?

श्रीमती अनीता यादव : अध्यक्ष महोदय, जाड़ बजाई से मेरा तात्पर्य दांत घिसाई से है। चौटाला जी कहते थे कि मैं आपके घर खाना खाने आ रहा हूं मुझे कितने पैसे दोगे। किसी के घर पर खाना खाने या चाय पीने तो हमारे सांसस दीपेन्द्र ज भी जाते है। हमारे हल्के में कई जगह गये हैं लेकिन कोई एक आदमी भी बता दे कि उनसे पैसे लिए हों। अगर आप लोगों का इसी तरह से सहयोग और कॉर्डिने ान रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हम कह सकेंगे :–

हरा–भरा हरियाण सै यो, उन्नत ील बनाना सै यो,

काम करांगे चालो खेत में, सोना निपजैगा बालू रेत में।

इसी प्रकार से मैं सिंचाई के बारे में वि ोश रूप से एक बात चाहूंगी। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चहूंगी कि उन्होंने मेरे बड़े भाई कैप्टन अजय सिंह यादव को सिंचाई मंत्री बनाया। जिन्होंने पानी का समान बटवारा करने की कोि ा ा की है। चौटाला जी ने पहले कुछ नहीं किया। वे पेड़ काट देते थे और रोड जाम कर देते थे। पहले मुख्यमंत्री चौटाला जी तो केवल ढ़ाई जिलों को पानी देते थे लेकिन हमारे मुख्यमंत्री माननीय हुड्डा साहब का कहना है कि अगर एक रोटी होगी तो

उसके हिस्से करके सभी को बराबर बांट देंगे, अकेले नहीं खायेंगे। उसी बात को बुलन्द करते हुए उन्होंने एक बात कही थी :

खुदी को कर बुलन्द इतना कि हर तकदीर से पहले,

खुदा बन्दे से खुद पूछे, बता तेरी रजा क्या है।

बी.एम.एल. हांसी–बुटाना लिंक नहर का निर्माण कार्य जोरों पर है और जल्दी ही वह पूरा हो जायेगा। जिससे 16 जिलों को पानी मिलेगा। लेकिन हमारे विपक्ष के साथ कहते है कि हम इस नहर को बनने नहीं देंगे और अगर यह बन गई तो हम इसको आंट देंगे। हमारे ये साीी कह रहे थे कि मेवात के लिए कुछ काम नहीं हुए है। मेवात के लिए जो नहर बन रही ळै उस पर 267 करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे है। माननीय वित्त मंत्री जी यहां बैठे हैं, इन्होंने बड़ी फिराखदिली से मेवात के लिए काम किया है। इनको तो सोचना चाहिए कि इनकी बिना पानी की जमीनों के रेट आज बहुत ज्यादा हो गये है। पहले इनकी जमीन 2 लाख रुपय तो क्या 20–20 हजार रुपये प्रति एकड़ में खुले बिकती थी और जब से मुख्यमंद्धी चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार आई है तो एक–एक आदमी करोड़पति बन गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं प्रैक्टिकल बता कह रही हूं। जो लोग हरे रंग की पगड़ी बांध कर घूमते थे उनहोंने वह पगड़ी फाड़ फैंकी और वे कहते हैं कि हमें तो चौटाला ने लूट खाया था। हम तो अब करोड़पति बन गये हैं। आज हमारे पास गाड़ियां हैं और चारों तरफ अमन चैन कायम है।

इसी कारण आज उन लोगों ने चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का समर्थन किया है। उनकी जमीनें बिक रही हैं। हमारे क्षेत्र में जो कोसली सब स्टे ान है वहां की जमीन सवा करोड़ रुपये प्रति एकड़ में बिकी है जबकि वहां पर 7–8 लख रुपये प्रति एकड़ का रेट था। माननीय स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूं। वैसे तो 2–4 टॉपिक और थे जिन पर मैं बोलना चाहती थी। माननीय वित्तमंत्री जी ने सदन में जो बजट पे ा किया है उसके लिए मैं उनको बधाई देना चाहती हूं कि उन्होंने इतना अच्छा बजट पे ा किया है और अपने बजट में सभी वर्गों का ध्यान रखा है। आपका धन्यवाद करते हुए मैं अपना स्थान ग्रहण करती हूं। जयहिन्द।

श्री हर्श कुमार (हथीन) : अध्यक्ष महोदय, 18 तारीख को माननीय वित्त मंत्री जी ने जो बजट अनुमान सदन में पे ा किये हैं मैं उनकी सराहना करता हूं और उनको मुबारकवाद देता हूं। जिस तरह से बजट अनुमानों में प्राथमिकताएं द ार्ाई गई है उनसे यही लगता है कि आदरणीय मुख्यमंत्री और वित्तमंत्री जी ने इस प्रदे ा की तरक्की के लिए प्रदे ा की खु ाहाली के लिए प्रदे ा को आगे बढ़ाने के लिए जो लक्ष्य रखा है उस लक्ष्य रखा है उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वे बहुत ही प्रयत्न ील हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जिस दिन उनका यह मकसद पूरा होगा, उस दिन हरियाणा प्रदे ा दुनिया के आधुनिकतम भाहर के तौर पर पहचाना

जाएगा। और अपने अलग पहचान बनाते हुए आगे बढ़ेगा उसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, अपने मुझे बोलने के लिए थोड़ा समय दिया है इसलिए मैं अपनी बात को छोटा करने की कोि ा ा करुंगा। बजट में गरीब व दलित लोगों के लिए सरकार ने जो प्रावधान रखे हैं वे सराहनीय हैं। बहुत से लोग आज जाट और गैर जाट की राजनीति करने में लगे हुए है। जिस तरह से कुछ लोग जातिवाद के नाम पर नफरत फैला कर दे ा, प्रदे ा और समाज को तोड़ने की कोि ा ाों में लगे हुए हैं इस सरकार ने उन कोि ा ाों पर विराम लगा कर उन सब कोि ा ाों पर पानी फेरते हुए उन्हें नाकाम किया है। माननीय वित्त मंत्री जी ने अपने बजट में प्रदे ा के हर वर्ग को बराबर ध्यान रख है। सरकार ने गरीब, मजदूर, किसान, व्यापार, इण्डस्ट्रियलिस्ट का जिस तरह से ध्यान रखा है उससे आज दे ा को एक नई दि ाा मिली है। चाहे कोई किसी भी पार्टी का सदस्य है उनको इस बात का सीख लेनी चाहिए कि उन्होंने अपने राज में जो कारनामें किए, जो गलतियां की हैं उनके लिए प चापात करें और इस नई पहल से सीख लेकर अपने आपकों इस नये परिवे ा में ढालने की कोि ा ा करें। उसे नये परिवे ा के अनुसार अपने प्रदे ा की, अपने दे ा की सेवा करने में लगें। स्पीकर सर, ि ाक्षा आज की तरक्की का आधार है, चाहे दे ा की तरक्की है और चाहे प्रदे ा की तरक्की है और चाहे किसी परिवार की तरक्की है वह ि ाक्षा के बिना नहीं हो सकती है। आज स्कूल अपग्रेड करके ि ाक्षकों और वैज्ञानिकों को जिस तरह से

सहूलियतें हमारी सरकार ने दी है उससे हमारी सरकार की ि ाक्षा के प्रति प्रतिबद्धता की झलक मिलती है। जिस तरह से स्कूलों को अपग्रेड किया है और वि वविद्यालयों में नई–नई तकनीकें ऐड करके उनकी नवीनकरण कर तरफ ध्यान दिया है उससे हमारा प्रदे ा बहुत ही तरक्की करेगा, आधुनिक दुनिया में अपनी एक अलग पहचन बनाएगा और यहां पर नौजवान आगे बढ़ेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का, सरकार का और माननीय वित्तमंत्री जी का आभार प्रकट करता हूं कि इस दि ाा में उन्होंने मेवात क्षेत्र का पूरा ध्यान रखा है। मेवात क्षेत्र के हर पोलिटैक्नीकल कालेज की सीटें दुगुनी की हैं, हर आई.टी.आई में सीटें दुगुनी की है और एक ऐसा असम्भव काम किया है जिसके बारे में कोई सोच नहीं सकता था। किसी के जेहन में ऐसी बात नहीं थी कि इस तरह के काम भी हो सकते हैं। स्पीरक सर, उटावड़ पोलिटैक्नीकल कालेज में सीटों की संख्या डबल कर दी गई है। जिसमें से 50 प्रति ात सीट्स मेवात जिले मे लिए रिजर्व रखी गई है और 10 प्रति ात उटावड़ के लिए रिजर्व रखी है, जिनकी पंचायत ने वहां पर जमीन दी थी। मुख्यमंत्री जी ने जो वहां के लोगों को आगे बढ़ाने के लिए कार्य ौली अपनाई है उसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, बिजली के लिए जिस तरह से इन्होंने उत्पादन का लक्ष्य रखा है और जब यह सरकार उस लक्ष्य को प्राप्त कर लेगी तो हरियाणा में तरक्की की एक नई क्रान्ति सी आ जाएगी। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने किसानों के जो बिल माफ करने का कार्य किया है उसे लिए भी

मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। इसी तरह से किसानों के टयूबवैल्ज के लिए जो कार्यप्रणाली लाए हैं उससे किसानों को बहुत फायदा होगा। पहले जो किसान रात को कीड़े–मकौड़ों से डरता हुआ काम करता था उसको अब डरने की जरूरत नहीं क्योंकि उनको पूरी बिजली मिलेगी। इसके लिए भी मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहूंगा कि हमारे हल्के में कई जगहों पर नहरें नहीं है, टयूबवैल्ज नहीं है और जहां पर है वहां पर खारा पानी है। हमारे बहुत से लोग वहां पर डीजल इंजनों से, ट्रैक्टरों से भराई करते है। उनके लिए भी सरकार किसी न किसी तरीके से प्रति एकड़ के हिसाब से बोनस देने का प्रावधान करें। अगर सरकार ऐसा करती है तो उन लोगों का बहुत एहसान होगा। अध्यक्ष महोदय, आज यह जो बिजली की तारें और कंडैक्टर्ज बदलने का काम किया जा हरा है यह बहुत ही सहरानीय कार्य है। अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री जी आज कहीं पर भी चले जाएं तो लोग दुआएं देते है। लेकिन जो पहले वाले मुख्यमंत्री थे और वे कहीं भी चले जाते थे लोग उनको बददुआएं ही दिया थे। हमारे मुख्यमंत्री जी को आज इतनी दुआएं मिलती है जो आग से पहले किसी भी मुख्यमंत्री जी को नहीं मिली होगी। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात को जल्दी खत्म करने की कोि ा ा करूंगा।

श्री अध्यक्ष : हर्श कुमार जी, आपके दो मिनट रह गए है। आपने 11.55 पर बोलना भाुरू किया था। आप जल्दी कन्कल्यूड करें।

श्री हर्श कुमार : अध्यक्ष महोदय, अगर आप कहेंगे तो मैं अभी खत्म कर दूंगा। अध्यक्ष महोदय, किसानों की जहां तक बात है तो मैं इस बारे में यह कहना चहूंगा कि अगर किसान खु ाहाल होगा तो मजदूर भी खु ाहाल होगा क्योंकि उसको उसकी मजदूरी मिलेगी। अगर किसान खु ाहाल होगा तो व्यापारी भी खु ा होगा क्योंकि उसको ग्राहक मिलते हैं। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने 1600 करोड़ रुपए के किसानों के बिजली ऋण माफ किए है, गेहूं पर 100 रुपए का बोनस दिया है और गन्ने के रेट भी बहुत अच्छे बढ़ाए है। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से जो कोआप्रेटिव सैक्टरों के ब्याज माफ करने का कार्य किया है वह अपने आप में एक मिसाल है। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात यहां पर यह भी कहना चाहूंगा कि पहले की सरकार के समय में स्टेट के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने किसानों के लिए बहुत अच्छा कार्य किया है और ऐसा करके इन्होंने एक रिकार्ड कायम किया है। पहली दफा किसी मुख्यमंत्री की सोच के अनुसार सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने काम किया है। जो 60 हजार करोड़ रुपये के कर्जे माफ किए हैं। यह हमारे मुख्यमंत्री जी की सोच और इसकी कार्य ौली के अनुसार ही सैंट्रल गवर्नमैंट ने माफ किए हैं। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद भी करता हूं और आभार प्रकट

करता हूं। इसके अलावा जो नये कृशि उपकरणों की खरीद पर 50 परसैंट की सब्सिडी सरकार ने दी है उसके लिए भी मैं इनको धन्यवाद देता हूं। अध्यक्ष महोदय, बजट में हर क्षेत्र में सहूलियते दी गई हैं चाहे पी.डब्ल्यू.डी हो, चाहे सिंचाई हो या चाहे ऐजूके ान हो, सारी चीजों पर सहूलियतें बजट में दी गई है। वाकई में यह बजट सराहनीय हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं बजट का समर्थन करता हूं और आ ाा करता हूं कि जिस तरह से वित्त मंत्री जी का यह चौथा बजट है तो यह सरकार, मुख्यमंत्री जी, वित्त मंत्री जी दसियों, बीसियों बजट हरियाणा के इस सदन में पे ा करते रहेंगे। मुझे ऐसी आ ाा है अैर मेरी उनकी भ्ाुभकामनाएं भी हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं दूसरी चीजें छोड़कर एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि अच्छे कामों को करने में बाधाएं आती हैं। सत्ता में होते हुए भी अच्छे नेताओं को अच्छे मुख्यमंत्रियों को अच्छा काम करने के लिए संघर्श करना पड़ता है। आज हमारे मुख्यमंत्री जी भी संघर्श से गुजर रहे हैं। यह संघर्श पिछली सरकार का दिया हुआ है। अध्यक्ष्य महोदय, पिछली सरकार ने सबसे ज्यादा योगदान करप ान में दिया है। इसमें कोई दो राय नहीं है, कोई ज्यादा बड़ी बात नहीं है। जिसकी जैसी नीयत होती है वह उसी के अनुसार काम करता हैं। मुख्यमंत्री जी की, वित्त मंत्री जी की और सरकार क जो नीयत है वह उसके अनुसार ही काम कर रहे है इसलिए आज इनकी नीयत की वाहवाही हो रही है। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकारों ने सिवाय नौकरियों के नाम पर पैसा लेने के और कुछ नहीं दिया। अध्यक्ष महोदय, आप

ताज्जूब मानेंगे कि कितने ही गरीब लोग ऐसे है जो दो, तीन, चार लाख रुपये नौकरियों के लिए देकर लूटे बैठे हैं। उनको आज तक न नौकरी मिली है और न ही पैसा वापस मिला है। वे धक्के खा रहे हैं। पिछली सरकार के दौरान कब्जे करना एक आम बात थी। अगर कोई अच्छा मकान देख लिया या कोई अच्छा प्लाट देख लिया तो वे उस पर कब्जा कर लिया करते थे। इसी तरह से उनके छोटे वर्कर्ज भी ऐसा ही करते थे जब उनसे कहते थे कि आप ऐसा क्यों कर रहे हो तो उनका कहना था कि हमारे मुख्यमंत्री जी बड़े–बड़े कब्जे कर रहे हैं तो क्या हम छोटे कब्जे भी न करें। लेकिन अध्यक्ष महोदय, आज हमारे मुख्यमंत्री जी की सलाह केन्द्र सरकार भी मानती है। इसलिए ही मैं कह रहा हूं कि आज अगर करप् ान कोई रोक सकता है तो हमारे मुख्यमंत्री जी ही रोक सकते हैं। आज न कोई नेता पैसा लेता है, न कहीं किसी का अपहरण हो सकता है, न डकैती हो सकती है और न रि वतबाजी हो सकती है। मान्यवार, जो सरकार का लेन–देन है वह कै ा में न होकर, चैक और ड्राफ्ट में हो सकता है। चाहे पांच रुपये हों या चाहे दस रुपये हों अगर आज हम सारे नोटों का प्रचलन खत्म कर दें तो इससे भी करप् ान को रोकने में दमद मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, दो रुपये, पांच रुपये, दस रुपये के सिक्के चला दिए जाएं और 100 रुपये, 500 रुपये, हजार रुपये के नोटों का प्रचलन बंद कर दिया जाए जाना चाहिए और सीधे बैंकों से ही लेन–देन भुरू किया जाना चाहिए। लोगों को केडिट कार्ड और डेबिट कार्ड बनवा दिए जाने चाहिएं। बड़े लोगों के तो ये बन रहे

हैं अगर इस पद्धति को छोटे लेवल पर भी लागू कर दिया तो मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि एक भी पढ़ा लिखा दे ा का नौजवान बेरोजगार नहीं मिलेगा क्योंकि उनकों बैंकों में नौकरियां मिल जाएंगी। उसके बाद कहीं डकैती नहीं होगी, कहीं राहजनी नहीं होगी, किसी को तिजोरी रखने की जरूरत नहीं होगी। नोटों के बंडल अगर बैंकों में ही होंगे तो यह स्थिति हो जाएगी कि इनको लेने वाला कोई नहीं होगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सर, मान लो कि जब नोटों के बंडल अगर रख देंगे और यदि वहां से चौटाला साहब गुजर रहे हों तो क्या वे चुपचाप वहां से निकल जाएंगे?

श्री अध्यक्ष : ठीक है, चौधरी साहब, अब आप बैठ जाएं।

श्री हर्श कुमार : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय और वित्त मंत्री महोदय बैठे हुए हैं उनको आज इस चीज के बारे में पहल अव य करनी चाहिए क्योंकि अगर करप ान रहेगी तो ऐसे नेताओं को, ऐसे मुख्यमंत्रियों को, ऐसी सरकारों को ऐस बजट को अमली जामा और असली जामा पहनाने में परे ाानियां उठानी पड़ेगी, संघर्श करना पड़ेगा इसलिए इसका एक ही तरीका है कि सब कुछ जितना आपका बजट है वह हसी सलामत रहे। नोटों का प्रचलन बंद कर दें और बैंक से सीधा लेन देन रहे तो ही करप ान पर काबू पाया जा सकता है। जहां ये अच्छा काम कर

रहे हैं वहीं बहुत से राजनैतिक लोग दे ा में नफरत की राजनीति कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : आपको बोलते हुए 16 मिनट का समय हो गया है। अब आप बैठ जायें। बोलने के लिए तो ऐसे–ऐसे सदस्य थे कि दो दो घंटे का समय लेते और आप को बोलने का मौका ही न मिलता। लेकिन व्यवसथ बनाए रखने के लिए ऐसा करना जरूरी है।

श्री हर्श कुमार : ठीक है अध्यक्ष महोदय, इन भाब्दों के साथ मैं मुख्यमंत्री जी और वित्त मंत्री जी को मुबारकवाद देता हूं कि इनकी सरकार अच्छा काम कर रही है। मैं इनका समर्थन कर रहा हूं और यह आ ाा कर रहा हूं कि आगे भी अच्छा काम करेंगे। आपको भी मैं धन्यवाद कर रहा हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया चाहे एक मिनट ही फालतू दिया लेकिन दिया जरूर।

श्री अध्यक्ष : आपको एक मिनट नहीं सोलह मिनट का समय दिया गया है।

श्री बलवंत सिंह सढौरा (अनु. जा.) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया उसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं। माननीय वित्त मंत्री जी ने जो बजट में आंकउ़े द ार्ाये हैं उनको देखने से ऐसा महसूस हाता है कि प्रदे ा के इन्फ्रास्ट्रक्चर के जो मेन मुद्दे हैं उन पर बजट की मदें

पिछले साल से इस साल में कम की हैं। यह मेरे कहने की बात नहीं है बजट में जो लेखा जोखा है उसके हिसाब से है। मैं वित्त मंत्री जी का एक बात के लिए जरूर धन्यवाद करना चाहूंगा। उन्होंने अपने पहले बजट में एक बात कही थी कि हमें विरासत में जो वित्तीय प्रबंधन या सिस्टम मिला है वह बहुत बढ़िया है। यह इन्होंने माना था। इसके कारण चाहे हमारी सरकार को इसका राजनीति नुकसान उठाना पड़ा पर प्रदे ा को वेट रूपी ऐसा सिस्टम दिया था जिससे सरकार को बहुत आमदनी हुई। उस आदमनी को चाहे किसी फिल्ड में खर्च कर सकते हैं। इसके साथ जो बजट में बढ़ौतरी हुई, खजाने में पैसा आया उसका एक यही विकल्प था। हमारे आदरणीय श्री चौटाला साहब ने राजनीतिक नुकसान सहते हुए इस काम को पूरा किया और वित्तीय प्रबंधन के लिए यूनीफार्म फ्लोर रेट टैक्सिज को लागू किया इससे सारे प्रदे ा में आमदनी का जरिया बहुत बढ़ा। इस वैट की चर्चा मेरे साथियों ने पहले भी की है पर जब यह वैट सिस्टम हरियाणा में लागू हुआ जब कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी दोनों ने ही इसका बहुत विरोध किया था। जब यह वैट लगा तो कई तरह की चर्चायें और इफ एंड बट लगाये गये। इसके सबके बावजूद आदरणीय श्री चौटाला साहब ने इसको लागू करके प्रदे ा को एक सही दि ाा दी। एक सुदृढ़ आर्थिक आधार दिया जिससे हमारा प्रदे ा उन्नति और तरक्की की रहा पर आगे आया।

श्री मांगेराम गुप्ता : इस प्रणाली के लागू होने से बजट में कितनी बढ़ौतरी हुई?

श्री बलवंत सिंह सढौरा : सर, 2004–2005 के प्लान बजट में 2705.16 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ था जो 36.99 प्रति ात था, वर्श 2005–2006 में 3769.7 करोड़ रुपये का जो कि 34.21 प्रति ात था, वर्श 2006–2007 में 4975.42 करोड़ रुपये का जो कि 34.21 प्रति ात है। वर्श 2007–08 में 5998.76 करोड़ रुपये है जो 32 प्वायंट कुछ है। 7566.82 करोड़ रुपये इस वर्श 2008–09 में बजट अनुमानित है वे केवल 15.18 प्रति ात रहा गया है जो अच्छे इन्डीकेटर नहीं है। मेरे कहने की बात नहीं है यह बजट के आंकड़े है जो बजट पे ा किया गया है ये इस प्लान्ड बजट के आंकड़े है। सर, नॉन प्लान एक्सपैंडीचर कम रखा जाए। उतना ही बजट अच्छा होता है। अगर हम देखें तो वर्श 2007–08 में वर्श 2006–07 की तुलना में 13999.5 करोड़ रुपये की बजाए 14951.28 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं जोकि 6.8 प्रति ात अधिक है और वर्श 2008–2009 में वर्श 2007–08 के मुकाबले 14951.28 करोड़ रुपये से बढ़कर 16645.01 करोड़ रुपये होने जा रहा है यानी बढ़ौतरी 10.12 प्रति ात है जो ठीक नहीं है। इसी तरह से रेवेन्यू रिसीट्स लें उसमें वर्श 2005–2006 में जहां कुल राजस्व प्राप्तियां 16645.01 करोड़ रुपये होने जा रहा है यानी बढ़ौतरी 10.12 प्रति ात है जो ठीक नहीं है। इसी तरह से रेवेन्यू रिसीट्स लें उसमें वर्श 2005–06 में जहां कुल राजस्व प्राप्तियां

13853.31 करोड़ रुपये की थी वह वर्श 2006–07 में बढ़कर 17952.43 करोड़ रुपये हो गई क्योंकि उस समय सारे दे ा में वैट लागू हो चुका था। उसके उदाहरण एक साथ सामने आये और यह बढ़कर 30 प्रति ात के करीब है जो बढ़िया बात थी जब सारे दे ा में वैट लागू हो गया और सारे इन्कम सोर्स सेफ हो गये है। इसी प्रकार से वैट का न्यूट्रीलाईजे ान हो गया। वर्श 2007–2008 में राजस्व प्राप्तियां 19629.69 करोड़ रुपये की हुई जो केवल गत वर्श की अपेक्षा 9 प्रति ात रह गई। वर्श 2008–09 में अनुमानित राजस्व प्राप्तिययां जो नॉन प्लान एक्सपैंडीचर में दिखाई गई उनमें फिर 9 प्रति ात की वृद्धि है। स्पीकर सर, राजस्व प्राप्तियां केवल दो मदों से ही हरियाणा प्रदे ा में होती है, एक तो वैट से दूसरे स्टाम्प डयूटी से। सत्ता पक्ष के मेरे सम्मानित साथी यह कह कर वाहवाही लूट रहे हैं कि हरियाणा प्रदे ा के मौजूदा सरकार ने एक प्रति ात स्टाम्प डयूटी गांवों में और दो प्रति ात महिलाओं के मामले में घटाई हैं और ऐतिहासिक फैसला करार दे रहे हैं। सर, आदरणीय चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी के राज में भाहरी सम्पत्ति की रजिस्ट्री साढ़े सोलह प्रति ात से घटाकर 8 प्रति ात और गांवों की जमीन की रजिस्ट्री 12 प्रति ात से घटाकर 6 प्रति ात की गई थी जो एक ऐतिहासिक फैसला किया गया। वर्श 2005–2006 स्टाम्प डयूटी का रेट उस समय बरानी जमीन का डेढ़ रुपये में हो जाती थी। आज उस जमीन की कीमत कलैक्टर रेट के हिसाब से बढ़कर पांच लाख रुपये हो गई है और रजिस्ट्री की कीमत 5 प्रति ात के हिसाब से

25 हजार रुपये प्रति एकड़ बनती है। चाही की जमीन की हमारे यहां कलैक्टर रेट के हिसाब से कीमत अढ़ाई लाख रुपये थी, जिनकी रजिस्ट्री 15 हजार रुपये में हो जाती थी। आज उसकी कीमत बढ़कर सात–आठ लाख रुपये प्रति एकड़ हो गई है जहां 5 प्रति ात के हिसाब से उस जमीन की रजिस्ट्री 40 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से होती है। यह बात मैं नहीं कह राह यह आंकड़े कह रहे हैं। एक बात और ऑन दी फलोर ऑप दि हाऊस कही जा रही है कि आज हरियाणा प्रदे ा के हर एरिया में एक प्रति ात और दो प्रति ात स्टाम्प डयूटी कम हो गयी है इसको लेकर ये वाहवाही लूट रहे हैं। स्पीकर सर, ऐतिहासिक फैसला तो वह था जिसमें स्टाम्प डयूटी को साढ़े सोलह प्रति ात से आठ प्रति ात और 12 प्रति ात से 6 प्रति ात किया गया था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से वित्त मंत्री महोदय और सदन के नेता का ध्यान एक और जरूरी बात की तरफ दिलाना चाहूंगा कि आज हरियाणा प्रदे ा में आम आदमी का मौलिक अधिकार है कि उसके पास जो 100, 200 या 400 गज का प्लाट है, उसमें से वह अपनी जरूरत के मुताबिक 50 गज या 100 गज जमीन अपनी बेटी की भाादी वगैरह के लिए बेचना चाहे तो बेच सकता है लेकिन आज की मौजूदा सरकार ने वे रजिस्ट्रया बन्द कर दी। वह गरीब आदमी NOC लेने के चक्कर में मारा–मारा फिरता है लेकिन उसको NOC नहीं मिलती। वह गरीब आदमी 50 गज या 100 गज का प्लाट बेचकर अपना गुजारा करना चाहता था लेकिन रजिस्ट्रियां बन्द होने की वजह से ऐसा नहीं कर पा रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं

वित्त मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि लाल डोरे के अन्दर या भाहरी म्युनिसिपल कमेटीज के अन्दर ऐसा नहीं होना चाहिए। 5–6 महीने पहले सरकार की तरफ से FCR साहब ने एक ओर्डिनैंस जारी किया कि भाहर में रजिस्ट्रीयां बिना NOC के होंगी, उसका लाभ किसको हुआ, क्या हुआ हमें पता नहीं लेकिन एक हफ्ते के अन्दर रजिस्ट्रियां बैंक डेट से बन्द कर दी गई। यह अध्यादे ा सरकार के पास है। सरकार कृपया बताने का कश्ट कर कि कौन सी ऐसी आफत आ पड़ी थी कि पहले वह रजिस्ट्रियां खोलनी पड़ी और फिर बन्द करनी पड़ी।

श्री अध्यक्ष : सढौरा जी, आपको बोलते हुए 10 मिनट हो गए हैं।

श्री बलवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, आप मुझे अब बैठने के लिए कहें तो मैं अभी बैठ जाता हूं। मैं 2–4 मिनट में अपनी बात खत्म कर दूंगा। अध्यख महोदय, सत्ता पक्ष के मित्रों की चर्चा की कि हरियाणा प्रदे ा इस राज के 3 वर्शों में पर–कैपिटा इन्कम में गोआ के बाद नम्बर एक पर है। लेकिन बजट को देखने से पता चलता है कि हरियाणा प्रदे ा 2003–04 में भी गोआ के बाद पर कैपिटा इन्कम में नम्बर एक पर था। यह बात मैं नहीं कर रहा हूं यह सच्चाई है और इसको हम झुठला नहीं सकते। ऑन दि फ्लोर ऑफ दि हाऊस अगर हम यह कहें कि हमने कल परसो या दो–तीन सालों में हरियाणा स्टेट का नम्बर एक पर कर दिया तो यह ठीक बात नहीं है। मैं चाहूंगा कि वित्त मंत्री महोदय कश्ट कर

दें कि 2003–04 में हरियाणा पर कैपिटा इन्कम में गोआ के बाद नम्बर एक पर था या नहीं। यहां तक कि हमारी सम्मानित सदस्या पार्लियामैंट्री सैक्रेटरी मैडम भारदा राठौर ने गवर्नर एड्रर्स पर अनुमोदन करते हुए कहा कि हरियाणा पर कैपिटा इन्कम में 13 वें स्थान पर हैं।

वित्त मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह) : सढौरा जी, उन्होंने पर कैपिटा इन्वैस्टमैंट की बात की थी।

श्री बलवंत सिंह सढौरा : अध्यक्ष महोदय, जहां तक ग्रांट–इन–ऐड की बात है तो सरकार विभिन्न संस्थाओं को, म्युनिसिपल कमेटीज को, पंचायतों को, कॉलेज को और कुछ ऐसी संस्थाएं हैं जिनको ऐड देती है। यह ग्रांट वर्श 2007–98 में 2828 करोड़ 96 लाख रुपये थी। 2008–09 में यह ग्रांट केवल 2246.27 करोड़ कर गई। किस की ग्रांट कटेगी, किसकी ग्रांट बढेगी यह बात तो वित्त मंत्री जी अपने जवाब में बता देंगे। अध्यक्ष महोदय, अब मैं सब्सिडी की बात करना चाहूंगा। आज की मौजूदा सरकार गरीबों और किसानों के हित की बात करने का दावा करती है। यह बात ठीक है कि आज किसान का लागत मूल्य बढ़ गया है और उसको उचित दाम मिले वहीं किसी भी बिरादरी से सम्बन्ध रखने वाला गरीब आदमी जो गरीब रेखा के नीचे अपना जीवन बसर कर रहा है और जो गांव में रह रहा है। सरकार उसको कम रेट पर खाने के लिए आटा, दाल और डालडा दे क्योंकि इन चीजों को खरीदना आज उसके लिए बहुत मु कल हो गया है।

क्या सरकार ने इस बारे में सोचा है कि उसको कम रेट पर ये सारी चीजें मिलें। वर्श 2007–08 में सरकार ने जो सब्सिडी दी थी वह 3858.10 करोड़ की थी। वर्श 2008–09 में यह सब्सिडी 2838.81 करोड़ रह गई। ये मैं बजट के आंकड़ें बता रहा हूं। किस–किस की सब्सिडी कम होगी यह तो हमारे सुलझे हुए वित्त मंत्री जी अपने जवाब में नहीं बतायेंगे। अध्यक्ष महोदय, बजट के पेज 25 पर प्वाइंट 40 में लिखा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में कृशि के बाद प ुपालन आजीविका का मुख्य साधन है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सत्ता पक्ष से जानना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा में 8 पोस्टें प ुपालन विभाग में ज्वायंट डायरेक्टर की है जो प ुओं की देख–रेख और सारे सिस्टम को देखते हैं, लेकिन उन 8 पोस्टों में से पिछले तीन साल से 7 पोस्टें खाली है। सरकार एक तरफ कहती है कि प ुपालन ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का मुख्य साधन है और दूसरी तरफ प ुओं की देख रेख करने वाले सात अधिकारियों की पोस्टें खाली पड़ी है। इसी तरह से प ु पालन विभाग में चण्डीगढ़ में एक डिप्टी डायरेक्टर की पोस्ट होती थी, जो प ुओं की सारी बीमारियों का सर्वे करता था और उनके इलाज के सुझाव भी देता था लेकिन डिप्टी डायरेक्टर की वह पोस्ट चण्डीगढ़ से बदलकर उनका हैड क्वार्टर नारनौल में कर दिया। इसके क्या कारण है कि उसका हैड क्वार्टर नारनौल बना दिया गया है। यदि हैड क्वार्टर बदलना ही थी तो बेरी में बना दिया जाता है क्योंकि बेरी में साल में एक दफा प ुओं का मेला

भी लगता है लेकिन पता नहीं नारनौल को हैड क्वार्टर क्यों बना दिया?

श्री अध्यक्ष : सढौरा जी, प्लीज अब आप बैठें। अब श्री हबीब–उर–रहमान जी बजट पर बोलेंगे।

श्री हबीब–उर–रहमान (नूंह) : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत–बहुत भ्ाुकिया कि आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया। अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री जी की देख रेख में हमारे वित्त मंत्री जी ने हरियाणा प्रदे ा की जनता के लिए जो बजट सदन में पे ा किया है यह वाकई में काबिले तारीफ है। मैं इसके लिए हमारे मुख्यमंत्री महोदय और वित्त मंत्री महोदय को मुबारकवाद देता हूं। अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से एक संतुलित बजट पूरे प्रदे ा की जनता के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया है यह एक सोच की बात है। इसमें कोई भाक नहीं है कि हरियाणा प्रदे ा की तरक्की की गाड़ी जो पहले रूकी हुई थी उसको पिछले तीन साल से हमारे मुख्यमंत्री जी और वित्त मंत्री जी मिलकर आगे बढ़ा है और बहुत अच्छे तालमेल के साथ दोनों आगे बढ़ रहे हैं। मैं समझता हूं कि अगर इसी तरह हरियाणा प्रदे ा विकास करता रहा तो बहुत जल्दी हरियाण प्रदे ा नम्बर एक के आंकड़े को अचीव कर लेगा। अध्यक्ष महोदय, पूरा प्रदे ा जानता है कि हमारे मुख्यमंत्री जी की नेक नीयती और नीति ने प्रदे ा को आगे बढ़ाने का काम किया है। मैं एक बात कहना चाहता हूं कि हरियााण में 20 जिलें है और उमें मेवात जिला पिछली सरकारों

की अनदेखी की वजह से पिछड़ हुआ जिला है। लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी ने उसकी तरफ से भी ध्यान दिया है। मैं एक कहावत कहना चहूंगा कि यदि पड़ोसी के घर भेली फूटेगी तो भोरा हमारे घर भी आयेगा। आज के दिन जिस प्रकार से पूरे प्रदे ा में विकास कार्य हो हरे है उनके साथ–साथ मेवात जिले में भी मुख्यमंत्री जी ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। जबकि पिछली ओमप्रका ा चौटाला जी की सरकार के समय में एक भी तरक्की का काम मेवात जिले में नहीं करवाया गया। अलबत्ता उन्होंने वहां के लोगों की नब्ज को पढ़कर वोट बटोरने का काम किया। अध्यक्ष महोदय, मेवात का एरिया मुस्लिम बहुल एरिया है। चौटाला जी ने वहां पर रोजा इफ्तयार की परम्पर भाुरू की ताकि वहां पर धार्मिक भावना को जगाकर वहां के लागों से वोट ले सके। इसके अतिरिक्त कब्रिस्तान की चारदीवारी बनाने के नाम पर भी उन्होंने धार्मिक भावनाओं को वोट लेने के लिए उकसाने की कोि ा ा की। जहां तक मेवात को जिला बनाने की बात है तो जब वे 6 साल तक हरियाणा प्रदे ा के मुख्यमंत्री रहे तो उस दौरान उन्होंने मेवात को जिला बनाने का ख्याल नहीं आया लेकिन आखिर जब चलते वक्त उन्होंने मेवात को जिला घोशित किया तो उन्होंने उसका नाम रखा सत्यमेवपुरम क्योंकि वहां पर मेव कम्युनिटी बसती है। इसलिए उन्होंने सत्यमेवपुरम में मेव भाब्द को बीच में डालकर मेव कम्युनिटी को इसमें अटैच करने की कोि ा ा की। इस प्रकार से उनकी भावनाओं को कै ा करके उन्होंने वोटों के रूप में बदलने की कोि ा ा की। वे इस तरह के काम करने में

बड़े माहिर है। जहां तक मेवात को पिछड़ेपन की बात है तो उन्होंने मेवात को प्रगति और विकास के पथ पर चल रहे है, इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री को मुबारकवाद देता हूं। प्रत्येक जिले में मॉडर्न स्कूल खोले गये हैं। मेवात में भी मॉडर्न स्कूल खोला गया है। मेवात–उठावड़ में एक पॉलिटैक्नीक कॉलेज है उसमें सीटों करे दुगुणा करते हुए उटावड़ गांव के लिए रिजर्वे ान दी। यहां तक कि पूरे मेवात के लिए रिजर्वे ान दी। हरियाणा में एजूके ान के मामले में मेवात बहुत पीछे था। आई. टी.आई की स्थापना के क्षेत्र में एक कांतिकारी कदम उठाते हुए जिस तरह से आज मुख्यमंत्री ने नूंह में आई.टी.आई. की आधारि ाला रखी है यह एक सराहनीय कदम है। यह आई.टी. आई् हरियाणा में सबसे बड़ी आई.टी.आई होगी। उस एरिया को 50 प्रति ात रिजर्वे ान दी गई है, चाहे वह नगीना हो या चाहे वह झिरका हो। उसमें सीटों को बढ़ाया गया है। इसी तरह से वहां पर जवाहर नवोयद विद्यालय भी खोला गया है। इसके अलावा लड़कियों के लिए ब्लॉकवाईज स्कूल भी खोले गये है। हमारे मेवात में यह सबसे बड़ी समस्या है कि वहा पढ़ा लिखा एरिया नहीं है। इस बात को ध्यान में रखते हुए माननीय मुख्यमंत्री ने स्कूलों का जाल बिछाते हुए 137 स्कूलों को एक कलम से अपग्रेड किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी का भाुकिया अदा करना चाहता हूं। मेवात को याद रखते हुए इनके द्वारा 137 प्राईमरी स्कूलों को अपग्रेड किया गया है। इन्होंने पहली बार यह सब कुछ किया। इसके लिए भी मैं इनका बहुत–बहुत

भाुक्रिया अदा करता हूं। ये हरियाणा के इतिहास में सबसे पहले ऐसे मुख्यमंत्री है जिन्होंने मेवात के लिए इतना कुछ किया है। एग्रीकल्चर रीजनल सैन्टर वहां खोला गया, एम.डी.यू का रीजनल सैन्टर वहां पर खोला गया है और सबसे बढ़कर एग्रीकल्चर कम्पलैक्स वहां पर बनाया गया। कोटला लक प्रोजैक्ट को मंजूरी देते हुए 104 करोड़ रुपये इस स्कीम के लिए दिए गए ताकि वहां की सिंचाई और पीने के पानी की समस्या हल को सके। इसके अतिरिक्त मेवात फीडल कैनाल वहां`क लिए दी है। आज तक यह पिछली सरकारों का रिकार्ड है किजन स्कीमों और जिन कामों से मेवात इलाके की तरक्की होती वह एक भी काम और स्कीम मेवात को इससे पहले के मुख्यमंत्रियों द्वारा नहीं दी थी। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा सबसे पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने मेवात के विकास`क लिए सोचा है। मैं इनके किसी काम तो नहीं आ सकता अलबत्ता दुआएं जरूर देता हूं और मेरे साथ ही वहां की आने वाली जैनरे ान्ज भी इनको दुआएं देंगी और इनको याद रखेंगी। मेरी तो इनके लिए और कांग्रेस पार्टी के लिए यही दुआएं हैं कि हमे ाा इनका राज बना रहे। हमारे मेवात से कांग्रेस पार्टी को एक सीट मिली थी उस रे ाों के हिसाब से भी हम दो इंडीपैडैंट उम्मीदवार वहां से जीत गये ओर इनकी नीयत और नीति को देखकर हमने इनको समर्थन दिया और उसी नीयत और नीति के ऊपर जो ये खरे उतरे हैं मैं समझता हूं कि आने वाले समय में मेवात भी बाकी 20 जिलों के बराबर तरक्की करेगा और मेवात की जनरे ान यही दुआएं दती है कि इस टर्म के साथ–साथ पीढ़ी दर

पीढ़ी माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा हरियााणा में राज करें। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपकों भाुक्रिया अदा करता हूं।

श्री नरे ा कुमार प्रधान (बादली) : माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने जो बजट पर मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका हार्दिक धन्यवाद करता हूं। इसके साथ ही मैं माननीय वित्त मंत्री महोदय और माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूं जिन्होंने किसानों, मजदूरों, कर्मचारियों, अधिकारियों और हरेक वर्ग की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए एक भाानदार बजट पे ा किया है। साथ ही साथ मैं माननीय श्रीमति सोनिया गांधी जी का भी आभार वक्त करता हूं कि उन्होंने हरियाणा प्रदे ा को एक ऐसा मुख्यमंत्री दिया जो स्वतंत्रता सेनानी और दे ाभक्त परिवार से है तथा एक ईमानदार व्यक्तित्व का धनी है। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रदे ा समृद्धि और विकास के रास्ते पर अग्रसर है इसके लिए हम सरकार को बधाई देते हैं। अध्यक्ष महोदय, वैसे तो इस प्रदे ा को काफी पहले तरक्की कर लेनी चाहिए थी लेकिन इस प्रदे ा पर कई बार आक्रमण हुए। दो सौ अढ़ाई सौ साल तक तो अंग्रेजों को नइस दे ा पर राज किया और कई बार यहां पर मोहम्मद गजनवी जैसे लोगों ने भी आक्रमण किये और लूट कर चले गय। उसके बाद जब स्वतंत्रता की खुली सांस लेने का मौका आया और दे ा की तरक्की करने का समय आया तो हरियाणा प्रदे ा का यह दुर्भाग्य रहा कि

ऐसे–ऐसे लोगों को सत्ता प्राप्त हुई जो मोहम्मद गजनवी के भी चाचा–ताऊ लगते थे। जिन्होंने प्रदे ा को बुरी तरह से लूटा ओर प्रदे ा को निचोड़ कर रख दिया। कानून और व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं थी। हरियाणा प्रदे ा को पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया। जो आदमी साइकिल पर चुनरी बेचते थे, वे इस दे ा के बहुत बड़े उद्योगपतियों में कैसे भाामिल हो गये? वे इसलिए उद्योगपति बने गये क्योंकि उन्होंने इस प्रदे ा को लूटा है। एक आदमी जो कभी रिक ाा में सफल करता था और 22 की बीड़ी पीता था वह कैसे इस प्रदे ा का सबसे बड़ा उद्योगपति बन गया? (भाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, मैं किसी का नाम नहीं ले रहा। ये तो चोर की दाढ़ी में तिनका है।

श्री बलवन्त सिंह सढौरा : अध्यक्ष महोदय, वे इस प्रदे ा के लैडलार्ड आदमी हैं। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री ई वर सिंह पलाका : स्पीकर साहब, आप मेरी बात सुनें।

श्री अध्यक्ष : पलाका साहब, उन्होंने किसी का नाम तो नहीं लिया। चलो, आप बोलिए। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री रामकुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है?

श्री अध्यक्ष : हॉ जी, गौतम जी, आपका प्वाइंट ऑफ आर्डर किया है?

श्री रमाकुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, माननीय सा ी नरे ा भार्मा जी जो बात कह रहे हैं वह 100 प्रति ात सही है। मेरे पिता जी 120 एकड़ जमीन के मालिक थे। उनके सगे भाइ ने सुप्रीम कोर्ट में हल्फनामा दिया था। हम चारों भाईयों को 30–30 एकड़ जमीन आती थी और जिस भाई का जिक भार्मा जी कर हरे हैं वह भाई लूटपाट करके 3 हजार करोड़ रुपये का मालिक बन गया और सुप्रीम कोर्ट ने वह केस रिमांड किया था। हाई कोर्ट में जाकर गवाही दी लेकिन वह भाई समझौता कर गया और एक जिला भाायद लूटने के लिए उनके पास छोड़ गया कि तुम भी लुटो और मैं भी लूटता हूं। इसलिए वह चुप हो गया। मैं तो चौटाला जी को कहता हूं कि चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की एक आदम कद तस्वीर (जैसी दिल्ली से गुड़गांव आते हैं तो हनुमान जी की लगी हुई है) अपने घर में तथा लूटपाट के जो दूसरे अड्डे हैं वहां पर लगानी चाहिए। वे इन्हीं साहब की मेहरबानी से ही बचे हुए हैं वर्ना उसका यहां आने का कोई ब्यौंत नहीं था। (भाोर एवं व्यवधान)

डॉ. सु ील कुमार इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप बजट पर बुलवाईयें, हम भी बजट पर बोले हैं। सदन की गरिमा का ध्यान रखा जाना चाहिए। माननीय सदस्य बार–बार एक ही बात कहते हैं यह कोई तुक नहीं हैं। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप जाना चाहते हैं क्या ? (भाोर एवं व्यवधान) आप लोग सुनने के लिए तैयार नहीं है, आप लोग एक मिनट के लिए बैठें (विघ्न और भाोर) आपने यह कहा है कि चौधरी देवीलाल बहुत बड़े जमींदार थे। (विघ्न और भाोर) आप अपनी सीटों पर बैठें। (विघ्न और भाोर) चौधरी देवीलाल ने तो यह भी कहा था कि यह मेरा लड़ा नहीं है फिर उनकी प्रॉपर्टी में उसका हिस्सा कैसे हो गया? (विघ्न और भाोर) चौधरी देवीलाल की प्रॉपर्टी में उसका हिस्सा कहां से आ गया? (विघ्न और भाोर) पण्डित जी, आप अपनी स्पीच कांटीन्यू करें (विघ्न और भाोर)

श्री बलवत्न सिंह सढौरा : अध्यक्ष महोदय ******

डॉ. सीताराम : अध्यक्ष महोदय, '*** *** ****

श्री अध्यक्ष : डॉ. साहब, ऑनरेबल मैम्बर यह कहना चाहते हैं कि पहले बजट कम क्यों था और अब बजट ज्यादा क्यों हैं? (विघ्न और भाोर) ये भूमिका बना रहे हैं (विघ्न और भाोर) आप इनको अपनी भूमिका बनाने दो।

डॉ. सीताराम : अध्यक्ष महोदय, ***** ***** ***** (विघ्न और भाोर)

श्री अध्यक्ष : आप सभी लोग अपनी–अपनी सीटों पर बैठें (विघ्न और भाोर) Nothing to be recorded (Inerruptions). Please take Your seat. Sharma ji. please continune

(Interruption) भार्मा जी, आप बजट पर बोलें (विघ्न और भाोर) पण्डित जी, आप कान्टीन्यू करें। (विघ्न और भाोर)

श्री नरे ा कुमार प्रधान : अध्यक्ष महोदय, कृशि क्षेत्र में सरकर ने किसान को हर प्रकार की सुविधाएं प्रदान की है। ि ाक्षा के क्षेत्र में उच्चकोटि की ि ाक्षा प्रदान करना, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाना, सामाजिक क्षेत्र में समाज के कमजोर वर्गों का स ाक्तिकरण करना और जो मजबूत अर्थ व्यवस्था इस सरकार ने दी है उसके लिए मैं सरकार को बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, अगर राजा का खजाना खाली होता है तो वह नागरिकों और दे ा को तबाह कर देता है जैसे कि पहली सरकार ने किया है। मेरा तो एक सूत्रीय कार्यक्रम है। मैं एक बात कहना चाहूंगा कि जिन लोगों ने हरियाणा प्रदे ा को बुरी तरह से लूटा है उनको आज तक कोई सजा नहीं हुई है। जनता इस बारे में हम से पूछती है कि उनका क्या हुआ तो हम कहते हैं कि कार्यवाही चल रही है। जनता पूछती है कि कौन कार्यवाही कर रहा है तो हम कहते हैं कि सी.आई.डी और सी.बी.आई. कार्य कर रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदन से आग्रह करता हूं कि सी.आई.डी और सी.बी.आई. तो अपने हिसाब से कार्य करती रहेंगी लेकिन एक महीन के अन्दर–अन्दर इनको उठा कर जेल में पटकों और जो लूट का धन है उसको कुड़क करो। अध्यक्ष महोदय, अगर सकरार ऐसा करती है तो इससे प्रदे ा की गरीब जनता के अन्दर खु ाी होगी और हरियाणा प्रदे ा का भला

होगा। इससे लोगों को नसीहत मिलेगी और हरियाणा में फिर कीाी ऐसे लोग सत्ता में नहीं आ पाएंगे। जो अच्छे लोग हैं वे ही सत्ता में आएंगे और हरियाणा प्रदे ा के हित के लिए काम करेंगे। इस प्रकार को जो लोग हैं वे इस प्रदे ा का बहुत भला हेागा। (विघ्न) स्पीकर साहब, सरकार ने प्रदे ा के लिए जो सुदृढ़ वित्तीय प्रबन्धन किये हैं उनके लिए मैं सरकार को बधाई देता हूं। अनुसूचित जाति के अपने भाई–बहनों, गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापान करने वाले लोगों, महिलाओं और बच्चों के बारे में सरकार ने गहरी चिन्ता जताई है। हालांकि अनुसूचित जाति के लेागों की संख्या राज्य की कुल जनसंख्या का 19.35 प्रति ात है तथापि वर्श 2008–09 के दौरान योजनागत परिव्यय में 21.55 प्रति ात राशि का प्रावधान अनुसूचित जाति के वि ोश घटकों एस.सी. और बी.सी. के अन्तर्गत समाज के कमजोर वर्गों के विकास एवं उत्थान के लिए किया गया है। अध्यक्ष महोदय, बी.पी.एल, अनुसूचित जाति, पिछड़े और गरीब परिवारों को 100–100 गज के आवासीय प्लॉअ देने का प्रबन्ध सरकार ने किया है जिसके लिए हम सरकार को बधाई देते हं और उनका आभार भी व्यक्त करते हैं। हमारी सरकार राज्य में सामाजिक कल्याण के विकास को बढ़ावा देने और उसको समाज के हर स्तर पर पहुंचाने के लिए बचनबद्ध है। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का और सरकार का आभार प्रकट करता हूं कि जैसे ही इन्होंने सत्ता सम्भाली थी, उसी समय इन्होंने घोशणा की थी कि मैं मुख्यमंत्री नहीं बल्कि हरियाणा प्रदे ा का मुख्य सेवक हूं। जनता ने मुझे सेवा का मौका दिया है

तो मैं अपने साथियों से भी आग्रह करता हूं कि वे 24 घंटे जनता की सेवा में तत्पर रहें। अध्यक्ष महोदय, जैसे पहले की सरकार के वक्त में बड़ी–बड़ी मलाएं लेते थे, बड़ी–बड़ी लूट करते थे, इन्होंने लोगों से यह भी कहा कि अब तुम्हारा लेने का टाईम नहीं है। सर, अगर आज किसी के घर में बच्चा पैदा होता है तो हर गरीब आदमी उसके घर में जाकर बधाई देता है और बच्चे को पुचकार कर एक, पांच या सौ रुपया देकर प्यार देता है। उसका मान सम्मान करता है। अध्यक्ष महोदय, मेरे जो पुरानी माननीय साथी हैं जिनकी पिछले तीन सालों से पहले सरकार थी और जब वे ऐसी जगह पर जाते थे तो यह तय करते थे कि आपका खाना खांवांगे, जाड़ हिलवांगे, सौदा कितने में पटेगा और भेंट क्या करोंगे। वे एक रुपया देने की बजाए भेंट लेते थे। आ ार्वाद देने की बजाए उनको लूट कर आते थे। जाड़ धिसाई के पैसे लेकर आते थे। (विघ्न) उन्होंने जनता जनार्दन को ऐसा लूटा था कि आज वे पांच मिनट भी यहां पर बैठकर हमारे से आंखे भी नहीं मिला सकते हैं। बार–बार यहां से भागने पर मजबूर हो जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, आज कृशि में विकास दर समग्र रूप से धीमी पड़ गई है और अत्यधिक ग्रामीण खर्चदारी की वजह से हता ा व परे ाान किसानों द्वारा दे ा के कई भागों में आत्महत्याएं करने की घटनाएं हो रही थी। इस अवसर पर यू.पी.ए. की अध्यक्षा सोनिया गांधी जी ने मुख्यमंत्री जी के आह्वान पर 60,000 करोड़ रुपए के कर्जे माफ किये। उसके लिए हम यू.पी.ए. की अध्यक्षा और हमारे मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हैं और धन्यवाद करते हैं।

अध्यक्ष महोदय, हम यह भी मानते हैं कि बड़ी संख्या में ऐसे किसान भी हैं जिन्होंने स्थानीय साहूकारों और आढ़तियों से बहुत ऊंची ब्याज की दर पर ऋण ले रखा है। हमारे मुख्यमंत्री जी ने उस वर्ग पर भी सहानुभूतिपूर्वक विचार करने के लिए आ वासन दिया है। अध्यक्ष महोदय, यह भी ऐतिहासिक कदम इस सरकार का होगा। इसके लिए भी हम इस सरकार को और मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से सरकार से छोटी से प्रार्थना है थक सदन में कुछ लोग आज भी ऐसे हैं जो जनता की आंखों में धूल झोंक कर आए हैं। वे आज भी फिर से कहते फिर रहे हैं कि एक बार और सत्ता दे दो, सात पीढ़ी का जुगाड़ कर दूंगा। अध्यक्ष महोदय, अगर कोई बड़ा गांव होगा तो यूं घनी बोला कि नोटों की म ीन कै–कै दिन दोगे, न्यू कहया भाई एक–एक दिन। न्यू बोल्या जी म्हारा तो घना बड़ा गांव हैं। 30000 हजार कुढ़ी का। यू कहया भई तुम दो दिन ले ल्यो लेकिन वोट तो गेरो। (हंसी) अध्यक्ष महोदय, उन्होंने सत्ता में आते ही नोटों की म ीन देने की बजाए म ीनगन फिर कर दी। महम में निर्दोश लोगों को खून बहा दिया था, कण्डेला के अन्दर 4–4 हरिजन भाईयों को निहत्थे जला दिया था। अध्यक्ष महोदय, ऐसे–ऐसे लोगों फिर से सत्ता की कामना करते हैं। स्पीकर सर, एक बार एक आदमी एक के अन्दर घोड़ी लेकर चला गया। गैर टाईम हो गया, उसने सोचा कि इस गांव के अन्दर भारण ले लेता हूं। वह एक बेईमान कै फंस ग्या, बारने आगे घोड़ी बांध दी। न्यू बोल्या कि भई एक वक्त की रोटी मिल जाएगी। न्यू बोल्या कि

मिल जाएगी भाई। सर, घोड़ी ब्यातड़ थी और रात को ब्यागी। घोड़ी ब्यागी तो तड़के वह चालन लाग्या, उसने पहले बच्ची खोली। न्यू बोल्या भाई के करैं है। घोड़ी वाला बोल्या घोड़ी ना ब्याई है या बच्ची तो म्हारी भैंस के पैदा हुई है। तेरी बच्ची कड़ै तैं आई या तै म्हारी है। घोड़ी वाला बोल्या कै इसा जुल्म, भैंस के तो घोड़ी की बच्ची पैदा ही नहीं हो सकती है। न्यू बोल्या अक म्हारी कै होया करै। घोड़ी वाले ने गांव जोड़ लिया, 10–15 आदमियां धौरे गया, सरपंच धौरे गया और न्यू बोल्या जी मेरी गैल्यां बड़ा अन्याय हो गया। एक टाईम की रोटी गैल्यां पांच किलो तूड़ा मांगया था। मेरी घोड़ी ब्या गई अर बच्ची ने चापर गया। वह बोल्या सरपंच साहब न्याय करो। सरपंच बोला कि न्याय क्या करूं इसकी भैंस ने पिछले साल भी घोड़ी की बच्ची दी थी इसलिए घोड़ी की बच्ची तो इसकी है। घोड़ी वाला हाथ जोड़कर बोला कि भला हो आप जैसे न्यायकारियों का और वह रोने लग गया और कहने लगा कि एक बात और बता दो। सरपंच बोला कि एक क्यों तो चार बातें पूछ लें क्योंकि हम तो बड़े न्यायकारी हैं। वह बोला कि जब तुम मर जाओगे तो फिर ऐसे–ऐसे न्याय कौन करेगा। वह कहने लगा कि हम मर जाएंगे तो हमारे बाद हमारी औलाद न्याय करेगी। घोड़ी वाला कहने लगा कि निर्भागो, ऐसे–ऐसे न्याय करके क्या आप औलाद की भी बाट रखते हो? स्पीकर सर, इसी तरह से जब हरियाणा प्रदे ा के अंदर ऐसे–ऐसे जुल्म चौटाला जी ने किए हों और अगर वे सत्ता में आने की बाट देखते हैं तो क्या यह ठीक है? धन्यवाद।

श्री अरजन सिंह : स्पीकर साहब, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए टाईम दिया। सर, आप मुझे कितना समय बोलने के लिए देंगे?

श्री अध्यक्ष : आपको पांच मिनट बोलने के लिए दिए जाते हैं।

श्री अरजन सिंह : स्पीकर साहब, आप मुझे पचास मिनट बोलने के लिए दें क्योंकि 75 घंटे का सै ान है। मैं भी किसी पार्टी से बिलोंग करता हूं।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, आप सात मिनट बोल लें।

श्री अरजन सिंह : स्पीकर साहब, बड़ी भारी रियायत कर दी। सर, बजट पर कई सदस्य बोले हैं और उसमें से कई सदस्यों ने बजट का समर्थन भी किया है। बजट की सराहना की है मैं उनके साथ अपने आपको जोड़ता हूं और जिन्होंने बजट की आलोचना की है उनके साथ मैं भ अपने आपकों जोड़ता हूंज। जिन्होंने बजट की सराहना की है मैं उनके साथ अपने आपको जोड़ता हूं और जिन्होंने बजट की आलोचना की है उनके साथ मैं अपने आपको नहीं जोड़ता हूं। स्पीकर साहब, जितनेभी मेरे पड़ौस में भाई बैठे हैं ये ठीक–ठाक आमदी हैं। मैं उनकी आलोचना नहीं करता लेकिन इतना जरूर कहना चाहूंगा कि ये लोग तो अच्दे हैं परन्तु ये गलत जगह चले गए हैं और इनको रिमोट किसी और के हाथ में है। वह रिमोट अब तो चला गया है इसलिए फिलहाल अब

ये ठीक–ठाक रहेंगे। स्पीकर साहब, जब भी कोई बोलता है तो मैं अपनी तरफ से टिप्पणी नहीं करता हूं इसलिए मेरी सारे भाईयों से रिक्वैस्ट है कि जब मैं बोलूं तो किसी को भी बीच में टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। मैं बजट पर ही बोलूंगा। स्पीकर साहब बजट के बारे में सबको पता है कोई देखकर भी अनदेखी करे तो उसका मेरे पास कोई इलाज नहीं है। सरकार की बहुत बढ़िाया नीयत है। मैं बहुजन समाज पार्टी से बिलोंग करता हूं इसलिए कहना चाहता हूं कि जिनते भी लोग गैलरीज में बैठे हुए हैं ये सारे के सारे वहीं लोग है जो भुक्तभोगी हैं। इनको हर चीज का पता है। अगर सरकार अच्छा करेगी तो हम उसको अच्छा कहेंगे। चाहे अच्छा ये ल ोग करें तो हम उसका विरोध करेंगे। चाहे गलत काम ये करें चाहे वे करें, हम उसका विरोध जरूर करेंगे। बहुत स्पश्ट बात हैं। स्पीकर साहब, कांग्रेस की इस सरकर से पहले जो सरकार थी उससे लोगों का वि वास उठ गया था। लोग सोचते थे कि अब क्या होगा, हम कैसे बचेंगे? उस सरकार के जो नेता थे वह सिर्फ झूठ बोलकर एक मदारी जैसी ढोलक बजाकर बड़े स्पश्ट तरीके से अपना भाशण भुरू करते थे और लोगों को गुमराह करते थे। लोगों इनकी बातों को सुनकर सोचते थे कि किस दिन इसकी सरकार आएगी और किस दिन ये जो योजनाओं की घोशणा कर रहे हैं वह पूरी होंगी। इनके वही भाशण लोगों के कानों में गूंजते रहे। वे सोचते थे कि क्या ये वही लोग हैं जो इतना अच्छा भाशण देते थे ? लोगों का यह कहना था कि इन लोगों ने हमें लूट खसोटकर बर्बाद कर दिया। ये इतने बढ़िया स्टाइल से अपना

भाशण भुरू करते थे कि जिसका कोई जवाब नहीं। कहते थे कि चैत्र और वै ाख की तपती लू में, सावन भादों की अंधेरी रात में सांप और बिच्छुओं की परवाह न करते हुए धरती माता का सीना चीरकर जब किसान का बेटा अन्न पैदा करता है, जब उसको वह मंडी में ले जाता है और अगर उसको भाव नहीं मिलता तो वह किसान निरा ा हो जाता है। अध्यक्ष महोदय, बोली कब लगी जब वह कुर्सी पर बैठ गया। उसके बाद जीरी की बोली एक हजार से गिरकर चार सौ रुपये पर खत्म हुई और आज की सरकार में जीरी की बोली 800 रुपये से लेकर 2200 रुपये में लग रही है। पिछली सरकार के दौरान एक किल्ले की जीरी दस हजार रुपये में लूटती थी लेकिन आज वह जीरी 50 हजार, 60 हजार रुपये में बिक रही है। इसी तरह से पोपुलर के रेट की बात है उसी समय जो पोपुलर की बोली लगी थी वह 150 रुपये की लगी थी लेकिन आज वह 750 रुपये पर पहुंच रही है। पहले जो ट्रॉली 15000 रुपये की बिकती थी वह आज 70 से 80 हजार रुपये में बिक रही है। पिछली सरकार ने जो गेहूं के रेट दिये थे वह किसी से छिपे हुए नहीं हैं। जिसकी जेब से पैसा निकलता है उसी को उसका अहसास होता है। आज अगर किसी रि तेदार से 10–20 हजार रुपया उधार ले लो और उसका वापस न मोड़ो तो रि तेदारी खराब हो जाती है। पिछली सरकार के समय में ट्रॉली 15000 रुपये में बिकी। हर छोटे से छोटे किसान की एक किला जमीन तो होती ही होगी और एक किले में एक ट्रॉली तो गेहूं या जीरी की पैदा हो ही जाती है तो जिस किसान को 65000 रुपये का एक

ट्रॉली का नुकसान हुआ तो ये किसान हितैशी होने का दावा कैसे करते हैं ? ये कहते क्या थे कि जिस दिन हमारी सरकार आएगी बिजली–पानी फ्री, मीटर फ्री और मीटर वाला भी फ्री। भोर के पट्ठे ने भट्ठा बैठा दिया और मीटर ऐसे ले आया कि बिजली हो या न हो मीटर नहीं थमता। मैं तो मुख्यमंत्री जी का और वित्त मंत्री जी का धन्यवाद अदा करना चाहूंगा कि जिन्होंने पब्लिक की इतनी ज्यादा चिन्ता की और पब्लिक में वि वास पैदा किया। पब्लिक के हितों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, हमें जो भी बात करनी हो वह पब्लिक के हित में करनी चाहिए क्योंकि पता नहीं दुबारा आएं या नहीं। गुमराह करने वाली बात करना या झूठी बात करना और निजी स्वार्थ के लिए कोई बात करना मैं तो अच्छा नहीं समझता। अपना निजी स्वार्थ या हित तो हम किसी भी पार्टी में रह कर सिद्ध कर सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, जहां तक काम करने का सवाल है, मुख्यमंत्री जी ऐसे दूरद र्ी हैं कि हम जिस बात को कहना चाह रहे होते हैं उससे पहले ही उस बात को समझ कर, उस बात को कैच करके उससे पहले ही उस काम को कर देते हैं। मैं बलवंत सिंह सढौरा जी को कहना चाहूंगा कि पिछली सरकार के साढ़े पांच साल के भाासनकाल के दौरान प्रदे ा की भी और इनके अपने हल्के की सड़कें बहुत खराब हालत में पड़ी रहीं, वही सड़कें, आज ठीक हालत में हैं। जहां सरकार की कमी होगी वहां मैं कमी भी बताऊंगा लेकिन मैं **(इस समय सभापतियों की सूची में से माननीय सदस्य आई0जी0 भोर सिंह पदासीन हुए।)** यह भी

कहना चाहूंगा कि जब से प्रदे ा में चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा जी की सरकार बनी है, सरकार बनते ही उन्होंने बिजली पैदा करने का काम भुरू कर दिया। बिजली जैसे ही तैयार होगी, वह दी जाएगी। पिछली सरकार ने क्या काम किया कि दूसरे राज्यों से बिजली ले ली और उनके पैसे नहीं दिये। अब अगर हमारी सरकार दूसरे राज्यों से बिजली मांगती है तो वे कहते हैं कि पहले पैसे दो फिर बिजली देंगे। सभापति महोदय, खाये कोई और दे कोई। आज मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करूंगा कि बहुत सूझबूझ से प्रौजैक्ट लगाने में लगे हुए हैं और जैसे ही बिजली तैयार होगी, यह सारी बिजली लोगों को ही दी जागी। (विघ्न) सभापति महोदय तो मेरे अपने ही साथ हैं। वे मुझे बैठने के लिए नहीं कहेंगे। ऐसा मुझे वि वास है। सभापति महोदय, कर्ज माफी की बात जो सरकार ने की है उसके लिए भी मैं उनका बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं। पिछली सरकार की नीतियों की वजह से किसान कर्ज में डूब गए थे। फसल के रेट किसानों को नहीं मिले। किसान को कितना भी नुकसान क्यों न हो लेकिन मजबूरन वह फसल ही बोएगा। आज किसान अपनी फसल बेचकर ही अपना जीवन यापन कर लेता है। उसे कर्ज लेने की जरूरत ही नहीं रहती।

श्री सभापति : आप वाईंड–अप करने की कोि ा ा करें।

श्री अरजन सिंह : सभापति महोदय, मुझे बीच में न टोको। बीच में टोकने से मेरे पल्ले कुछ नहीं रहता। मुझे जो बात कहनी है वह कहनी है।

श्री सभापति : मुझे भी टाइम का पालन करने के निर्दे ा हैं।

श्री अरजन सिंह : सभापति महोदय, इस सरकार ने हर जाति का ख्याल रखा है। मेरा हल्का हिमाचल प्रदे ा से लगता है और मेरे हल्के में मुस्लिम जाति के लोग हैं उनके पास कोई साधन नहीं है न उनके पास कोई जमीन है। वे भैंस वगैरह रख कर अपना दूध का काम करते हैं। मैं चाहूंगा कि सरकार ने मेवात में जो सुविधाएं हमारे मुस्लिम भाइयों को दे रखी हैं उसी तर्ज पर मेरे हल्के के मुस्लिम भाइयों को भी सुविधाएं दी जाएं। जैसे उर्दू की जे0बी0टी0 का ट्रेनिंग सैंटर खोलना चाहिए। मुस्लिम लड़कियों के लिए सी0बी0एस0ई0 की तर्ज पर स्कूल खोलना चाहिए और होस्टल भी खोलना चाहिए। आई0टी0आई0 खोलनी चाहिए, घाड़ विकास बोर्ड तथा घाड़ क्षेत्र में सर्व ि ाक्षा अभियान के तहत बालिका कस्तूरबा गान्धी स्कूल, होस्टल सहित खोला जाए। वहां के किसान भैंस रखकर दूध का काम करते हैं इसलिए एक कोल्ड मिल्क प्लांट खोलना चाहिए। उसमें मुस्लिम लड़कियों को नौकरी में आरक्षण दिया जाना चाहिए। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि छछरौली के अन्दर एक बिजली प्लांट लगा हुआ है उसकी म ाीनरी 30 साल पुरानी हो गई है उसके पुर्जे अब नहीं मिलते

इसलिए उसको सहारनपुर जाकर जुगाड़ फिट कराना पड़ता है इसलिए बिजली की उस म ीनरी को बदलना चाहिए।

श्री सभापति : अरजन सिंह जी आप वाईड–अप कीजिए बाकी मैम्बर्ज ने भी बोलना है।

श्री अरजन सिंहः यमुनानगर प्लांट में भी बहुत पुरानी मभीनरीलगी हुई है जिसे 300 मेगावाट बिजली पैदा करनी चाहिए उसके स्थान पर 160 मैगावाट बिजली पैदा हो रही है। इसके उपर जाकर वह मभीनरी ट्रिप कर जाती है। उसको ठीक करना चाहिए। इसी प्रकार से कलेसर से बंजारा बास वाद की सड़क जो लगभग डेढ़ किलोमीटर की है उसका बनाना चाहिए। दूसरे जो गुर्जर और घुमन्तु लोग है जो भैंसों का दूध बैचकर उपना काम चलाते हैं उनको रहने के लिए जगह उपलब्ध करवाई जाए।

श्री सभापति : अरजन सिंह जी, आप वाईंड–अप कीजिए।

श्री अरजन सिंहः सभापति मोहदय, गौतम साहब अभी सदन में बैठे नहीं है। कल उन्होंने बहन मायावती और मान्यवर श्री कांभी राम जी के बारे में एक बात कही थी जब कोई सदस्य हाउस में मौजूद नहीं है तो उनके बारे में कोई टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बहन मायावती जी ने यह कहा था, तिलक, तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चार।, हमारी पार्टी की राश्ट्रीय अध्यक्षा और मान्यवर कांभीराम जी ने ऐसी बात कभी

नहीं कही थी। मुझे नहीं पता या तो ये रामकुमार गौतम जी पंडित नहीं है या फिर सतीभा मिश्री जी पंडित नहीं है।

श्री सभापतिः अरजन सिंह जी, आपने जो कहा वह ठीक है, आप चेयर को एड्रैस कीजिए। आप जल्दी वाईंड अप कीजिए।

श्री अरजन सिंहः सभापति महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी और उनके सहयोगियों के बारे में एक बात कहना चाहता हूं,

स्ब आपको चाहते हैं, यह भाोहरत की बात है।

मैं आपको चाहता हूं, यह मेरे किस्मत की बात है।।

कर्म कर ही दिया आपने इस हरियाणा पर।

ये भी जनबा आपकी हिम्मत की बात है।।

रखता नहीं कोई किसी को याद।

यह भी अपनी–अपनी फितरत की बात है।।

तारीफ कर रहे हैं अब आजकल तुम्हारी।

यह सब आपकी भाराफत की बात है।।

किसानों के कर दिये कर्ज सब आपने माफ।

यह भी आपकी दरियादिली की बात है।।

यूं तो सुने हैं कई किसानों के मसीहा हमने।

यह भी हुड्डा साहब आपके जज्बात की बात हैं।।

श्री रणधीर सिंह (बरवाला) : सभापति महोदय, आपने मुण्े बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपको बहुत–बहुत धन्यवाद। वित्त मंत्री महोदय ने हमारी सरकार को चौथा बजट पे ा किया है। इस बजट में सबसे बड़ी बात यह है कि हरियाण प्रदे ा के किसी भी वर्ग पर किसी किस्म का टैक्स नहीं लगाया गया है। हरियाणा प्रदे ा की सरकार को बने हुए 3 वर्श हुए हैं। इन तीन वर्शों में हरियाणा के वित्त मंत्री महोदय और मुख्यमंत्री महोदय ने हरियाणा की अर्थव्यवस्था में बहुत सुधार किया है और उस सुधार को देखते हुए हरियाणा का बजट तीन गुना तक बढ़ाया गया है इसके लिए मैं मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद करना चाहता हूं। यू.पी.ए. अध्यक्षा सोनिया गांधी जी ने जो इस दे ा के कर्जदार किसान थे, उसके 60 हजार रुपए के ऋण माफ करने का ऐलान किया है, इसके लिए इस दे ा और प्रदे ा के किसान श्रीमति सोनिया गांधी के, इस दे ा के माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के और प्रदे ा के मुख्यमंत्री जी के आभारी हैं। सभापति महोदय, हम मुख्यमंत्री महोदय का इस बात के लिए भी धन्यवाद करना चाहते हैं कि उन्होंने हरियाणा के किसान को गेहूं, गन्ने, सरसों और धान की फसल का अच्छा भाव दिया है। इसके लिए हम यू.पी.ए. अध्यक्षा श्रीमति सोनिया गांधी जी का भी धन्यवाद करना चाहते हैं। हरियाणा प्रदे ा में चाहे वह चुनाव का समय था, चाहे उसके बाद का समय था, हरियाणा के

मुख्यमंत्री महोदय ने हरियााण के किसी भी वर्ग के लिए कोइ ऐसा नारा नहीं दिया था कि हरियााण में अगर कांग्रेस की सरकार आएगी तो हरियाणा के किसानों के 1600 करोड़ रुपये के बिजली के बिल माफ किए जाएंगे या हरियाणा के गरीब वर्ग के लोगों के लिए पानी के पीने के पानी की व्यवसिा के लिए 8 हजार फ्री कनैक ान देने का काम किया जाएगा। आज चाहे ि ाक्षा व्यवस्था का कामला चाहे व्यापारी से सम्बन्धित मामला हो, चाहे कर्मचारी और अधिकारियों से सम्बन्धित मामला हो या फिर दूसरे कोई भी क्षेत्र हो हरियाणा सरकार ने हर वर्ग के लिए अलग–अलग योजनएं दी हैं ताकि हर वर्ग के लिए यह बजट लाभदायक बजट साबित हो। सभापति महोदय, मुख्यमंत्री महोदय जी की तमन्ना थी कि हरियाणा के किसान ले जो साहूकारों और आढ़तियों से कर्जा लिया है उसके बारे में सोचा जाए। हरियाणा के किसान को उसे कर्जे से मुक्त करने के बारे में विचार चल रहा है जो कि सरकार को एक बहुत बढ़िया कदम है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री महोदय और हरियाणा की सरकार का धन्यवाद करना चाहूंगा। ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि और सम्पत्ति की रजिस्ट्री पर लगने वाले स्टैम्प डयूटी को 8 प्रति ात से घटाकर 6 प्रति ात किया गया है। महिलाओं के नाम रजिस्ट्री करवाने पर पहले 2 प्रति ात की छूट थी अब इसमें स्टाम्प भाुल्क में एक प्रति ात की और छूट देना हरियाणा सरकार का सराहनीय कदम है। अर्थ व्यवस्था के विकास को सार्थक बनाने के ि लए यह आव यक है कि उसका लाभ कुछेक व्यक्तियों तक सीमित न रहकर प्रदे ा के हर वर्ग तक

जाए। इसी तरह से हमारे मुख्यमंत्री महोदय और वित्त मंत्री महोदय जी ने गृण ऋण की सीमा 7.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 12.5 लाख रुपये करने का काम किया है। इसी के साथ–साथ घर की मरम्मत तथा विस्तार आदि के लिए ऋण सीमा वर्तमान में एक लाख रुपये और 1.80 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये और अढ़ाई लाख रुपये कर दी गई है। इसके अतिरिक्त जहां तक मुख्य भत्ते बढ़ाने की बात है उसको भी बढ़ाया गया है। सभापति महोदय, हमारे मुख्यमंत्री महोदय और वित मंत्री महोदय ने भिाक्षा की तरफ भी विभोश ध्यान दिया है। समाज के कमजोर वर्गों विभोशतः अनुसूचित जातियों के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिभिचत करने तथा उनका सामाजिक स्तर ऊंचा उठाने के लिए मुख्यमंत्री जी ने अनुसूचित जाति भिाक्षा प्रोत्साहन स्कीम भाुरू की है। इस योजना के तहत सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले अनुसूचित जातियों के सभी छात्रों को 100 रुपये से 300 रुपये प्रतिमास तक तथा सभी छात्राओं को 150 रुपये से 400 रुपये प्रतिमास तक छात्रवृतियां दी जायेंगी। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति के सभी विद्यार्थियों को यूनिफार्म, लेखन सामग्री तथा स्कूल बैग आदि के खर्च के लिए भी 740 रुपये से 1450 रुपये तक एक बारगी भत्ता दिया जायेगा। इसके अतिरिक्त चाहे प्रदेभा में महिला यूनिवर्सिटी खोलने की बात हो, चाहे जींद में टैक्नीकल एजुकेभान देने की बात हो, हर काम के लिए हमारे मुख्यमंत्री महोदय और वित्त मंत्री महोदय पैसा मुहैया करवा रहे हैं। इसी के साथ–साथ सरकार कृशि पम्प सैंटों को सस्ती बिजली सप्लाई करने के लिए बिजली निगमों को

सब्सिडी प्रदान करेगी। सभापति मोहदय, इस बारे में मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि किसानों को जो ट्यूबवैल के कनैक्भान दिए जायें उसके लिए समय सीमा निर्धारित करनी चाहिए। जिस प्रकार से उधोगों के लिए बिजली के कनैक्भान देने के लि समय सीमा रखी गई है। उसी प्रकार से ट्यूबवैलों के कनैक्भान देने के लिए समय सीमा निर्धारित की जाए। किसानों को ट्यूबवैल के कनैक्भान के लिए पैसे जमा करवाने के बाद जब डिमांड नोटिस कट जाये , उसके बाद एक समय सीमा निर्धारित हो जाये कि इतने समय में कनैक्भान दे दिया जाऐगा। मेरा अनुरोध है कि इस बारे में सरकार जरूर कोई पालिसी बनाये। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से पुनः मंत्री जी से और मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि मैने अपने हल्के कि जिन सड़कों का जिक्र किया है उनको अवभय बनवाया जाये और जहां पर पानी की व्यवस्था की बात है वह भी करवाई जाये तथा पैसा मुहैया किया जाये। सभापति महोदय, इसके अतिरिक्त मैं मुख्यमंत्री जी को प्रदेभा में बहुत सारे स्कूल और कालेज बनवाने के लिए धन्यवाद करूंगा और मांग करूंगा कि मेरे हल्के के बरवाला भाहर में 40 कि. मी. की दूरी तक कोई सरकारी कालेज नहीं है इसलिए वहां पर एक सरकारी कालेज अवभय बनवायें। सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, मैं आपका भी आभारी हूं। धन्यवाद।

श्री नरेभा यादव (अटेली): सभापति महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने की इजाजत दी इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। सभापति महोदय, 18 मार्च को वित्त मंत्री जी ने सदन में जो बजट पेभा किया उसके लिए मैं अपनी तरफ से और अपने संगठन हरियाणा युवा किसान संघर्श समिति की तरफ से अनुमोदन करता हूं। पिछले कई दिनों से सदन में बजट पर विस्तार से चर्चा हो रही है। इस वर्श के बजट में 6650 करोड़ रुपये का आबंटन प्रस्तावित है जिससे पता चलता है कि हरियाणा सरकार ने प्रदेभा के लोगों के लिए बहुत ही बेहतरीन बजट पेभा किया है। इसके लिए में वित मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। सभापति महोदय, इस बजट में कृशि क्षेत्र और बिजली क्षेत्र की तरफ विभोश ध्यान दिया गया है। बिजली के लिए 867 करोड़ रूपये और सिंचाई के लिए लगभग 800 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। इसके लिए में सरकार को धन्यवाद देता हूं। सभापति महोदय, जहां तक मैं पानी का जिक करूं विभोशकर जो अहीरवाल का एरिया है, वहां पर ग्राउंड वाटर नीचे जा रहा है। मैने इस और माननीय मुख्यमंत्री जी का ध्यान दिलाया था। जब वे हमारे इलाके में हकीकत रैली में गये थे कि हर साल 20–25 फीट पानी नीचे जा रहा है। खासतौर से नांगल चौधरी, अटेली, गोदबलावा और इसके अलावा महेंद्रगढ़ जिले में 40–50 गांवों की एक बैल्ट है वहां पर भी यह समस्या बहुत चिंतनीय है। वहां पानी इतनी स्पीड से नीचे जा रहा है। कि वहां के लोग पहले गांवों से पलायन करके खेतों में गये और फिर खेतों से पलायन करके पुनः गांवों में आये और अब बहुत से लोगों

को पीने का पानी न होने की वजह से गांवों को भी छोड़ना पड़ रहा है। मैं चाहूंगा कि माननीय वित्त मंत्री जी इस बारे में बजट में कोई स्पैभाल प्रावधान करें जिससे इन 150–200 गांव में ग्राऊण्ड वाटर रिचार्जिंग की इस तरह क कोई स्कीम बनाई जाये जिससे ग्राउंण्ड वाटर लैवल ऊपर आ सके और वे लोग वहां से पलायन न करके वहीं रह सके। सभापति महोदय, इस सदन में हांसी बुटाना लिंक नहर पर भी खूब विस्तार से चर्चा हो चूकी है। और निभिचत रूप से सरकार ईमानदारी से हांसी बुटाना लिंक नहर का निर्माण कर रही है। जिन राजनीतिक पार्टियों के पास इस नहर के मामले में कोई जवाब नहीं है उन राजनीतिक पार्टियं के बारे में विभोश तौर से मैं श्री चौटाला जी के बारे में बताना चाहूंगा कि चुनाव से पहले उनका नारा पूरा प्रदेभा होता है और जब वे चुनाव जीत जाते हैं तो फिर वे केवल अपने जिले तक ही सीमित होकर रह जाते हैं। चाहे वह नहर का पानी हो, चाहे व युनिवर्सिटीज खोलने की बात हो और चाहे दूसरे कोई विकास के कार्य करने की बात हो। जब वे सत्ता से बाहर होते हैं तो उनको एसवाईएल नहर की याद आती है और पानी का मुद्दा भी याद होता है। लेकिन हांसी बुटाना लिंक नहर पर तो इस हाउस के अन्दर बड़ी क्लीयर बहस हो चुकी है और बहस के दौरान उन लोगों ने विभोश तौर पर माननीय चौटाला जी ने एक बार भी अपने मुखारविंद से यह नहीं कहा कि हांसी बुटाना लिंक नहर बनानी चाहिए या नहीं बननी चाहिए. इसका मतलब है कि वे इसके निर्माण के विरोधी है। जहां तक एसवाईएल नहर की बात थी,

पिछले दिनों सदन में चौटाला जी खड़े होकर एसवाईएल नहर के निर्माण के बारे में बोलने लगे लेकिन में आपको बताना चाहूंगा कि 18 लाख एकड़ फीट नहरी पानी पहले से ही हिसार और सिरसा बैल्ट में जाता रहा है। वहां पर इससे जो वाटर लाँगिंग हुई उससे का किसान भी बर्बाद हुआ और दूसरी तरफ दक्षिणी हरियाणा का किसान भी पानी की कमी की वजह से बर्बाद हो गया क्योंकि नहरी पानी की कमी की वजह से ग्राउण्ड वाटर लैवल 1400 फीस से भी नीचे चला गया। उन लोगों ने कभी भी एस. वाई. एल. नहर के लिए आन्दोलन नहीं किया। कभी भी किसी प्रकार का आन्दोलन नहीं किया और कभी भी संघर्श नहीं किया। इसके विपरित जब इसके लिए संघर्श हुए, आंदोलन हुए तो उनकी खिलाफत करके उनको दबाया गया और लोगों पर लाठियां चलाई गई, गोलियां चलाई गई। खुद मैं उनके दमनकारी पड्यन्त्र का भिाकार हुआ हूं। मैं खुद 10 दिन तक आमरण अनभान पर बैठा रहा। श्री प्रकाभा सिंह बादल के खिलाफ भी मैने आन्दोलन चलाया। हमने नारनौल में भी आनेदलन किया जिसमें 14 किसानों को जेल में डाला गया। हम अनभान पर बैठे रहे। जेल के अन्दर किसी से मिलने नहीं दिया गया। अब वे लोग एस.वाई.एल. नहर की बात करते हैं। मामनीय चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा जी एस.वाई.एल नहर के निर्माण के लिए पैदल चले। हमने भी पैदल यात्रायें की, पार्लियामेंट का घेराव किया और संघर्श किया। इन मुद्दे पर जिन लोगों ने संघर्श नहीं किया बल्कि जिन्होंने संघर्श को दबाने का प्रयास किया वे केवल झूठी वाहवाही लूटने और मगरमच्छी आंसू बहाने का कार्य

करते हैं। यह उनके लिए भार्म का बात है। जहां तक पीने के पानी की बात है पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट ने हमारे यहां काफी बोर करवाये हैं। माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि हांसी बुटाना लिंक नहर के निर्माण में देरी होने के कारण हमको पानी पूर्ण रूप से नहीं मिल पा रहा है। जो वहां पर नहर की स्कीमके अनंतर्गत हम पम्प लगाना चाहते थे और उनके माध्यम से पानी पहुंचाना चाहते थे यह काम अभी नहीं हो पाया है और वहां पर हमारे उन गांवों में बोर भी बंद हो गये हैं इसलिए हम चाहते हैं कि उन 30–40 गांवों में जो बोर बंद पड़े हैं उन्हे चालू करवाया जाये। संबंधित गांवों की लिस्ट मैं अलग से माननीय मंत्री महोदय को दे दूंगा। जहां तक स्वास्थ्य विभाग का संबंध है, इस बारे में अभी माननीय मुख्यमंत्री जी ने अटेली में एक 50 बैंड का हास्पिलट बनाने की मंजूरी दी है। इसके लिए में उनका धन्यावाद करता हूं। इसके अतिरिक्त हमारी सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि हमारे यहां डाक्टर नहीं रुकते। माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से सरकार के धअयान में लाना चाहूंगा कि ये जो मेवात और महेंद्रगढ़ जैसे डिस्ट्रिक्ट है जो भी अधिकारी या कर्मचारी चाहे वह किसी भी विभाग का हो, वहां पर बदली होकर जाता है तो वह यह समझता है कि में तो सजा याफ्ता हूं इसलिए मैं यह चाहता हूं कि इस समस्या का कोई ऐसा हल निकाला जाये, कोई ऐसा तोड़ बनाया जाये कि जिससे वहां पर नियुक्त कर्मचारी और अधिकारी वहां से ट्रांसफर न करवा सकें वे एक निर्धारित समय सीमा तक या जब तक उनकी जगह कोई

दूसरा कर्मचारी या अधिकारी वहां पर नहीं आ जाये तब तक तो वहां रहें ही। वहां पर दूसरे जो भी डिर्पाटमेंट हैं उनके अंदर भी बहुत से पद खाली पड़े हैं और वे ज्यादातर खाली ही रहते हैं। इसके लिए भी कोई कारगर पॉलिसी सरकार के स्तर पर बनाई जानी चाहिए। इस बारे में अगर सरकार के स्तर पर बनाई जानी चाहिए। इस बारे में अगर सरकार के स्तर पर कोई कारगर कदम उठाये जायेंगे तो इससे वहां की जनता को काफी सहूलियतें होंगी। इसके लिए सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को स्पैभाल प्रोत्साहन भी दिया जाना चाहिए। हमारा एक गांव कांटी खेड़ी है जोकि निमराणा से सटा हुआ है। जब मुख्यमंत्री जी यहां पर आये थे, उस समय भी मैने जिक्र किया था निमराणा में कोई बड़ा उधोग लगाया जा सकता है या इसे औधोगिक क्षेत्र घोशित किया जा सकता है।

श्री सभापति : नरेभा यादव जी आप वाईड–अप करें। आपका समय हो रहा है। बाकी आप जो कहना चाहते हैं व लिखकर भिजवा दें।

श्री नरेभा यादव : सभापति महोदय, हमारे इलाके की तीन–चार मुख्य सड़कें है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि कई बार उन पर चर्चा हो चुकी है लेकिन ध्यान नहीं दिया गया, उनको जरूर बनवाया जाये। हमारी नहरों पर 4–5 आऊट ऑफ नार्म पुल है जिनकी सुराणी मैं मंत्री जी घोशणा भी करके आये थे लेकिन उन पर कार्यवाही नही हुई। यह मैं लिस्ट

आपको दे दूंगा इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए. सरकार ने जो हाऊसिंग बोर्ड की स्कीम बनाई है वह बहुत ही अच्छी स्कीम है। मैं यह कहना चाहता हूं कि जमीन एक्वायर करने में और मकान बनाने में बहुत लंबा समय लगता है। भाहरों में प्राइवेट कोलोनाईजर्स ने जमीन खरीद रखी है। हाऊसिंग बोर्ड अगर जमीन एक्वायर करके मकान बनाना भी चाहे तो उनके पास जमीन नहीं है। मेरा इस बारे में सुझाव है कि उन प्राईवेट लोगों के साथ कौलैबोरेभान करके हाऊसिंग बोर्ड के मकान जल्दी बनाकर गरीब आदमीयों को दिया जा सकते हैं। गांव कटकई में 33 के.वी. का सब–स्टेभान लगाने की बहुत जरूरत है। इस बारे में में मुख्यमंत्री जी के अटेली आगमन पर बात भी की थी क्योंकि हमारे 40–50 गांव इससे जुड़े हुए हैं।

श्री सभापति : नरेभा जी, आपका समय समाप्त हुआ अब आप बैठ जाईये। श्रीमति गीता भुक्कल जी अब आप बोलिए।

श्रीमति गीता भुक्कल (कलायत, अनु.जा.): सभापति महोदय, बजट पर बोलने के लिए आपने मुझे जो समय दिया है सबसे पहले में उसके लिए आपका धन्यवाद करती हूं। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को भी बधाई देना चाहूंगी जिन्होंने हरियाणा को देभा का नंबर एक राज्य बनाने का जो स्वप्न देखा, विकास का नक्भाा उन्होंने अपने दिमाग में बनाया हमारे माननीय वित्त मंत्री जी ने बहुत ही कुभालता से उसका एक रोड़ मैप तैयार किया जो कि आर्थिक विकास की सुदृढ़ नींव है। यह टैक्स फ्री बजट है।

संविधान में जिस वैल्फेयर स्टेट का जिक्र है और वैल्फेयर स्टेट में जो कुछ होना चाहिए उसी के अनुरूप वित मंत्री महोदय ने अपना बजट पेभा किया है इसके लिए में उनको बधाई देना चाहती हूं। जिस प्रकार से तीन साल से हमारी सरकार कार्य कर रही है, आज बहुत से राज्य हमारी पॉलसियों का अनुसरण कर रहे हैं। कल ही छठे वेतन आयोग ने अपनी सिफारिभा पेभा की है। हमारे वित्त मंत्रई ने उस काम के लिए अपने इस बजट में 1550 करोड़ रुपये का प्रावधान पहले से ही किया हुआ है। में समझती हूं कि जिस हिसाब से महंगाई बढ़ रही है उस हिसाब से सरकारी कर्मचारियों को भी सभी सुविधाएं देना चाहिएं। महंगाई के हिसाब से उनकी तनख्वाह भी बढ़ाई जानी चाहिए। चाहे उनके लिए कार लोन की बात हो, हाऊसिंग लोन की बात हो, इन सब बातों का प्रावधान इस बजट में किया गया है। जब वेतन आयोग की सिफारिभाो के अनुसार वेतन दिया जा रहा है तो में एक बात जरूर करना चाहूंगी कि सिर्फ अच्छा वेतन देना ही हमारा ध्येय नहीं होना चाहिए बल्कि कार्य में एफीभिाएंसी भी जरूर होनी चाहिए। जो सरकारी कार्य प्रणाली में फाईलों को सरकाये जाने का सिस्टम है उसको हटा कर हाईटैक जमाने के हिसाब से जल्दी से जल्दी कार्य को निपटाना चाहिए, उनको पैंडिंग नहीं रखना चाहिए। 365 दिनों में अगर छुट्टियां काऊंट की जाएं तो यह छूट्टियां 200 से ऊपर बनती है और केवल मात्र 164 या 165 दिन हमारे पास बचते हैं जिनमें सरकारी कर्मचारी काम करते हैं में समझती हूं कि कर्मचारियों के वर्किंग आवर्ज को बढ़ाया जाना चाहिए और जो

छूट्टियां हैं उनकी संख्या कम करनी चाहिए ताकि जो लटकता हुआ सिस्टम है उसको खत्म कर सकें और हम जो नई–नई परियोजनाएं लेकर यहां पर आ रहे हैं उनको लागू करके न केवल हरियाणा प्रदेभा बल्कि पूरा देभा तरक्की की राह पर चल सके। सभापति महोदय, हमारी सरकार ने एस.सीज के लिए प्रावधान बजट में किये हैं मैं उन पर चर्चा करूंगी। एस.सीज. के लिए सबसे पहले कम्पोनैंट प्लान में जो घोशणा की गई है मैं उस पर बात करूंगी। हरियाणा प्रदेभा में हमारी पॉपुलेभान 19.35 फिसदी है। लेकिन इस पापुलेभान के लिए बजट में 21.55 फिसदी राभिा का प्रावधान अनुसूचित जातियों के लिए किया गया है। सभापति महोदय, इन लोगों को 100–100 गज के प्लाट दिये जा रहे हैं, मैं उसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी तथा सरकार को बधाई देती हूं। दलित और मलिन बस्तियों के उत्थान के लिए सरकार की यह अनूठी योजना है कि जिस गांव की जनसंख्या 50 फिसदी एस.सीज होंगे उस गांव के विकास और उत्थान के लिए 50 लाख रुये की राभिा का विभोश रूप से प्रावधान किया गया है। जैंडर बजटिंग का सिस्टम स्टार्ट किया गया है। सभापति महोदय, मैं यह कहना चाहूंगी कि इंदिरा गांधी पेयजल योजना के तहत हमारे आठ लाख परिवारों को टूंटियां और पानी की टंकियां दी जाएंगी। इस योजना के तहत ज्यादातर गलियोंमें विभाग ने ईंटे उखाड़ कर पाईपाईन के कनैक्भान्ज दिये हैं। एल.ए.डी.टी. के तहत 10–10 लाख रुपये जिस तरह से हमारे गांवों की गलियां बनाने के लिए दिये गये हैं उनको बनवाया जाए। हमारी अनुसूचित जातियों की बस्तियों में

जहां पर पाईपलाईन बिछाई गई है वहां की सारी गलियां टूट चुकी है। सभापति महोदय में आपके माध्यम से सरकार से यह निवेदन करना चाहती हूं कि वहां पर हर गांव की गलियों का पक्का करने के लिए 10–10 लाख रुपये का प्रावधान विभोशरुप से करने की कृपा करें। सभापति मोहदय, इसके अलावा हैल्थ चैकअप कैम्पस जो हमारे स्कूलों में और दूसरी जगहों पर लगाए जा रहे हैं उसके लिए भी में अपने माननीय मुख्यमंत्री जी को और सरकार का धन्यवाद करती हूं। इसी तरह से एस.ई.जैड. की अगर में बात करूं तो एस.ई.जैड. की 92 परपोजल्स हमारे पास हैं और उनमें से कई पर काम भाुरु हो चुका हैं। में यहां पर यह कहना चाहूंगी कि हमारे कैथल–जींद के बीच कलायत, उचाना, नरवाना आदि क्षेत्र पिछड़े हुए क्षेत्र हैं उन के विकास के लिए वहां पर एस.ई.जैड. बनाए जाने चाहिए। जो इण्डस्ट्रियल मॉडल टाउन्स बनाए जा रहे हैं वैसे ही इण्डस्ट्रियल मॉडल टाउन्स हमारे पिछड़े हुए इलाको में भी बनाए जाने चाहिए। चैयरमैन सर, स्पोर्टस के बारे में मैं कहना चाहूंगी कि स्पोर्टस को लेकर हमारी सरकार ने बजट में बहुत से प्रावधान किये हैं। हमारे जो खिलाड़ी है उनका मान–सम्मान हमारी सरकार ने किया है। हमारे कुछ अर्जुन अवार्डीज और द्रोणाचार्य अवार्डीज हैं, उनकी पैंभान का मामला काफी समय से पैंडिग पड़ा है। इस बजट में हमारे जो अर्जुन और द्रोणाचार्य अवार्डीज हैं उनकी पैंभान की और भी ध्यान देना चाहिए। चेयरमैन सर में आपेक माध्यम से सरकार से यह मांग करूंगी की इसके लिए बजट में पर्याप्त राभि का प्रावधान किया जाए तथा हमारे जो नेभानल

अवार्डीज हैं उनको कम से कम एक–एक हजार गज के प्लाट दिये जाने चाहिएं। चेयरमैन सर, डिस्ट्रिक्ट लैवल पर हमारी सरकार ने प्रियदर्भानी भागुन योजना स्टार्ट की है इसके लिए में सरकार से यह निवेदन करना चाहूंती हूं कि डिस्ट्रक्ट लैवल पर पहले से ही इसके फण्ड्स हमारी कमेटीज `क पास होने चाहिएं। सभापति महोदय, वर्श 2008 को हमारी सरकार ने भिाक्षा वर्श घोशित किया है। इसके बारे में मैं विभोश रूप से कहूंगी कि पढ़ना केवल नौकरी के लिए ही जरूरी नहीं होना चाहिए बल्कि अच्छा इन्सान बनने के लिए भी पढ़ाई–लिखाई बहुत ज्यादा जरूरी है। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)** अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार को जो पॉलिसीज हैं उनमें हमें यह सुनिभिचत करना चाहिए कि हर व्यक्ति भिाक्षि हो।

श्री अध्यक्ष : भुक्कल जी, अब आप कन्क्लूड करें।

बैठक का समय बढ़ाना

MR. Speaker: Is it the sense of the house that the time of the House be extended for 15 Minutes?

Voices : yes Sir,

Mr. Speaker: The time of the House is Extended for 15 Minutes.

वर्श 2008–09 के बजट अनुमानों पर समान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, मैं एक मिनट में ही कन्कलूड कर दूंगी। 60 साल की आजादी के बाद भी आज हम स्कूलों से बच्चों के ड्राप आउट की बात करते हैं। हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने ड्राप की चिन्ता को सामने रखते हुए दलितों के लिए भिक्षा की जो योजना भाुरू की है उसके लिए मैं उनको धन्यवाद देती हूं और उनका आभार प्रकट करती हूं। क्या ऐसे कारण है कि हमारे बच्चे स्कूल छोड़ कर जा रहे हैं? क्या उनको ऐसा माहौल नहीं मिल रहा है जिससे वे भिक्षा में रूचि दिखाए? में यह कहना चाहती हूं कि बच्चों को माहौल के अनुरूप भिक्षा दी जानी चाहिए। हमारी सरकार ने इसके लिए जो प्रावधान किया है कि हम बच्चों को बस्ते और किताबें देंगे, इसमें हमें यह सुनिभिचत करना चाहिए ताकि माहौल के अनुरूप बच्चे भिक्षा के लिए अपनी तैयारी कर सकें। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा जो हमारे यहां कम्प्यूटर ट्रेनिंग के लिए जो कम्प्यूटरर्ज भिजवा रहे हैं, इसके साथ ही वहां पर कम्प्यूटर टीचर्स भी होने चाहिए। टीचर्स में जो छुट्टियों का ट्रैंड चल गया है उसके लिए टीचर्स ऐबसैंटलिज्म पर हमें पूरी तरह से ध्यान देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, एक मिनट में मैं अपनी हल्के की कुछ मागों के बारे में कहना चाहती हूं। वर्श 2008 को भिक्षा वर्श घोशित किया गया है। कलायत जैसे पिछड़े हुइ क्षेत्र में हम बरसों से कॉलेज की मांग कर रहे हैं। कलायत में कपित मुनि कालेज के नाम से साढ़ नौ एकड़ क्षेत्र में कालेज चल रहा है। मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगी कि सरकार इस कालेज का अधिग्रहण करे ताकि पिछड़े हुए क्षेत्र में भिक्षा के स्तर

में सुधार किया जा सके। वहां पर आई.टी.आई. का निर्माण करने की घोशणा भी माननीय मुख्यमंत्री जी ने की है, उसको भी अतिभीघ्र अमली जामा पहना कर आई.टी.आई. का निर्माण कार्य भ्रारू किया जाए। कलायत क्षेत्र भिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा हुआ क्षेत्र रहा है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने मिडल स्कूल बाता की घोशणा की थी। सरकार से मेरी प्रार्थना है कि इस मिडल स्कूल का कार्य भी अतिभीघ्र भ्रारू किया जाए। अध्यक्ष महोदय, कलायत के चारों तरफ बरसात के पानी में डूबने का खतरा रहता है। वहां पर स्टोर्म वाटर की जो परियोजना हमने भेजी हुई है उसको भी मन्जूर करने की कृपा करें। डाक्टर भीम राव अम्बेदकर मेधावी योजना में 11वीं व 12 वीं के अलावा टैक्नीकल एजूकेभान को भी जोड़ा जाए। धन्यवाद

विधान कार्य

दी पंजाब एग्रीकल्चर प्रोड्यूस मार्किट्स (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 2008

Mr. Speaker: Hon'ble Members now, the Agriculture minister will introduse the punjab agricultural produce markets (Haryana amendment) Bill, 2008 and will also move the motion for its consideration.

Agriculture Minister (Sardar H.S. Chatha) : Sir, I bag to introduce the punjab agricultural produce Markets (Haryana Amendment) Bill, 2008.

Sir, I also beg to move-

That the Punjab Agricultural Produce Markets (Haryana Amendment) Bill be taken into considertion at once.

Mr. Speaker: Motion Moved-

That the Punjab Agricultural produce Markets (Haryana Amendment) Bill be taken into considertion at once.

Mr. Speaker: Question in-

That the punjab Agricultural Produce Markests (Haryana Amendment) Bill be taken Consideretion at once.

The montion was carried

Mr. Speaker : Now, the House will consider the bill clause by clause.

Clauses 2 to 14

Mr. Speaker: Question in-

That Clauses 2 to 14 stand part of the Bill.

The montion was carried

Clause-1

Mr. Speaker: Question in-

That Clause I stand part of the bill.

The montion was carried

Enacting Farmula

Mr. Speaker: Question in-

That Enacting Farmula be the Enactiong Formula of the Bill.

The montion was carried

Title

Mr. Speaker: Question in-

That title be the title of the bill.

The montion was carried

Mr. Speaker: Now, The Agriculture Minister will move that the bill be passed.

Agricultural Minister (Sardar H.S. Chatha) : Sir, i beg to move-

That tha bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The Montion was carried.

दी हरियाणा कम्पलसरी रजिस्ट्रेभान ऑफ मैरिजिज बिल, 2008

Mr. Speaker: Hon'ble Members now, the Parliementary Affairs Minister will Introduce the Haryana

Compulsory Registration of Marriages Bill, 2008 and will also Move the motion for its considertion.

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to introduce the Haryana Complusory Registration of Marriages Bill, 2008 and will also Move the motion for its considertion.

Sir, i also Beg to move

That the Haryana Compulsory Registration of Marriages Bill be taken into Consideration at once.

Mr. Speaker: Motion Moved-

That the Haryana Compulsory Registration of Marriages Bill be taken into Consideration at once.

डा. सुभील इन्दौरा (ऐलनाबाद, अनु.जा.): माननीय, अध्यक्ष जी, विवाह अनिवार्य पंजीकरण बिल आज सदन में लाया गया है। विवाह एक सामाजिक धर्म है। इस सामाजिक धर्म पर एक सामाजिक ढांचे का निर्माण होता है, जोकि भावी पीढ़ी के उद्देभयों को पूरा करता है। अध्यक्ष महोदय, बिल किसलिए लाया जाता है, इसके कारणों का मैं यहां पर उल्लेख करना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, एक केस सीमा बनाम अभवनी सर्वोच्च न्यायालय में गया है। वह इसलिए सर्वोच्च न्यायालय में गया है, क्योंकि कहीं न कहीं पर उनमें विवाद पैदा हो गया था। अध्यक्ष महोदय, विवाह हमारी परम्परा है। परम्पराओं और रीति–रिवाजों के लिए लोग इकट्ठे होते हैं। वधू पक्ष और वर पक्ष के लोग इकट्ठे होते हैं

वहां पर फैसले होते हैं और एक दूसरे के बारे में जांच पड़ताल भी करते हैं।

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी, जांच–पड़ताल और फैसले तो इकट्ठे होने से पहले होते हैं।

डा. सुभील इन्दौराः सर, आपकी बात ठीक है। यह परम्परा सदियों से एक समाजिक ढांचे के निर्माण के लिए और भावी पीढ़ियों को आगे बढ़ाने के लिए, उसको मजबूती देने के लिए चलती आ रही है। लेकिन ऐसे क्या कारण बने कि यह बिल सदन में लाना पड़ा। स्पीकर साहब, यह अच्छी बात है कि भाादी का रजिस्ट्रेभान हो जाए लेकिन क्या विवाद पैदा हो गये, इसके बारे में मैं कहना चाहूंगा। स्पीकर साहब, मैं विभोशकर हरियाणा प्रदेभा की बात करूंगा। जिस तरह से आजकल खापों के फैसले आते हैं तो कहीं पर कोई बंदिभा नहीं है कि वे अन्तर्जातीय भाादी न करें। हमारे प्रदेभा में भी तो गांव के गांव में ही भाादियां हो जाती है।

श्री अध्यक्ष : डाक्टर साहब, ऐसा कौन सा गांव है?

डा. सुभील इन्दौरा : स्पीकर साहब, बहुत से ऐसे गांव या भाहर है जिनमें भाादियां हो जाती है।

श्री नरेभा मलिक : स्पीकर साहब, चौटाला गांव के अंदर ऐसा हो जाता है। चौधरी रणजीत सिंह की ससुराल का गांव है मैने उनसे वहां के बारे में पूछा था कि क्या वहां पर गांव के गांव

में रिभते हो जाते हैं तो उन्होंने कहा हां जी, वहां गांव के गांव में रिभते हो जाते हैं।

श्री अध्यक्ष : मलिक साहब, दहलीज तो छोड़ते होंगे।

श्री नरेभा मलिकः स्पीकर साहब, दहलीज क्या वे फर्भा भी नहीं छोड़ते हैं।

डा. सुभील इन्दौरा : स्पीकर साहब, यह बहुत महत्वपुर्ण मुद्दा है इसलिए इसको मजाक में न लिया जाए। इसकी महता पर गौर करना जरूरी है। ऐसी परम्पराएं भी हैं कि भाहर के भाहर में भाादियां हो जाती है। किसी–किसी धर्म में तो कुछ नजदीकी रिभतेदारी को छोड़कर भाादी हो जाती है। हमारे यहां हरियाणा में यह परम्परा है कि हम तीन–तीन गोत्र यानी खुद का गोत्र, दादी का गोत्र और मां का गोत्र छोड़कर रिभते कर देते हैं। अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों आपने भी देखा होगा कि खापों के फैसले आ रहे हैं इसलिए मेरा कहना यह है कि इनको हमें कानून की परिधि में लाना चाहिए। जो इस तरह से खापों के फैसले आ रहे हैं वह गलत है क्योंकि इस से गांव के गांव में आपस में दुभमनी होगी और कोर्ट में भी इस तरह के मामले गए हैं। स्पीकर साहब, मैं ज्यादा लंबी बात नहीं करना चाहता हूं लेकिन मेरा इस बारे में एक सुझाव है। जिस तरह से ये विवाद हुई हैं, दुभमनी बढ़ी है, जिस तरह से 302 और 307 तक के मुकदमें बने हैं यह तक कि मर्डर्ज भी हुई है, उसके बाद इस मामले में गौर करना और भी

जरूरी है और सामाजिक ढांचे को मजबूत करने के लिए एक सामाजिक अध्ययन की भी जरूरत है। समाज के लोग इकट्ठे होकर इसकी स्टडी करें और सरकार भी लोगों से पूछें कि बताओं की कौन–कौन से गोत्र छोड़कर कानून की परिधि में न लाएं ताकि इस तरह के विवाद खत्म हों। स्पीकर साहब, आने वाले वक्त में हमने समाज को आगे बढ़ान है, समाज की नींव रखनी है। यह भाई चारे का सिम्बल भी है। (विघ्न) क्या यह सुझाव नहीं है कि आज इस बारे में एक सामाजिक अध्ययन की जरूरत है? स्पीकर साहब, या तो सरकार समझ नहीं पा रही है या फिर मैं समझा नहीं पा रहा हूं। समाजसेवी लोगों को इकट्ठे होकर बताना चाहिए कि हमें कितने गोत्र छोड़ने चाहिए, हमें नानी, दादी या मां के गोत्र छोड़ने चाहिएं। स्पीकर साहब, कहीं पर दो गोत्र भी छोड़ते हैं और कहीं पर तीन गौत्र भी छोड़ते हैं तो गोत्र के आजकल विवाद सामने आ रहे हैं। स्पीकर साहब, कई बार तो मौहल्ले के मोहल्ले में ही विवाद हो जाते हैंश प्रेम विवाह भी होते रहे हैं जिनकों माननीय न्यायालय ने तो ठीक माना है। लेकिन जब प्रेम विवाह का विवाद गांवों में छिड़ जाता है तो इससे दुभमनी पैदा हो जाती है इसलिए अच्छे विवाह का रजिस्ट्रेभान जरूरी है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, जरूरी यह भी है कि समाजिक अध्ययन के साथ साथ सरकार सारे ज्ञानी–ध्यानी लोगों से सुझाव भी लें। इसके अलावा में यह भी कहना चाहता हूं कि हमारे गरीब तबकों में खासकर विवाह के नियमानुसार 18–19 साल की उम्र भाादी की होनी चाहिए। लेकिन गरीब तबके के लोग छोटी उम्र में ही अपने बच्चों

की भाादी कर देते हैं। क्योंकि उनमें सामाजिक सुरक्षा का भय रहता है। वे इस भय के कारण ही यह सोचते हैं कि जल्दी से जल्दी उनके बच्चे अपना घर–बार बसा लें। अध्यक्ष महोदय, इसलिए विवाह का रजिस्ट्रेभान जरूरी है। सरकार को कोई ऐसी स्कीम, ऐसे इन्सैंटिव लेकर आने चाहिएं जिससे गरीब तबके के लोगों में अनुसूचित जातियों के लोगों में एक सामाजिक सुरक्षा की भावना पैदा हो और वे अपने बेटे एवं बेटियों को पढ़ाने का काम करें न कि उनको मजदूरी पर लगाने का काम करें। अगर सरकार ऐसा करती है तो इससे हमारे देभा के नौजवानों में अनपढ़ता भी कम होगी, बेरोजगारी भी नहीं बढ़ेगी और सामाजिक सुरक्षा भी बढ़ेगी। (विधन) मंत्री जी, ब्याह होने के बाद ही रजिस्ट्रेभान होगा या पहले भी कर लोगे। हमें इसके लिए कुछ न कुछ तो कदम उठाने ही पड़ेंगे। आप भले आदमी हैं, समझदार आदमी है इसलिए आपको पता होना चाहिए कि अगर बच्चे पहले भाादी करेंगे तभी तो रजिस्ट्रेभान की जरूरत पड़ेगी। अगर उनको सरकार की तरफ से पहले से ही इन्सैंटिव नहीं मिलेंगे तो फिर वे क्या करेंगे? इसलिए मेरा सरकार से कहना है कि वह ऐसी स्कीम्ज बनाएं ताकि उम्र के हिसाब से भी ठीक हो और उनका रजिस्ट्रेभान भी हो।

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : स्पीकर सर, क्या ये चाईल्ड मैरिज को एनकरेज कर रहे है?

डॉ. सुभील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, या तो ये मेरी भावना को नहीं समझ पा रहे हैं या मैं इनको अपनी बात समझा

नहीं पा रहा हूं। मैं यह कहना चाहता हूं की गरीब आदमी में सामाजिक सुरक्षा की भावना पैदा हो, इसलिए यह रजिस्ट्रेभान एक्ट सरकार लेकर आई है। इसमें रजिस्ट्रेभान तो हो लेकिन जो लोग वक्त से पहले अपने बच्चों की भाादियां कर देते हैं। वह न हो सके, ऐसा प्रावधान इसमें किया जाना चाहिए (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : अंडर एज मैरिज के लिए अलग से कानून है। आपने इस बारे में यही सुझाव दिया है कि बुद्धिजीवियों से सुझाव इभा बारे में ले लें। आप हमें बुद्धिजीवियों की लिस्ट दे देना फिर हम सुझाव ले लेंगे।

श्री नरेभा मलिक (हसनपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में केवल एक सुझाव देना चाहूंगा कि आजकल 18 वर्श के नौजवान साथियों को वोट डालने का अधिकार है। कई बार पारिवारिक स्थिति ऐसी हो जाती है कि किसी का एक बेटा है तो वे 18 साल की उम्र में ही उसकी भाादी कर देते हैं और इस एक्ट के तहत उसकी आयु 21 वर्श रखी गई है। इस बारे में मैं अपना ही उदाहरण बताता हूं। मैं अपने पिता का जेठा बेटा हूं। मेरी भाादी साढ़े अठारह साल की उम्र में हो गई थी। क्योंकि मेरी दादी का ऑपरेभान होना था और वह कहने लगी थी कि आपरेभान से पहले इसकी भाादी कराऊंगी। मेरा निवेदन है कि इसको 21 साल से घटाकर 18 साल कर दिया जाए। जब आप वोट का राइट दे रहे हैं तो इसमें भी कर सकते हैं।

वित्त मंत्री (श्री बीरेंद्र सिंह): भारत सरकार के स्तर पर इस मुद्दे पर बड़ी गंभीरता से विचार हो रहा है। उसका रिज्लट क्या आएगा यह तो नहीं पता लेकिन भारत सरकार के स्तर पर इस बारे में विचार हो रहा है।

श्री नरेभा मलिकः केंद्र सरकार में तो ज्यादा समय लगेगा। आप कानून बना दोगे और महामहिम राज्यपाल महोदय के दस्तखत उस पर हो जाएंगे तो वह प्रदेभा के लिए कानून बन जाएग। मेरा सुझाव है कि प्रदेभा सरकार 18 साल की आयु करे अन्यथा समाज में बहुत बड़ी समस्या हो जाएगी। वैसे ही बच्चे ब्याहे नहीं जाते, फिर यह रजिस्ट्रेभान अड़ गया तो दिक्कत हो जाएगी। एकाध रिभता हो जाता है वह भी नहीं होगा।

श्री राधे भयाम भार्मा अमर (नारनौल) : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हू कि यह बिल तो अच्छा है। विवाह का रजिस्ट्रेभान तो होना चाहिए मेरे एरिया में तो 6–6 महीने के बच्चों की भाादी हो जाती है इससे उन पर रोक लेगी। लेकिन में इस बारे में सुझाव देना चाहता हूं कि विवाह की आयु 21 वर्श से घटाकर 18 वर्श कर दी जाए।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय पांच मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : जी हां।

श्री अध्यक्ष : ठीक है। हाउस का समय पांच मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

दी हरियाणा कम्पलसरी रजिस्ट्रेभान आफ मैरिजिज बिल, 2008 (पुनरारम्भ)

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, विवाह के पंजीकरण कानून का बिल सरकार लेकर आई है। इस पर माननीय इन्दौरा साहब, नरेभा मलिक और राधे भयाम भार्मा जी के अपने–अपने सुझाव दिये हैं। इन्दौरा साहब ने एक चिन्ता बड़ी वाजिब फरमाई कि पूरे प्रदेभा के अंदर चाइल्ड मैरिज रुकनी चाहिए। इस बारे में मुझे नहीं लगता कि पूरे सदन में किसी सदस्य के लिए यह विवाद का विशय हो। इससे हम सब सहमत हैं। दूसरा मुद्दा जो उन्होंने उठाया है वह यह है कि हमारे समाज के धरातल से जो समस्याएं हैं वह उससे जुड़ी हुई है।कंपल्सरी रिजस्ट्रेभान आफ मैरिज की जरूरत क्यों पड़ी। जो बात माननीय सदस्यों ने कही है पहले मैं उस पर चर्चा करना चाहूंगा और फिर अपनी बात कहना चाहूंगा। उन्होंने एक तो यह कहा है कि हमारे समाज के अंदर कई भ्रांतियां उत्पन्न हो जाती है। अंतर्जातीय विवाह है उसके अंदर बहुत सारे विवाद होते हैं। कई बार जब अंतर्जातीय विवाह के विवाद होते हैं अगर दोनों पक्षों में से एक पक्ष के अभिभावकों को, उनके परिवार के अन्य सदस्यों को मन्जूर न हो तो कई बार क्रिमिनल वारदातें भी होती हैं। जिसमें 307 और 302 की वारदातें भी हुई हैं। दूसरे इस बिल का एक पहलू और भी

है जिसकी चर्चा इन्होंने की है कि सामाजिक समरसता किस प्रकार की हो। सामाजिक समरसता ऐसी हो कि समाज के जो अपने नियम है उनमें और कानून की जो परिधि है इन दोनों में समन्वय बन सके, इस प्रकार का चिन्तन करने की आवभयका है। अध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति से सदन को और माननीय सदस्य को कहना चाहूंगा कि इन तीनों बातें और चाईल्ड मैरिज को लेकर सरकार सजग है। ऐसी बुराईयां जिससे पूरे समाज को अहित होता है, उसको लेकर सरकार पूरी तरह से सजग है। और अन्तर्जातीय विवाह के बारे में इन्होंने कहा कि किस प्रकार से गरीब समाज के लोग और उनके बच्चे बच्चियां अन्तर्जातिय विवाह करते हैं। उनको सरकार कैसे एनक्रेज करके प्रोत्साहन दे यह भी सरकार को सोचना चाहिए। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकार ने जो इन्टर कास्ट मैरिज करेंगे उनके लिए विभोश प्रोत्साहन की राभिा रखी गई है। इससे पहले में अयह भी बताना चाहूंगा कि जब श्रीमति सोनिया गांधी पहली बार हरियाणा में आई उस सयय माननीय मुख्यमंत्री जी ने जींद में इंदिरा प्रियदर्भानी विवाह भागुन योजना की भाुरूआत की थी। इसके तहत खासतौर पर हमारे एस.सी. भाईयों की हमारी बहनें और बच्चियां हैं, जो इन्टर कास्ट मैरिज करेंगी उनको विवाह के भागु का तोहफा 15 हजार रुपये की राभिा सरकार की तरफ से देकर उनको एन्क्रेज किया जायेगा। इसी प्रकार लाडली स्कीम है। इसी प्रकार से हमारी सरकार का लक्ष्य है कि लिंग अनुपात ठीक रहे। लिंग अनुपात जैसी विशमता न हो जैसा कि मलिक साहब ने

चर्चा की कि लड़कियां उपलब्ध नहीं है। लड़कों की संख्या ज्यादा है और लड़कियों की संख्या कम है। इस विशमता को पाटने के लिए इससे मदद मिलेगी। हरियाणा में चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा जी ने लाड़ली को एक अनोखी स्कीम बनाया है। अध्यक्ष महोदय, अगर कोई इन्टर कास्ट मैरिज करता है तो सरकार उसे 50 हजार रुपये की राभिा इन्टर कास्ट मैरिज करने लिए देती है ताकि वह प्रोत्साहित हो। हम नहीं चाहते कि लड़के लड़कियां जाति के दायरे में पूरी जिन्दगी इतने संकर्ण रहे और अपनी जाति के बाहर निकलकर भाादी न कर पायें। सरकार की नीयत और नीति है कि इन्टर कास्ट विवाह के लिए सरकार ने 50 हजार रुपये की राभिा जो ग्रान्ट के तौर पर रखी है इसमें से 20 हजार रुपये की राभिा कैभा दी जाएगी और 30 हजार रुपये की राभिा छः साल की फिक्स डिपोजिट के तौर पर दी जायेगी। यह सरकार के स्कीम बनाई है। इस बात को लेकर मुख्यमंत्री महोदय सजग है। जहां तक सामाजिक समरसता का प्रभन है कानून की अपनी प्रकिया होगी। एक जगह ऐसा हुआ कि लड़की के अभिभावकों ने बच्चे को ले लिया और वापिस नहीं दे रहे थे। इसके बारे में मुख्यमंत्री जी ने इन्टरवीन किया और पुलिस ने भी इन्टरवीन किया और हमने बच्चे को वापिस दिलवाया और उनको प्रोटैक्भान दिलवाया। इसलिये सामाजिक समरसता और कानून की परिधि दोनों का समन्वय बनाने की जरूरत है। इस बात से हम पुर्णतया समहत है। सुप्रीम कोर्ट की जजमैंट के अनुरूप ही इस रजिस्ट्रेभान आफ मैरीज बिल को लाये हैं। सुप्रीम कोर्ट का यही लक्ष्य था कि जो भ्रान्तियां फैलती है

कि बच्चे अपनी मर्जी से भाादी कर लेते हैं, वह भाादी बाकायदा कानून के अनुसार हो इसलिए यह बिल लाये हैं।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाऊस की सहमति हो तो हाउस का समय 5 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, हाउस का समय 5 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

दी हरियाणा कम्पलसरी रजिस्ट्रेभान आफ मैरिजिज बिल, 2008 (पुनरारम्भ)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि राधेभयाम भार्मा जी ने और मलिक साहब ने कहा है, इसके बारे में चौधरी बीरेंद्र सिंह पहले ही जबाव दे चुके हैं कि भारत सरकार इस बारे में विचार कर रही है। क्योंकि यह नई पालिसी का विशय है। अब प्रान्त टू प्रान्त तो यह नहीं बदल सकते हैं। यह तो कोहिसीव नेचूरल पालिसी रही है और हमेभाा रहेगी। इसके लिए आगे भी गंभीर चिन्तन चल रहा है। मुझे लगता है कि लड़के और लड़की की आयु में कोई फर्क नहीं है। भारत सरकार इस बारे में जल्दी ही वैसा ही निर्णय लेगी जैसा राधेभयाम भार्मा जी ने कहा है। हमारी राय भी यही है कि लड़की की आयु मैरिजेबल 18 साल

है तो लड़की की आयु भी वही हो सकती है। परन्तु सरकार यह चाहेगी कि इस बारे में नेभानल लैवल पर एक कोहिसीव पालिसी ब ने। we will also follow that, अदरवाइज पंजाब में कुछ और है, हिमाचल में कुछ और है, चंडीगढ़ में कुछ और है और हरियाणा में कुछ और है। जब भी वह निर्णय लिया जाएगा इससे कंट्राडिक्भान आफ टर्म्स आएगी। we con always bring amendements. इसके साथ–साथ मेरा अनुरोध है कि इस कानून को पारित कर दिया जाए।

Mr. Speaker: Question in-

That the Haryana Complusory Registraion of Marriages Bill Be taken into considertion at once.

The montion was carried

Mr. Speaker : Now, the House will consider the bill clause by clause.

Sub-Clauses 2 to 1

Mr. Speaker: Question in-

That Sub-Clauses 2 to 1 stand part of the Bill.

The montion was carried.

Sub-Clause 3 of Clause 1

Mr. Speaker: Question in-

That Sub-Clauses 3 of Clause 1 stand part of the Bill.

The montion was carried.

Sub-Clauses 2 to 21

Mr. Speaker: Question in-

That Sub-Clauses 2 to 21 stand part of the Bill.

The montion was carried.

Sub-Clauses 1 to 1

Mr. Speaker: Question in-

That Sub-Clauses 1 to 1 stand part of the Bill.

The montion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question in-

That Enactiong Formula be the Enactiong Formula of the Bill.

The montion was carried.

carried

Title

Mr. Speaker: Question in-

That title be the title of the bill.

The montion was carried

Mr. Speaker: Now, The Parliamentary Affairs Minister Will Move That the Bill be Passed

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, i beg to move-

That tha bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The Montion was carried.

Mr. Speaker: Now, the house is adjourned till 9.30 A.M. Tomorrow, the 26th March, 2008.

13.52 Hrs.

(The Sabha then * Adjourned till 9.30 A.M. on Wedneseay, the 26 th march 2008)